শ্ৰহণ না না না না না পত্ৰাস্থ र्ड क्षेत्र निक्ने ना फिट है, त वो का । भागिवाक्र तत वृक्ष स्व । श শালিবাহন সহ বিক্রেফাদিটের যুদ্ধ 👑 🤐 👑 🅦 নুমতীর উপাথ্যান ও বিবাহ মৎস্থিদ্ধার উপাথ্যান ৯1১০ ভোজরাজার বিবরণ ক্জা স্মাপে কালিদাস পরাস্ত নাং ১৬ **ুঁৰি**ক্রনলেন ও সম্ত্রপালের ও বৈদ্যব**ং**শীর ও সৃথুর রাজত্ব ২৩ িআলেকজেপুর প্রভূতি প্রেনর ছিল্ড্রানজেমণ … নাং ুলাপ্ত্ৰীয় বংশা বিজ্ঞিকী পাঠান মোগল বংশীয় রাজস্ব ⊃৬ হৈমুব্ন বেগের হিন্দুস্থান জয়, ছৈয়দ ও লোদী ব**ংশ রাজস্ব** ৩৭ ু**তৈ**মূর ব**ং**শার বাবোর প্রভৃতির রাজ্য ··· ·· িমইমাদ আবেদালীর ও নাদের শাহের অভিনেশ 👑 🥶 ৪৮ . ≷ १३१८ करा वकः मिता (का वानिका मनम शाम ••• ৫২ म्हास्य अल्लोका मह हे॰द्रांटक त युक्त ७ ७ त्वच्या ६१ লৈপেটভেণ্ট ক্লাইব কলিক্লাতা পুনঃ প্রাপ্ত হন 🔐 ংরেনসিটাট গবর্র। ইৎরাজ সহ নবাব কাসিমালির যুদ্ধ । ৫৯ প্রবেশ্বর ও লাড হেফিংস গবর্ণর জেনেরল ১৩ ক্ষাড়ে গোয়া বিয়ার ইংরাজেরা অধিকার করেন লাভ কর্ণজ্যালিস ও সরজানসোর (লাভ টেনমৌত) গবর্ণর ৬৬ **মারকুইস** অব ওয়েলেশলি ও হেনটিংশ ও অ'মহর্ত্ত ৬৭/১৯ প্রার্ড বৈন্টিক্ক ও অকল্যাও গ্রণর জেনেরল. 🔊 🐧 জনা কালাহার গিজনি কাবল জয়ীহন 🔐 🎮 কেবর খাঁ কর্ত্বক টং হাজেরা কাবোলে প্রবন্ধা প্রাপ্ত হন 🛮 ৭৫ প্রার্ভ এনে নবরা প্রবর্গর জেনেরল ও কাবলাধিকার হতান্ত চীন ও বিশ্ব : ইয়ার বিবাদের যুদ্ধ জয়। নেপিয়ারের অতাচার ৭৮ ক্ষ্তিপ্র পঞ্চাব যুদ্ধ জ্য়ী হন ও সন্ধিকরেন ৭৯৮০ क्षिम श्रीतं व एउन्छोनी भक्षात बन्नार्थ याजा करवन 73 करा के कि कि कुछ शन अज्ञि सारन गुन करतन ক্লামনিগছের বৃদ্ধে সেরসিংহের জয় । শুল ভারান্ত ভারান্ত ভর্মাধিকার ও সেরবিংক্রেরণ পারান্ত ৮'s।৮৫

ञिश्रिताबाहरण ॥ जाहादिन ।

অধ দিতীয় খণ্ড। ভর্তৃহরির রাজত্ব বিবরণ।

গদার্ক সেনের উর্বে থাররাজ তন্মার গর্ভে বিকেশাদিজ্যের এবং এক দাসীর গর্ভে ভর্ত্রের জন্ম হয় । কিয়ংকাল গতে উভয দৌচিত্র ক্তবিদ্য হইলে, ধাররাকা, রাক চিছাক্রাস্থ বিজ गामिकारक प्रिया गामभाव द्वाकष मिर्क बीक्षक हरे लग, किनि श्रविष्ठार्यायुक्तक खेळा कर्तितान, महाद्वाख, जवादका छ चर्हि সভে রাজালভয়া ধর্ম বিরুদ্ধ হয় পরে ভর্ত্হরি রাজা ওবিক্রমা पिर्छ। उत्राद्धारि नियुक्त इहेरनम। विज्ञान गठिव रिमर **जूर्गाउद्र** ইন্ত্ৰণতা দোৰে ক্লাচিকে বিবিধোপাদেশ দিতে লাগিলেন ই মহীপাল তাহাকৰ্ণ কৃষরে স্থান দান করিলেন না এবং প্রত্যকী क्रु ज लाख विवृध्धि मा इरेवा वद्र छेश्रास्की व एकी इरेलम. রাজমহিণী অনসাও বিক্রমানিতোর সহ, নৃপতির ভেদ জান कगाहितन। वर्ग, याहिन, श्रीविध्ननि, मिख वर्जु विकाद दात्र। वृक्षिमाम् टलाक अबस्य जुननी स्राम स्टब्स् मधी अनत बालाब काव लिक मृश्वे कामलके इरेता बरमण लाग र्यंक माना शास ভ্ৰমণ করত ঢাকার দক্ষিণাংশে কিষ্টিংকাল অবস্থিতি কারম ভাভাতে ঐ ভাগের সংজ্ঞা ভলামানুসারে বিক্রমপুর ইইনা ৷ भारत खर्मद्रारप्रेत अक महाजन बारन थाकिरनना कर्श्वित अब कात काषक्या दर्गानरमः चनुत्राभी इरेत्रा त्रावकार्याः रेमशिकाः डेमना उ बारीक्रीक्ष गडड वार्षिक रहेरेड गामिन अपरे मागुरात्राम् अत्राम्क रहेन । कहेरात्र जीत राविमातिनी व्यक्ति n Mr

्नाक्षा गणि।

প্রত্যক্ষ করিয়া লাংলারিক ভাবৰন্তর প্রতি অপ্রজ্ঞা প্রকাশ ও রাজ্যত্যাপ ইঠক বিদ্যাঘি সম্ভবা শিল্পা নদাতটে এক বিল শ্বাধ্য ব্যম্ভারা রক্ষিতা অরণ্যকীর্ণা পুরীতে অক্ষাত বাস ও দেব প্রশাদ লক্ষ অমর কল ভক্ষণান্তর চিবজাবিত রহিয়াছেন। ভাহার রাজ্যকালে উক্ত হিনাতে দীর্ঘে ৩০ জ্রোশ ও প্রত্যে ৯নম জ্যোশ বলতি হইনা ছল। তিনি নিবিপ কাবণাদি শাস্ত্র প্রচার করিন ভাহ। অদা পি লোকে প্রচলিত আছে। সোবধাণীর মধ্যে এক সিম্পুদারের নাম ভত্তি ভারা ভত্তিরিকৈ তীয় দিলার সংস্থাপন কর্তা বলিয়া মান্য করেন।

বিজেমানিতের রাজস্বাক্তান ৷

ালালোরারাজ্য নৃপালাভাবে আনান প্রায় ইইল তংকালে अधिरवश्य नामा अक दिखान ७ मामः इ धरेकक सन्मारक मिता ভাগে সিংহাসনত্ত কলিয়া রাজেতে ভক্ষণ করিত প্রভাত এই वक्षात आमक अन्ना एक करिएन एम्स अर्था हैक विक्रमाणिका व्यक्तित्व सम्मन्तीम एकति । प्रमाह १८०० मह अतारका छन ্রিত ইটরা ভবার্ড। অবশতে উক্ত দিবসে স্বয়ণ রাজসিণভাসনত হুইলেন এবং সন্ধাৰসাৰে মলবেশে স্চীকু খড়্গ লাইয়া প্রাকিবেন, কিঞ্চিত্রাত্রিগতে অগ্নিবেহার করাল নূর্ত্তি প্রকাশ ध्व विक्रमामिडाक एक भाग उन्हें या माखरे किनिडाहारक ৰণ্ড কৰিছে জৰি উদ্ৰোলম কৰিবল ৰেতাল ৰ ভাৰতাৰ কহিল असम् प्रामारक मधे क्षित्रनाः ज्ञान यथार्थ विक्रमारिका वर्षे अत्तर क्षां वा बर्किन बन्दा महित्व वास्त्रिक नेदा उ काइ। व्यक्ति हेर्न्डाम व्यक्तिकोष क्षेत्रकार स्वतिहाः स्वाहन ८४ जन् रोहत्वस्य भावतिस् अस्य अस्त्रीयर्गः अञ्चल । बद्धामा पिठाइकः केक प्रिमीत द्वाचाच चिकिता निकासके जुशान नाइ राह উংকল বর্জ কোট বেহার স্কেল্ডরাট্ট লোমনাথ অধিকার করি (बेल, आहे ममर्फ्रः निनिक्का -(अक) का छोरप्रश का प्रजान वीप

ि विक्नारिका

পশ্চিমাংশ কর করত সর্বাত্ত শক্তি প্রকাশ করণতে বিক্রমী দিতা তাঁহারদের রাজ। কনাউন্ পরিতীয় শাতাদিতাকৈ ন**ক** करतम अतर मिलीश्वत स्टब्स अधना लास्**रत माय सकाति स्र्वेण** हैं। তিনি নালরা দেশে বাজবানী স্থাপন ও দেশ সংশাভন 🦇 विकिमिरशयु नामानिय विकिन्ध विकिन्ध अवश्यासायक छिन्छम् প্রাত্ত দেখিয়া প্রনির্মাণ্ড লগত ভারতভূমি **একচ্ছার্করত** সক্ষন্ত্যন পাসন করিতে কাগিলেন। বস্তগত্য ভারতবর্ধের রাজ श्रुदी **डेब्ब शिनी** रहेन। दिक्तमानिष्डात दुखान कथलात हिला ইহা উলেখিতবা **ইইল যে সমন্ত** মালুৱাপিসতি সম্প্রদান ও ধার রাজ উভয় এক কি না, বিশাগি রির উর্জবাংশে আল্লানেরেই शन्तिस धार्यनगर ७ जिंकहे प्रपार्थ केम मिन्ने सा व्यवशी मगद्रे। छरे कान निर्णाल करेबाएक विस्तावन करान्यान क ধাররাজের কনাজাত রাখা বিজ্ঞাদিত। লভএৰ অনুনান भ्य के छेम्ब नाम अकलायात्र स्थानके कावल श्रास्त्र निधिक মতে এনত কলাচ প্রতীতা হর না যে উভর বিক্রানাদিতা ছিলেন िरिभविक व्यायासिक (कान ्जाय मिथा पाय ना ७०% सास्यत विनियस माल १ वटा १ पुन् ६ इच शादका जात नाम है हजा जन किन। वर्षाद धात दगरमात लाविका शक गाक, वसम कार्मी ताक, मजर्गांठ जिलासंचंत्र देठापि । उर्फ्रित छ ग्राहिडी इर दोकार मानी शर्डकाठ এवर छानात्मद्र विवेदश कान्ना आरम् ক বিষয় মিলে যে ইহারা বিজ্ঞাদিতে র জেইভাতা ও গশ্ধ करमान्त्र भूजा वरहेन हेराए चर्छ हत्। बामान्त्र ग्रीस भाका मिठा हम उद्य जाहार अस्मिन् वर्ष्ड काइन निक्रमानिक मका विভाइक नके कित्रमा त्राका स्टब्स ध्वर **डर्लीना** कालमार्क, न्। नाजार्व अर्थाष्ट्रेन करनेक्तस्य हिंदि कि कि एक देनिक यानि अल्लानां सं विक्रीयनी नमोदनाः ज्ञानमः विक्रमे विकार आक्र रेरान डोर्गाड हे सरभगीत कीन्नान नक वसमा नमा अखाना विश्व की महिएक धार्म जिल्ला महिएक को महिए इति देश गर्मा महिला अन्य

খুৰুইমা বিলিচেন সুডরাং **প্রশার গ্রন্থ সমন্ত্র করা অ**তি 🕱 ्रिक्ष है। कोथडरा ७ वटि यनि शश्च आरम् असम 綱 क सानीत भरत स्थापिक। व्यना मानीत भरत 🕫 ५ इति द्व 🗷 वा इंडरनक छेलाथ थाकिन जर्द अक खकांत्र विकास कड़ा यात्र स्य ক্লীৰায়া ধ গ্ৰ জাতাছিলেন সম্ভৰতঃ তাহাই হইবেক কোনসিদ্ধা স্ক্রকারের মতে উক্তরপ লিখিত আছে যে বিদর্ভ নগরে হিত শদাগর নানে মহাধন সামীর চারিপুক ছিল তার্হাদের ধন বি ক্ষাধ মিনিজ উত্তরকালে পারম্পার সোমর ভাতৃগণের ফলহো শাপিত মাহম তংগ্রহুক পালফের নিমুক্ ভূমিতে শোণিত **इन्ह्रु** अतिपूर्व वर्ष नोशक राखा धनान कांत्रलन किश्रमित माबमारन एक, ए, छत्र विश्वकत्र मृज्यू श्टेरन छेळ छ छू । नरहामरत्रत्र बहाधरक প্ৰি ১ খেলুক তাঁহারা প্রোথিত ঘড়া উত্তোলনপু অক দৰ্শন ক্ষিণেন যে তাহাতে তুব, মৃতিকা, অঞ্বার, অস্থিতে **শ**ৰ্শুণ রহিয়াছে ডদবলোঁকেনে তব্ৰস্থ সমস্ত লোক চমংঞ্চ ⊅ই ब्लम এবং छमीसारमा कर्ताक्रम निधिष्ठ छेख्याधिकातीच कव ৰিৰীয়াৰ্থ বিক্রমাদিতা দূপ সনাপে সম।নেদর্য,গণ সমাগত ষ্ট্ৰেন তথানীং রাজা দেশ জমণে বৃহিণত হইয়াছিলেন সুতরাং তাইরো হতালা হইয়া ক্ষিরাপাটন নৃপতি সমিধানে केशाध्यम पूर्वक गमछ विवस निव्यन्त कहारच किनि इस्व नक कहरन चमक स्टेश्नन स्थ्राम भूख मिछ सामिनहरून वर्ष विकाशक कि निष्यक्ति किस्तिन। जे मानीवाहरनत्र छेपा শ্যান এইবংগে কথিত আছে যে দিল কুলোভবা এক বিধরা मुल्लकी वासम्भा द्योजन मनी विकासक मन्त्र समस्य गण्याकी बरेका क्लूर्भ रामस्य मित्रकोरा क्लासर्थ ममन क्लिस्न क्लान क्षेत्रक दशहरू नाकूको (कानून) मानतः वार्गालकाः नाम कार्यामा अवशामिका सोक्षा प्रामान कार्याक वार्गन शर्व अन्ता कोब्यारन बग्नर रहेन्द्र सहित्रहा सहार कराव रही उन्हें उर्धा पती

वरेशा चित्रज्ञाशोरेनद्भक कुडकातान**्य (करेन**्य) क्रिकाला रहेता क्रिक्त । अनस्य धूर्व बेश्यमभाटन भराइक्क ক্ষর দেবতুল্য স্কোমল কমার ভূমির্ভ হইলে বাসুকীনাগ শালি दार्न नाषाध्ये पिर्वन । ऐक्का चार्कवान एकशकी मानि नम मिनर वर्षित हरेएक नाशियन। यथन ठार्रात भ्यमाना ভীত বয়ংক্রম হইবা, তথ্ন সূংপিও বিনির্মিত হয় হতী প্রাত্তি পারিঞ্জন পুরঃসর ধরং ভূপতির বেশে অপর শিশুগণ্ডে महीच ७ धनाच कण्याना वाता निजार वारमारियना क करेरमान এ কালে বদাগর দূৰ্দিগকে তদ্ধ গামী দর্শন করিয়া লিভ জিজাসিলেন তোম্রা কিহেতু ক্সু মন্তকে পরিভ্রমণ করিভেছ রণিকামজ সমবার **আমব্**ভার উক্ত করিলে শালিবালে ভাই। **एक रेश** इक अहेक्प्श विठात कतिस्त्रम एवं योश्ति घड़े जृत्य পরিপূর্ণছিল তিনি ধান যবাদি শদ্যাপিকারী इहेरनम এবং শাহার মৃত্তিকাপুর্ণ কুম্র তিনি গৃহ দার প্রভৃতির ও যাহার আলার ইুৰ্ণ কলসি তিনি স্বৰ্ণয়ৌপ্যাদি ধাতৃত্তব্যেও যাহাৰ অহি পৰি ইবিত মৃদ্যু ছিল তিনি হতাও গে। মহিবাদির অধিকারী ২ই-বেল । অনুষর সহজ ভাতৃগণ উক্তু সুসূত্র বিচারণায় সভূপ্ত চিত্ত रुरेन्ना यरमान थेठा। गुमन क्रिलाम अठ এव मनीवि निष्य वा লক হইতেও বৃক্তিযুক্তা উক্তি পৃথীতবা জ্ঞান করেন। উক্ত বাল ককে তদ্দেশীয় রাজা পোষাপুত্র করিলেন । রাজা বিজ্ঞানি ত। শালিবাহনের বিচার সুথদ্তি অবলে আনন্দ্রাগরে ভাষ मान स्टेश राष्ट्र थाना राष्ट्र कि कार्राटक महोदल आता का লোকনাৰ দূত প্ৰেরণ করিবান অভিযোগটেন গুছীপান মূচা क्यापिक रहेश करिकान भागिवाहमाक सहैशा गा अन्द्र सूक्ष क्तिकारात पाट, यसिक जावार निकास ने नम् में सिक्स रहेगा। भोज ब्रान्या विशेषात्र मार्गा क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया विशेषात्र विशेषात् निर त्रकृषात् दी वृत्र गुथाश्चावरणास्त्र सहा क्रिक मरक्र वर्गकाम अधून्ति क्रियन अन्यत्र महारकाशास्य हत्वम् अगन्यन तुग

निकेश अर्थनी स्वाप्त निनामक तक मधीत्रशान इहेल। त्रास्त्र। শ্বিশারে কিনে ক্রিনে। অভিযাপাটনে উভরিলেন তৎকালেও ভিৰাকার পূপতি সমিথিতে পূলকার প্রেরণ করিয়া কহিলেন যে विश्वेषक मचानम् मानिवाहनएक (प्रत, मंत्रुवा खना मण्यात्म জাবং সংহার করিব,, পাটন রাজ দূতের ছারালী নিভাস্ত অসং তা জানে ভংকণাৎ দলৈ না সমর হলে উপনাত হইয়া মহারুলো पाम केत्रिकान, विक्रमापिए, विश्वन विकास विश्वकीय बङ्ग ক্ষানিংখার করত সেনাপতি ২ত ব্যৱসেন অবশিশু দেনাযাল **বুকোপেক। পু**রুক গলেন্তন করিল রাজাও জা**নিত হইয়া বিশ** ন্ধ কালে শালিবাহন সমিধানে হোররণ বার্ডাবিজ্ঞাপন করি ষ্টা কৰিলেন। চল প্রিন্ত, করপুটে ভব করত বিক্রম।দিভ্যকে मांख्या कृति आत ममदर शाखाजन मारे। ज्यान आक्रम नानिता হন শৈশ আবস্থায় রণনৈপুণতা প্রকাশার্থে বৈর্জিস্থানে কৃত্ ৰেন হেপিতঃ ভাওঁৱা দেই অদ্য বিক্রমাদিত।কে সংখার করিয়া পরিতাপ দূর করি, ইন্দ্র বিলয়োপযুক্ত হৈ। রক্ষা করিতেছি मन्द्रिक नामाना विकामापिकाक नेत्र गहिन । देश विद्या সন্ধ্রে কুন্ত করে ভবনে প্রাধ্ পূর্বেক জনক বাস্কী নাগরাজ ্রক অরণ করিয়া চতুরল বৈদ্যাল স্ভিকায় নির্মাণ করিলেন। वामकोनाभ जावर एको इ द्यानवान जिल्लान । ज्यन महावनवान् रेननामि बानुकी धन।माद स्वत रमनाश्वतंभ महा छत्रश्वत दवरें भी ভূপবেপে রণকেরে সমাগত হট্যা বিক্রান্তিতার অসংখ্য रिनिश्वितान अपनिष्य द्वारिक दोर्ग्य अस्त ति उ अ में व्हिंड कतिन एक **इंहे** विष्माहरवंदिकेटिंटर शांतिल मा भारत जिमि खरारन गांनिन ইয়াশারাজিভন্ত বালুক বা পূর্ক বাটিন্ডার শিবিরে প্রভাগেত হই मरम् हे बिश्वने कृति पूर्व कि अन् जिल् विवास मिन्ने वान् ক্রী নাগকে জ্বানী ক্রিনিন কাণ্যরাশ ভূপাইর ক্রিত ভাবে উপ । एक अविवास कियान मानिकाविस यह धार्थना कहार लाउन

नवान् झाला कर्पू हे केल कविटनस त्रदन्क रेनशकित्र पुसर्वी विकार्य व्यम् अमान कहिएन भारम महाछे हरे। वाम् की ए क থান্ত,, উক্ত করিয়া দিভাও স্থাদান করিলে গাজা মহানকে সেমাগনকে জীবিভবান্ ও চক্ষুদ্ধান করিলেন। ফণিরাজ বিক্র मामिट्डात मान्ठा ७ शेरहो शंकातिला छन्छ। ग शहीकार्स छन्न . বেশে দিকৰপ ধারণ পূর্বক তাঁহার নিকটাগত হইয়া কহিলে न, मानिवाहत्वत मह मृद्द्र रिमाकीयन मक्षात्रवार्ण शास्त्र मधा ভাগুদ্ব সংপ্রদান করিয়া অঞ্জর কীর্ত্তি রক্ষাকর। রাজ্য চিত্তাস্ত র হইরা বিশার সংকারে পীযুষ্দানে শাক্রবিবদ্ধিতা শাক্ষাতে ওঃ নির্ভয়ে ত্রাজাণকে সুধাদান করিলেন। অনন্তর বাস্কীরা ছার धारे व्यत्नी किक छेरके छे कर्मा भारम धार्मिक छ्लारम श्रम्रारमा वारम कवितान धनार रेमरज्ञ भूस, निष्ण मानियास्मछ आस्। র তনর অতএব পারস্পার জাতৃবিরোধে প্রয়োজনাতাব ইত্যক্তি करूठ छेछत्र मरलत् से इरेनदा कीविठ ও विद्धार्मा मिहा भानिवादः मन्डें जरत्र व्यानिक्रम भारत्र निक्तिक क्र कहा है रनन, निरमाद्वा महा। বহার পূনক জয়ং ধুনি করিতে লাগিল। লেঘেঁ শিশুশালিব। क्म विक्या मित्काद शामा विवन्तन शुद्रक्षत्र अञ्चास श्रम क রিলেন। বিক্রমানিত।ভূপতিও সৈন্য সামন্ত লইয়া উচ্চায়নী नश्रत প্রত্যাগদন করিলেন।। নহারাষ্ট্রায় ইতিহাস প্রত্যে 📵 খিত আছে শালিবাইনের সহ বিক্রমাদিতা বছকাল যুদ্ধ করে न भ्यास भरे मिक रस (में नर्मना भरे। विक्रमानिकात, कार्यहर मिल्लामा अ मानिवास्त्मत जाटकोत जे नर्यत छेडव मीस निमि के ब्रह्मि । कम्मभूबारम्ब क्यांबिका शटक निश्चि चारह किन्यूकात ७०६० वर्ष नगरम विक्रमानिक,त्र द्वाभावत हरेगा क्ति हेरा समझ्छ (वास रहा न। काउन म्बिकिट्स्स नार्किक (भूम स्रोभ द्वाचाद (म) श्रेमिका गर्भा मिका मा महा अर्थ है अर्थ वर्ध स्रोहिक माठा मह कर्ष्क फेका भिनोत निव्हामना स्विकः बहेग्र दिव्हा क्षेत्रक चीत्रानकियोत्र भारतका क्रवन्यश्रं विक्रमाहिकः आका

বি রাজ বৃহিষ্ঠ করেন, কিঞ্চিলানরাবসানে ভাষার দ্রীর ব্য क्कातिनी-त्नाय बकाने रहेत्व यनाय कार्य वित्ववनी भूद्रश्येत विक्रमानिकार व भूनदाखान कडूल ठाहीत थाल नमस द्वारकात ভারাপন করেন । যদাপিও তিনি তৎকালে রাজকীয় কার্যা নির্মাই করিয়াছিলেন এবং কবিরাও ভাইাকে নৃপতি স্তরপো बर्गमा कविसां एक देशां यथा थां वर्षि, किन्नु क्षे मनदा क्लाने मान् ক্ৰিষ্ঠের রাজ্য প্রাশ্তির পদ্ধতি ছিলনা তদ্ধেৰক শ্কাদিতাইও नर्व गौर माम माज वाका जिल्लम, वडलेड विक्रमानि छै। व वक बिक्टम उ द्वित वांथर्गाठात लका कृत कि वांनाचा लाक नक শেই তাহীকে প্রকৃত রাজা জ্ঞান করিতেন সুতরাং তাহার নূপা তি স্বাৰ্থ। প্ৰাপ্তি প্ৰধাত হটল। বিক্ৰমাদিত। রাজ্যলোভাস बद्धरम क्येंछेरक क्येंकें। इतन मधे कविया एहर उक्त सिनीय ताक निःशमनीकरं रहेशा क्षेत्र जुङ्गवरन रिजनः भर्मान जनमार सन्नी इंश्रीन शतरमत ७०४३ श्रीत किसीखत इनेशा मनल कात उनर्व করার ত করিলেন তৎপরাকে সম্ব গ্রনার ভ ব্র। সার্গমন সা रहेव निर्थन श्रीके शि ६७ वर्ष श्रद्ध छाहो । बाका देख इहेश हिन रेशी अक्षतं करण काउन जाना अन् मह जेक्नाटान क्षेत्र। শাহে। ভূপভিরা রাজত্বে নিযুক্ত হইলে সময় নির্দেশার্থে সক আর্চনিত করেন পারে সন্তান ও প্রজা পরস্পরায় তাহার নাবহার करिया चार्क उरधमुङ जिनिक श्रज्ञ (मर्म जमार्गिय जै मश्र् भागना ध्यवणवारंभ धिवनिक इहेरडरह, भागन विक्रमानिरङात विक्षात्व ब्राज ट्यांग कर वर्ष शर्यास स्टेग्नाहिन छारा निकन्न विनि। यात्र मा तात्रा विज्ञानिकः बीत मुख्यि ७ र्षि कोगरम के किया मिक केरिया निवेदीरेड चर्लत्र रहेत्राहित्न डिन् नवीक मेनाकु नेह मैकिम विविध माखादनावना कतिस्वन अवर इस्क वृत्म महोत्रकात मूकी वि अवत्म मर्डेड अरंशनका श्रवारक व्यान्ति प्रहेत्रा एत्र क्षेत्रपनि कत्राहेड समनीर त्राकरमञ्ज्ञास क्ति म्बर्गार डाहारमञ्जूषा भूतर्भ ज्ञाना अग्रामि उठवर्धस्

ट्यालकन्। चानुभकी नहः तिक्कमाहिरकः व विवाह

नियत हिलाम हेराइके बुक्ति आधर्मको विनक्षन क्षमान स इक्त बाजा चामन गांच उत्कोमान काज बाबकमा जान्य তীকে বিবাহ করিয়াছিলেন, তথাকার স্নালার এই প্র ছিল स् (कह जिनवात ভाजवाजी जही हहै(बक कामारकई प्रीका ममर्जन कविद्वम त्मृह काद्रद्भ तम वित्न नीत्र महतुर जुन करें ভোজপুরে উপনীত হইয়া বাজীতে পরাস্থ ও লক্ষিত হয়েন व्यवस्थि এक ভউ कूल व भू हर दे छे जिसी व नम् उन्त वा ब सका म त्राहाङ क्रेश नृशमिधि नम्छ वाद्या विकारीन कतिलान। ভিনি কৰৈককাল মনশ্চক্ৰিরত সভা পণ্ডিত গৰ্কে বিজ্ঞানি লেন একলে কি কৰ্ডব্য, কালিদাল কছিলেন আনি লম্প্র पूर्व ७ এकाक्षत लाख दरेरन । जांगरम स्माक पूर्व करिएं পারি, ইন শাস্ত্র ও কবিভার উপারাতীত । ধরস্তরী কহিলেন जाचि नर्गन व्यर्गन अनुवाकादाता कादि विनंश व उपि अनाम করিতে পারি, উদ্ভট ভোক্রিদ্যার কোন তথ্য ভরত নহিঃ বরাখ মি হিলাচার্য উক্ত করিলেন প্রশুর মে ভূত ভাবি বর্তমান ভাষা জ্যোভিবে নিৰ্দাণ ক্ষিতে পারি, নিপা ভোষরাম্বীর জিতত্ত্বা বিজ্ঞাত নহি পরে রাজা ধীরবর্গের উদ্ধী উক্তিত আত্ম ধিকারপুর্বাক্ন ক্ষরিয় কুলে জানিয়া কলফ্ করণ্ করে ज्ञिक ब्वार्य कव्टिन आमि रेखमम मान्यामिरकथ मेळ कहि নাই, একৰে কিভোকবাজীতে পরাস্তহইয়া নরীনা যৌৰনী ছানু ए ि शतिनो भत्रम तमनो श्रद्यामक रक्ष्म समृद्ध शक्रामक সুনির্মণ মহিৰার হাণি জন্মাইব এবং অকৃত কার্যা রাজানু भामी हहेटल अयम पायनात अतिगीमा शाकित्मक मा अवर कांठ्युठा चहारत कि अविदेशन कहित हैशादना हमा करे व 'অন্তৰ্গ নহাৰা গৈছতি সুপ্রাম্শ লানে পরাত্যুৰ হইবের দুচ প্ৰক্ৰিক বছরা ৰক্ত সিদ্ধ তাল বেভালকে বৰ্ণ কৰে হাত্ৰা মূপ স্থিত্তে এটাত উপস্থিত হ'ব। ছ

कर्षी इस्तार्थ क्वीकांत क्षिण । उर्कारम ज्ञाना म्राह्मश्मार् দলৈনে ভোজপুরে ৰাজা করিলেন বছদুর গতে ভোজরাককে গমন বার্ছা সহপ্র লিখিলেন। পরে নৃপাগাল নর নারারণ ভাই। बाखामार्थ विश भिव माया दक उन्नक्त महानामा नमी मुख्य कड़े छ छति बात। इत नगत विभाग भाउन कति लिन। विक्रमानिका कथाय छेननीक इहेग्रा त्मर्थन महारवशवकी नमीत विषम भारक श्वरहमान लहती नगारना निष्ठ क्र कति। धांता नवीमा जननी मन्या त्रमृहरक शत्र छीटत जतन कांद्ररक्षक রাজাসচিত্তায়বেতালকে করিলেন একে কুদ্রনৌ, ভারতে পুনী युवछी मादी कर्गभाविभी मुख्दार कि अकादत्र रा भाव इहेव अछ ध्व हरूत प्रश्य है मूर्य बहु उद्युक्त किन्दु व्यम्गाम्म सादव भात छ। अधि मृत्र श्राह्छ। এই नगरम मृश्वि मित्र हा सत्वार्ध गएन। शक्ताभाषाम क विश्वम। पृत्य धीववद्रां का मात्र द्राचवद्रातात्र मध्यः (एक्स कार्यः एका ई निश्मातिषः) अक कमा। श्राप्टः कहेता सीर गृटक लालन शालन शिक्षक मूनी मणात्र कांशांक भारता द्धत्र कार्र्या नि एक्टो केंद्रिएस्य) अकेंद्रिन **भन्नोभन्न मृति नही भा**न হণ্ডন কালে ঐ প্ৰাৰ্থৰ ভনৱাকে বন্ধোধানা ছাত্ৰা পাতিতা করা ইয়া কান্ত ভাবে জালিজন দানাৰ্থে ঐ বায়িলাখা এক খীপা मुक्त क्रिका। सह अक्षी कहिन मम शास्त्र मस्तात व्यक्ति हर्त सा, वि अकारते देशाचा व नरक दिलाम विश्व व मण्यक कविव । भारत मुनित्र हे भारत उरम्मनार कांगात भारत भीनवासामानिका इंदेल। भग्नाम अ विवास कार्या विश्विधकार मात्र क्यू के किया मिक विद्या धीर्या छ। अरव निष्णं क मान्या ट्रश्रियारम कर्मान छ। বিন্তুলীক ভিলেমেই সমোষবীৰে (খলামনি ব্যাস (৩) কলি क्षेत्रे भीरल समा रूपक कार्य त न महेन्द्र राष्ट्र महोता। अध्यक्ष पूर्व कार्यक शहरक । कराइन वामनरक कि मिन्द्रिक्ष अवश् भागव मूर्वि अप प्रकः काष्वरिका জাধ প্রকাশ হইতেছে 🚉 🐪 🗥

ভিহাস সমাজি সময়ে ভোজদেকপুত্র সারাজ্ঞ সমীপাগত ২ ায়া রাজ্যমাধ্যালিজন দান করিলেন বিক্রমাদিতা বেডালের ारमरमा (भूग्वस्व वी कोरत छेलानकाद्वभग्रेकक मरेमरमा भे मबरक गांद इ**रेटनन ७४न रम नमी मंगत**्याबाद **जि**रदाविक रहेन ३ ারায়ণ আম পারামিতম বৃত্তার রাজাকে, লামাইলে ভিনি ায় পুত্র নরকে খিডীয় বার্জার সৃষ্টি করিতে আমেশ করিকেন। विक मत्र धूला পড়ি চতুদিকে বিকীরণ ইকক এই মন্ত্র পাঠ চরিলেন " লাগং ভেল্কী কাম। খ্যার বর। ময়নে লাগিবে খাঁদ। रवानि किन्नत् ।। इंडानि चांद्का वाद्मानामकव्रठ छेमीत कामतम ব্ৰম্য রক্তমন্ন অন্তালিকা নিশ্বনে পুরাংল্ড সুশোভিত কলক কল ভোণী স্থাপান ও ক্ষাতিক মণি স্বস্তু অংখ্য সুক্তাখায় দোহল্য ান প্রবাল ধার শোভিত হইলে তৎ সমীপো সনোরম সরে৷ র নির্গাণ্ট্রকক স্থেত ক্লফ প্রস্তরময় ছাট ক্সান্ব নান ও মবীন ার্থ বিভিত্ত বিকল গভার শাললে শুজ ্লাভিত নীল কুমুদ काकमन दिकाठ। ज्ञून व्यवस्थित देखीव इत्यास्य मृद्रमा विक हरे ए माधिन । माध्य विविध अन हव शकी ममूह ए बनाम खुनाए पाख्याय वनाका नम्भ यूथर तासहरम कनाकिन कक्ष्य शक्ति ামানাল হইতে লাগিল। বিক্ৰিত প্ৰেপ্তে ব্ৰুল খঞ্জন ভ্যকরাতে মধুকরগণ্ড কস্কার **শব্দে উড্ভীর**য়ান্ হট্যা উৎপা **७७ हरेग।** मद्रभव्युखक्ति शीव अस् कस्य खद्यर भाग जाता मान वृक्षावित अकुम वक गठलाक (मकानिक) क्यवीका नि बेबिय क्रूप्य भाष्टिक केम्छन भूका क्रिक्स क क्रिक्स क्र বে এবং ডাছক ভাককীয় ডাকে সদা সম্ভাৰ আপৃত হইল ভ मा शुक्क अमात्र क्रेड विभिन्न मक मिनीक्य न्छ। कार्ड व भेरा । हे जापि माक्ना नरबंद्र भाषाय त्यनानित मुक्त असन त्यक क्र जाकवाची मन्तर्भटम डाकाउ विविक्त क्यान स्थान ग्रेम्बर्गा मरीभाग (य्जानादक करिएसमा अनुस्त हमः एयन । इस दिन निर्मित नम्न कान्न विभिन्न निर्मित छ ॥

क्टिंड करः भूतमारामेत्र मह्नक्षक्षत्र मृत्येत्र माहिणा किका व विश्व क्षेत्र क्षेत्र मार्गारमान्य र्मान्य के विकित्र क्षेत्र क्षेत्र के माम रिक्डान करिन महाद्वाज नृषी क्लक विकारीयान स्टिक वक रहेना ममलहे अनवगढ रहेलान और दाना विशिम विश्व ছ্যানের উচিত হান অভএব সম্বারে রত্তসদলের অবান্তরে প্রবিষ্ট र्देशी मेंग मृज जाश कड़म् आको उरक्तनार जगरश धारमण्यक थंथाव कतिया मार्का हे एकूर्निसंस छा जवाको चकहि उ इहेन। कथन क्याचीय द। त्य भूष्णामान । उत्रमा प्रतिवद उहिंग हे দ্বিতীয় বাজী জয়ী হটরা^{*} ভূপাল মহা বিনোদিত হ্**টলেন।** অন কর ভোগ ভূপতি বিবাহার্টে আহ্বান পূর্বক বিক্রমাদিত্যকে সি•হাসম্থ করাইয়া তৃতীয় বাজীর উদ্যোগ করিলেন। তৎকালে **ভাৰ্নয়ৰ্ভা**নুনভাৰ সম্জুল কপালাক। কিরবে খাডাৰাকার বিশ্বত্ৰন ভেতুক নৃপাতি নিতাৰ বাক্লিড ইইলেন এই সময়ে ষয়॰ ভোজদের লাগ্যং ইত্যুক্ত। বার বেয়াঞ্লি ধুনিকয়ত একশত (बीवर्ज काम्बर्जी बस्मा कशावेजी की नगरता कृटनामत्रा क्रकसी **मोशस मुजीराम माछि**ठा करती गुडा माम्राकारिमी मृक्ति कति **লেনভার্নীদের ক্রিকিই সাজিও অন্ন বৈদর্যাল্যাভাব** এক।বয়ব দুটানত্ত্ব বিক্রমাদিতা স্থিময়ে তাল কেতালকে কহিলেন हेशवर्गक कर्षक्र कार्रीका वीकारक जन्दक पामध्यक जनन करना स्थान जानुवाचीक कू वेनास स्वतंत कांत्ररम मारे जानन भिका मेककामिनी क्वांकामके पूर्वित्रीम् स्वां का बाहित्य भारत क्यांक नामायी मुद्दीम्य अपनिम्हेन । ब्रेडीवंगा विम राजी बनो रहेता छान् बेडोरक विवाद की हालक छेवार ही स्थान मारह क्षि क्षिति क्राइ क्षिनिम्मार (क्षित्र) करी। भीरकाकोत्रक द्वितेष्वा वृज्ञानिनिविद्यक्षणाकारण माना त्योक्क क्षीनाम श्रुवानके नेत के वी विमाद का बात में विद्यार मिका गामाम देखातिमां मृत्र विकि देखाँक वर्द्यान ते । अने विक अभाविक्रमास्टिं। नीव भाषा कानुमठीक वदारमा करिसीन

बहे कमर्याकृति कुछा । जमा कम कह छमरश्रीय वहाँ का हेर्जु अवता रेवविक्व हेर्गाममा गई कन्याकार उन्तर्स विकास भागून्त्रक मात्रा श्रकारण निवा महत्त्रायत अ महिनातम के निवासी ও তন্তারে ক্রিক মন্দিরে শিব স্থাপন করিলেন ক্রিনেন मृत्रवीकन कतिता स्थावज्यन एक्त कल्ली जाम केंद्रक अस्ट्रेस्ट्र গিয়া সেই তড়াগোদর সংস্থিত প্রকৃত্নিত নানাবিধ খেত লোকি ভারবিক বৃদ্ধ নব দল নীল নলিনীয্তা স্থমী শোভা সক্ষিতিন তাহাঁর নাদশদল সমন্তিত ভাত প্ৰোলাগিত হইতে লাগিল এব॰ পিততা শোভিত সর্গিতটপু অটবান্তরাল হইতে অলিকুল বর্গ গুল্থ নিসানকরত গণান সর্বিসহারে যুথ্থ শ্রেণীবদ্ধ প্রিত रुहेश श्रेष मक्तम् श्रीमानाम मद्र रुहेट नाशिन अन् रिक्ष খারতর প্রভাকর করে পৃথিবী শুক্ষতরা হয় তথন তিনিও এ ম कारण दाखी दाखाव भाक गम्हि इर्ड सम कारना भाक है। शेषमा नथा बक्क जाकरती । शामगुष्टमा शेषमा देवन देवन कताबूरकी।। वर्षार काम किठि शच मग्रद्धा नेवी कार्य मुर्गी विकाममान रायन এवः बक्रवा बक्रवाद स्रोप्न मिलित नका करतन, किस महे गाउन अशहस हहेल छेरखनका निकासकार क्रिम्युक ও क्रिमक व इर्यम अठ এर अठि अवस्थ नमग्रविरमीर व्यद्यासमार्कस्य मा। त्नहे गत्रमी छीत्त त्निक्तम व्यवन्तासम वज्रहे। काक काम श्र श्र क्ष विविध विरूक्त वाद्रि हुन के कि कर्मध्रीम कतिरवाह अवर बीत हिंड वली विकित अधिनव राज मनामन्यूतं मुख्य मन्यूक महायस वर्ष म्रामिति मार्थिति मार्थिति छरामिक सक्राज्य अमृद्द्य भूमभूत वामिक सत्र कारात कर्नमूर दि प्रमणीयक वर्षा अविदेवण परेट नामिन छयम महिला नव योत्र नगरवं देशी समूत्र विकास के जनगरनी प्रकृत समित्रिक रवड ठर्जित्य जम्मक्तित्वला विस् । बरः ग्रीम विविद्यत्त मुख कावस्थान कनगरमाश्चित्र कांग्रहात्र बन्दर हिर्झाल संस्था अवि अनुमन्त्रमानिक क्षेत्रक छम। विकर्तन किन्नुम्द्र शास

कार्य ध्राहिक्यणि ग्रहासः वादि क्षत्व भागि शाह शका क्षेत्रक भागेष्ठ भागव भिनामाक्षमा क्रिया माखाव हिट्ड काल्य ब्राम के शर्वभन कतिरनन । दिक्य भति हा जमा चक द्वा विक कारणामन मर्गनार्थ निवमस अर्था ममुशाइक इहेव। मामा के भाग विशे म्यानंत क्रेंग, बनखत बन्धना (माय हरें कि প্রতিক নিমিক তং সামীপ। মরে।বরে অবগাহনাথ কলা जल प्राप्त भूतक युक्त नव शिही इहिजन ठवहें मुझादक करोह नेव अ इक्क निर्म इ इक्ट्रेंट नाभिन । अहेकारन क्का माहिशस क्ति, हा अन् भरे छान ज्याची चिनिहा हिना। विक्रमा , प्रशासना का स्वास का निवास के निवास क त्त्रन त्त्र वह कि विक् हेना है कि वल माया माज भव्यव छान विन्धार वनारक भना कतिलान । भनिकी क्कीत প্রতি রাজার रेउइक्टि उत्त सम्बद्धां भाग विकास क्षेत्र कि उत्त पक्ति देखक क्रमं स्वीतःभू इत्य । यस धादन कद्रक वद्यम । मन् मुम्रद्र क्षावर्ष श्रेष्ठा तालात जावर रेनन। दमना श्रांक विनाम अ अध्य भी निमान बच्छती मिहित क हुन इएछ भुद्राव्यि नम्ब भार्षी এवर दहस्री बरकाविक वास्त व्यक्तिका, घर्षे कर्भाइत শনীর দিশুও ও পঞ্চ পাত্র বনুপানি, ইইয়া মৃত পতিত রহিয়া ्रक्त **बाला केन्स** दिवस इंदरकत करे। कि नक करिया दिवा ाद्धानाकाकुत्न त्मवनिधन गर्याम (छ विका अवस् विनादशः ्रत्यं, क्रेट्नन ज्यान कार्मकों का क्रूनन वाजन किर्द्यु क्रमन , १६८० र कुशकि निष्यामा एक्स काल तर्यन दक्यन कुलाना भी क्रामा करिएकर ए मध्यामा। विकूरे नरहा अथन जेवनीयत प्ता श्रेष्ठा, विटमगकरभ क्या व भारतिक क्या चीकादक दक प्रदेखा निवनः मात्रस्य अभावता रहण्याण्या हत्याना

এক निन जाका नवरङ्क थाँखरु पाँखर प्रकाश मि हामरन विजास नाम स्हेशा रवण व्यक्षां मार्था नाम प्राप्त शहरान व्यामासीह শাজा लाएमा ଓ उर्कविश्व भीमाश्मा मन्त्रक क्रिडिट्स हे हुन् कारन कुछ। वृक्षी वन्न छथान्न छश्नी छ इहेन,कवि कानिमान निर्दे সাস্ভিলে জোক **যার। কুজার ৰূপ ২ বি। করত ভ**দ্ধান্ন স্মধ্যে मलागर ममस वास्त्रिहे हाम हत्न मध क्षेत्रण न । कृष्टा लिख्निका ছইরা পর দিন গুভাতে ছোল নায়। বিভার শুর্ম ক **অপুরা** দেব মুক্তিপ্রায় নারা জ মাণ্ডক **যুবক বেশখারল্**করত রুব্বিশারেদ বজ দম কায় শোভিত ভয়ন্ধর গদীচক্র ও পূর্ণভূপ শর পারিপ্রাই শুরু भद्र উচ্চिঃद्येता विक्छि क्की नाशास्त्राङ्ग नेका विभागास्त्रविज्ञा थिया नक विद्धार्मा तिर्द्धात यन शान करू करिस्सन, असीता स জিতেজ্যি সভাবাদী ধর্মময় বিশাসভূমি দেখিয়া তবসমিধানে थहे खुबनायाहिको काचिको यमने क्रिनाम, साबल्मिकी शांकिमह রবাংপ্রত্যাগত ল'ফেই ভাবং কাল**িবিশেষ যতে ইহানে স**ংহ ক্ষণ করিব। এবং বিশাসদাতিতা ব্যবহাতা এই মুবতীর প্রতি অত্যাহার করিবে মহাপাতকী হইবা। কৌনীপতি পরপর্ত্তা জননী সম জ্ঞানে তৎক্ষপুথি অভাপুথে প্রেরণ করিলেন। অমন্তর त्रनथीत क्षाद्वणी तीत्र भूकष त्मल मृश स्मात्राति विविधाः नगडिनाशाद्य कठिन कामरथ धन्युक क्रिया वर्गनार्क व्यक्त ক্ষিতেউপাত্ত চইয়া প্ৰ**লয় কালে নেখ নি**য়মব্যল্যাৰ্থকে বুপুৰ एक कि कि लोशिएनम । महा अब अब तो अवीयन वर्गे जिल्ला व्हेटन अर्थन क्वित कार्य में व स्था काल व जिल्ला होता कि निकास उ यमर इस्कोई नि॰स्नान, महारकाना हल हर्जू कि बार्थ । इस मुख भानि भाषानि स्वयंत्रक भठित प्रदेशकानि । विवर्गनि गरंठ थाएक स्वारदारीत मुख्यार ख्या भाउड रहेरन लाहाह মৃত্যুক্তানে সভাজন গণ হাহাকার করিতে লাগিলেন এমত পন त्र अख्यम् इ स्टेट्ड (अक्रमाना अगनी खेळाडा (वर्ष काणिक) তৎ পতির ছিয়শির ধর্ম পুর্বাক কপালক লকে ককলা ঘাত পুঞ্

नव असामादिको ११का बाकारक कहिएलन यथीय छेशकाबादर किका मक्ता कड़ियाँ दक्त भारत कल्लन कारकेत किका श्राक्त निक क्रेरेल सामी के एक पर प्रविद्ध ख्योज्डा क्रेरेलन। शास ए छ छ। नजब मधी एरेसा विकाममामिक। छ बेरन छे शाश्रक स्रेल শব ব্ৰুপ্ৰ চমংকত ও উ. হাত বক্তাক্ত বাণবিদ্ধ বসভাশোক अक्षाचा थात्र गत्रीत नन मंदन मकरण हे का नक्क हरेरलन खबर শক্তাৰ অধীৰৎ রণ্ডম ঘৰ্ষ অপ্ৰমিত বিগলিত বারকরের शहरताम द्रामादिकाचानुक त्रानाग्रमान त्मार्च दिला करम इत्या विशावनित्र इहेश कहिरमत ता बहरता है युक्त कम वार्त व जोक्रव इरेटन मध्यहरू । मा॰वृत्तीम्भूक्य केंक्रकवित्यन बाह्य हेळानशे होता उठामात्र निकारे भीष व्यक्तिशां मिन् ि नमें कानाचिका सामा। घडारा ममर्गन कब, बाजा कहिलन তোর ও বরকারিনী হোমাবই ছিল মন্তক পতিত মন্মানে म् असम्भः मृठा हरे अरहारे, उथन दशादाही हामारमा किहानन धिक द्याद्रवाका सनाझाल गृथीभाठि ও धर्मातजात इडेना शत বনিতার মায়ার ন্যা ওপরদারেরত এবং বিশ্বাস স্থানকে উচ্ছি मक्रा कथन अर्थे वारहा इ नाइ,हा मम नसंख् शाला श्रम निम खिनी चेका बरेना कि अकाद्वरेना दल्ला याहेत । कालिमान नृभ তংশবাণী প্রবংশন্তর কহিলেন। যথার্থ তোমার স্বায়া স্থালত ছতাশনে কারা ভারণ হইয়াছেন। খোটকার্চ উক্ত করিলেন সূজাকৰার কল্পশ্রভূতি ভূগন প্রাপ্ত হর্তনে সভাপ্রভাষ হয় এবং তা প্রতি শুনর জি করিলেন কে প্রতিত্বর প্রেমিতেভি সাহার বৰ্ষাৰ হয়পুৰুক ভূমি আত্ম কটিলেশে গুপ্ত প্ৰাৰিয়াছ অতএব विवादश्याक रहेशा अने एवर भारत महत्त्रशासी रहेरा काति, या इ तिन **एक् उ किया मन्यामन कविशा । कारि**पान मनिकास रिश्ति (मेलिशिक इरेन्न सन्द दाक द्वम कर, पानि कनाइ वाह नहें नाके, अद्द त्थानिक वत्राव्यात्मात्म द्राक्त व्यर्थन मन् रे ज्यालिक तक राज इस्त्रिष्ट्। उपन जिन मच निरम्भाइन वरे

विक्रमा रिट्छा मृज्य विवद्रण।

मगुर लब्लाकत करका निख्या थात्र कुणे : कृत द्रश्टिलन । त्यांचा वीत्र ठार्रात कक्षकी स्टेंटि तब्रशांत धार्म कित्रा विक्रमापि তাকে कहिलान मंत्रभाष्ट्री তোমার শুকান্ত মধ্যে অবশাই আছে এখনও ভাহাকে আনিয়া দেহ। ভূপতি কহিলেন যদি ভোষার প্রিয়দা ন্নাবরোধে থাকেন তবে তাহাকে পাছালে ব্রুক এই न कता वाकाशिक देवकारा धेरकःबद तुम्स्वीर हेळ्ळाला শব্দ করাতে সেই স্মেরাননী বামলোচনা অবিলয়ে স্থপতির বামপাৰ্ষে উপনীতা হইলে ভূপতি সভাগ্ৰ সাহিত্যে লক্ষিত ष्यक्षश्वतः **णायामृत्य कर्नाक जिल्ला**का कुली निर्मोदत কেই প্রত্যক্ষতঃ দেখিলেন। এই অসম্ভব অঞ্চত্তর ব্যাপারে সম্ভ के रहेता উद्कालम् मांगीरक वहत्त्र शतामि भादिरशास्त श्रमान कदित्वन, के को अभाश करेंग अवधा अवि तुष्ठिमान् বিবেচক হইয়াও রাজা লোককুছকে বারমার পাতিত হইয়াছি लन। कियरकाम गाउँ इहेरल धार्यक्रमत वहा चिक क्षेत्र सरमा গুণে পরিইণ এবং কর্ণম দাতা বিক্রমাদিত্য সমস্ত ক্ষিতি শাসন করিয়া আত্ম পরমায়ুর শেষ জ্ঞানে ভাল বৈত্যাক कहित्वन मश्चर्ण ও अमत्राव मेमार्गनात्व न्यूड्रा इहेशाह, छा भता व्यामात मरना जिलाद मण्येत कता। जारात्रा करिन, रमन अ कान् विचित्र कार्या, कूछक बाब माइकर्या मूक्त्रवास्थरवारम क्ष् मू जिठ कद्रठ यांगदल छेत्। भग कड़न, किस नशरनायीलक क्रिज्ञ नाकश द्वाठू छ इहरवम। उथम उथाविश कार्या क्रिज़ न्शवत रेमवहर्यात्म विभिन्शृत शतिमोगा खाशमार्व छ है নরমোজন পথোত্তীর্ হইয়া তাল বেতালকে কহিলেন আর কর্ত मृतं शर्थ चारहे, किरोता ताकात हक्त क्रकाम छ जीक जुनर किनाज कात्र मृथि कात्रता मूना एईएक निरक्षण क्यारक देवाम् शादन शक्ति क बीदन काक स्ट्रेंट्रिन शासात्र निष्यत स्ट्रेंट्रेन ना । भूजारक देने कारणज्ञ जाकाकिरलज्ञ विगारक अवजानके वर्गन

*

ীক্ষাছে, শেকথার সভাতা বিষয়ে এইকংকার লোকেরা অবি ' **স্থাস করি**য়া থাকেন কিন্তু সে প্রস্তাব নিতান্ত, সলীক না হইবেক, কারণ বৈদ্যক শাজে পারার শক্তি এমত লিখেন যে তদারা মানুষ্যিপ দিভাষ ওলে গমন ক্রিতে পারে এবং তরেও গুটিক: মিদির কথা আছে ইং ১৭৬৬ দালাবণি নেং কেবেণ্ডিস্ প্রভৃতি क्किंग मिलिका नाधिक का छेनलान वायू घाता दिल्न यस আকাশবিহার করিয়াছেন, এইকলেও আকাশ গমনের বিষয়ে ইউরোপীত্তের, অনেক সদুপায়ত কৌশল করিতেছেন, অভএব ব্ৰাধ হয় পোৱা বায় কি মন্বভার যোগে কোন যন্ত্ৰিশেষ ষটিত যান প্রকাশ ছিল, অধুনা নে বিদ্যা লোপা হইয়াছে। প্রা अक्ट काला विक्रियामित्छात्र छेत्रस्य छ ठाँहात छन्त्र हो सहिया ভাৰুমতীর গত্তে বিজ্ঞান সেন জিমার। শৈশবকালে রাজ্যাতি विक्र रहेरतम । **डॉरांबल** ताजाणानम छर्ग छ आजावारनरना ৰাশবিশ লেটকই প্ৰাছাশ্ৰে ত্ৰ্মনা বিনিয়োগ করিয়াছিল, ক্রিনি বিবিপ বিদ্যাণ্ডৰ অশ্ব হইয়া শাল্পপর্যালোচনা করিতেন ভাষা বিষয়ে মতর্কিনা গ্রন্থে বিতারিত বর্ণনা আছে। রাজা বিক্রমংগদের অতি শৈশ্বকালে রাজ্ঞাহণার্ধান ইছা বিবেচনা ক্রা ফাইভে পারে যে বিক্রমাদিতোর রাজ্যভোগ প্রায় যুদাই রের শক্তের বধ্যেই ক্ইয়াছিল সৃত্রাৎ অনুমানতঃ কহা যায় বুলারিক্তনার ৮৮৯ বর্ষ পর্যাত তাঁহার রাজা ছিল । শক জাতী स्मिरमञ्जिरशान भाषिकारन अविज्ञानिरकार मन्यान हाना **माज्यातकात्र** श्राहिकोनः (जिल्ला शांग्रेटन)ः नानिवीहरनत कारत, जिन्दामनक कविन्ने क्लिया अत्रात्मत देन नीमाविध भ्यान्त्रम् अर्थात जाद्र कर्याद १ काश्रम् धावन रूप । ज्ञा निक नाहिरणात स्थात कियनकारा अस्किके नर्मनात्र वारगाक्षत्र जीत शास्त्र मालमन करिया डेक्क्यिनीएक मागमन कडिरममा अवर कार्यात भवनाकथा । इहेरक भागियाहर जनावास यासा ब्राइ निर्शामनाका रहेरा शाहित्यन, किन्न विक्रमानिकारक

कठान धार्मिक व्यक्तिका क्याकी वर्गित महाना निर्देश निर्देश त्मतक मिश्हाममञ्च कब्रियमे, जिमि जीविककान भूमें हर स्थान হার প্রচার করত উক্ত রাজার প্রতি কোন অত্যার কিন্দ্রভাগ র ব্যাফাত করেন নাই, **পরে** তালার উত্তরাধিকারির। সম্ব वर्च गल र हेटल हेएताओं १४ नारल नालीबाहरनत नाना अव् फ करतम । हेर द्राको ७० **मारल निर्देश गरमस्त्र त्राका स्त्र**त (भाराव স্থায় সমূত্রপাল মামক এক বোলী ছউতা দারা মহাবাজাকে নাই काँद्रशा अग्नर्शमक्रीश्वद रूपम । उरकालायनि शहर मूर्गः अमिख **४९ मम्बद्धन मिल्लोत मिश्लामक रूपांच्या नि ५०३ व्यक्त मानिएकारत** भगः स्ट्या व्यवनाभीन शक्तान्यक हरेम, धाउर विक्रमानिकः ও বিক্রম সেনের সাম্পাজা ৯৩ বর সম্বং গত হয়। স্মানতর ভি কোপজীৰ সময় পাল মন্দ বিদ্যা প্ৰভাবে ও নিক্ষ গুৰুষ্ त्राक्तरम প্রাক্তির বালকখালার প্রভৃতি কি अग्रोना मभूकका ক্তিকে বশাভূত ও শিখ্য করিলেন, কিন্তু ভাছাতে পারসাধিকী नजु। किছूमांजरे हिन न। छिनि किचिन्ना विमा पेडमन् आ बिखन। जे मगु प्रशास विश्व विक्रम शास असंह साहम ज्यात ७६६ यन ७ मान ब्राक्तिविकांब हिन, अहे नगरब मनार शांतनीय लू भवर्षत खनः धालामः भातग्भत नृष्कि इदेर वाश्वित । विक भाग नः भीग म्शिकिशात ताकाकारम est कहा ए हें है। she नारन ट्याबरनव मारनाशांत त्राका करमन छोहा हहेरछ कु म जिरहानमा कथा क्षांत हम । नम् छ्लाटन इस्तानास्त महा निविधात महात बाहणाव स्टेड वाधान, अवर जोसंत्रा काष नश्च कर वर्ष भर्याष्ठ आ गृह करव्रम, स्मरे न्याक्ती अयुक्त पाइक त्रदर्वत नाम। सारम छेशाजको रुष्ट्रमा आकार्याम हिन्दिति ॥ धार मः छेड् मारक्त रेमच रेनक्क मुक्ता विस्त विद्रम्य तिय क्षिश्रवहम । मनग्रिश-विदाह क्रब्ब्स् मा, क्रिक्क सुमा सिमान अपृथ्वि विश्व व्याशास्त्र व्यानस्कर्ते सम्बन्धः स्वत । स्ववश्वतः स्व निक रेजन (माकामिया वानिक)। नि कर्या नियुक्त कारहत, छ। ही

क्षेत्र कार्याक क्षेत्रक क्षेत्रक देशिया में में में में मेर श्रीय बक्ज इर्डा पुरक्षरक्ष अन्य एरशना लाइक्फ्लुरंत कर्नाइ स रेगब नका भी अर्जुन(रशंत्र असे वृश्विष्य भित्र हिना, हिन्तूरमन द्विमी जाना उमीन वामगार ठाँस र व कत्रित्रा मनीम करदेन । भरत त्यात्रक्रमात्यत्र मण्युषाचित्रा क्षेकः प्रक्रक उचिक्ते स्टान शूनक নির নির্দান করাতেও দিলীধর আওরক্ষের মসজীদ করি লেন। কৃত্তক সিদ্ধি পূৰ্বকে অনেক বোগিয়া আসনোখান করি टि माहिट्डम, डाइ। इंश्लाम ६ हिन्तू घरनहरू मान्यायक भिनान नामक धकक्र मिक्सम्मीय विशिष्ट केंद्रण भागती ৰীপান কল্পিডে গেখিয়াছেন। পঞ্চাবেও এক যোগী দৃষ্ট হই ব্লীছে ভিনি ধর্থেছাকাল মৃত্তিক। নথ্যে বাস করিতে পারিতেন ट्यंत्रको ट्यंषुत्र। कशानिम, नारश्चन प्रात्त्र गांद्वर कोवा दिल्लंव পরীক্ষাপুর্বার ধরার ই দৃষ্টি করিয়াছেন, অভারপছিরা পুরু কালে নিয়ম ক্রমে শিব শক্তির অর্চনা করিত। একণে তাহারা क्ष्मा क्षि। जमा श्रीमाविष कमर्था वात्रहात । अर्था हेन कतिता নৰ্ম বিষয়ে সমজ্ঞানী জ্ঞাপনাৰ গৃথ মূত্ৰ প্ৰভৃতি অঙ্গে লেপন ও भृष्ट्रक स्माधनर्भन समा भीग्र यानाचांत व्रक्तभाठ करता यना একদল শৈবের নাম নাগা তাহারা সহসূহ দলবদ ও অনুপারী শ্রমা বেইবাক অপ্র কবিত একলে রাজনাসন ছারা অনেক विवाहन रहेबारह । भावनिक शह नाविखादनवर छात्र । विभाग्य निर्विष्ठ जाटक विवास >०० - तर्व क्तिकारत देवतानीरमञ् সহ নাগারা উৎকট সংগ্রাম করাতে তাহারা ভূরি সংখ্যক হত र्ष (नात्म मृखिद्री जूनमी माना छत्त्र । अ वर्नकूखन सायन करता। जुलीली मनादि नामक त्याहलमान छह मन्त्रासद महिन माना नवानिया के लाउमा गरा माठ वर्ग कर करत अर्थ छर नुव्यक्तित्व रिवर्तन किया दनका हर उपकर माध्य पति शास मानारारा लिक, नकानी, देवजानीय क्षेत्र कुन्न यस स्त्र काशरक क्यारतारी भिरकता नक्यार भेतां के वह वीक्रिक हैंक अवर

বন পাৰ্বতে তাড়লা করিয়াছিল জী এতাপী শিক্ষরাই জীব भवर्त त्वामवर्ग शिक्षि राश्वर कर्ड् के के किय वर्षेश्वरिक्ष नश्ने (मनीय दावा जिनका का किए के के बनाव মহারাজ বিক্রমপাল কালায় চইয়া তংসভ যৌরভর সংগ্রাহন इक हरतमः जनकारी जिलकान्य पिलीस्थितिक वानामाद्याकी हहे लान। छेक्क विनक्ठकाविक लगोबिन्स्टेंग्का को देवनरेन्दी अर्थः **% >॰ जरमर्ड > ३० वर्ष ४ माम ब्राज्य करव्रमा । १४ महम्बी महा** রাজ্ঞীর সামুখ্যি সহৎস্থাতীত হইলে রাজমন্ত্রীগর পরামর্শ **পূর্ব্যক অতি প্রাক্ত ও ধা**র্য্যিক ছব্রিপ্রেল বৈরাগীকে দিলীর সিং हामभन्द कताहरलन, सावर मञ्जूष धनाल भहाबाद छ। हात्रहे निषा ছिल्लम। जे इति श्रिमान विस्तर महारश्म भागा है । सन देसदा शी कर वर्ष १ मा**न ताजारकाश करतम ।** फेल महारक्षम नेपाल রাজ্য বিষয়ে অনাসক্তান্তিও হুইয়া বন অস্থান করাজে স্থান गि॰शागन मुना त्रिन, उ९म॰वाम कांवर । ১২২ मस्टिक्क वा अध्य थीरमन पिझी नगर्याक्रियन कृतिस्त छन्छ मन्नीवर्क छोङ्क्रिक जूरीभियक जाकन मनामात्म नुभ मुना मिक्नामान वमाहिया जनाक्कांन्त्राद्ध वर कार्या कद्भित्व वाशित्वन ।

शोरन्त शुक्क दक्षान दनम के शक्ष शांत्रक विकर्णात्व प्रक्रिया कामद म्यामिनगरक इंश्टबकी ৮৮৪ मार्थ्य ६७ शांस संस्था

कृति (१म) ताका वलाम अने विकेमभुख करणन अवर मिली जाकिक निरिन्ना रमनीत नृदेश्यक्ष न मृतिहात विवरस नक्षता हा हिरमग। डोहार नेबुख् मत्या ब्राप्त, क्षीड, क्षड्डि व्यापत्म प विक्रीएड बाजधानी इंट्रेस । च्या ठाउँ विनयापि नवसन विनिधि क्रमें महिल्म में अभागक विकाश कि कृतीम कदिलात । छेळ बोबार रे कितंब जारेंसे विबक्त करेगा छन। भूक ने कार्न मन (इर्गाएँ) भागमार व इस अक बाका छात्राम करतम, किश्चिर काली कित्व वस्तात्मत मृद्रिष्ट्र इस्तापक्षीत ताला हरेता क्रिक्ट मध्या शिक कुलीमें शिश्यक ममीकरन व्यर्कार शत्राज्यात व्यरमाखीं विरक्ष রাম্মন্ত পুরুষ হয়েন তথ্যধ্যে তিমই গোত্রীয় ততপুরুষ সহ ত্রাজাগা क्षांक्रित ने में जिद्यक विद्युष्टना गएक भिन्न पूर्वक भूथक काहित्सम् । छेक देवमः वर्राभाद स्नित द्राका श्रीयक्रमारमामद **নেন বভ্ট বিটপ** হট্যা প্রজাও ভূতগণের কামনীয়া স্ত্রী

सिना बर्शनीय तीं कर्य वर्ष । मर्था । मकलारक ने माएकात ए इतन महोद्या जः शीरमम ¢ : उंशील दहां न (अन ३२ । " मचान (भन कद्दान (कर्मन (तन ३६ १ ५ । ε क्रान्य ग्राप्त र एवन 35 1 क भूक मूद तात ig. 3 इश्युक्त छोग त्मस C ₹., व्रश्रम कार्डिक स्मन ह -ভংগুল হরি সেন ভংগুল শতার সেন 25 \$ उद्भूष नाडाइग्रान्थ । ग्रिश्च बच्चम् ट्रान् रंडी S 22 ें अपू व शास्त्रीमहराम >>।

করাতে মগ্রিবর্গ ঐকানাক্ত্যে मिस्रीत ७६ रङ्गमास्ट्रद त्मख शाना का न उग्रामा थ न संकी स जाका बील जिल्लाम भटेनामा আহ্বান করিবেন! मद्र उ९मश्युष्क रू**७ रूअ**शास जिनि रिलीव तारम् कर्वेद्यानः डेक बील निश्वाविध कीवन সিংহ প্ৰায় চোহাৰ ৱাজ भूड ७ बार १६२ वर्ग बाका करंत्रन। जीवन निःइ गर्यमः नाइ। नरक नियंध देश्कूक हा कात अठास रिम्बन इहेट विशिग्न । ' रूप्कारमें किलोब

कृशीधाम शृथ् बाचा करेनच्या बाजधानी वाज्यतम प्रक्र निष्द्रा गनाधिकात किंद्रिक्त, काणिरनस्थ थे सन्धम नाशां क्रिका महाद्राक्त वन श्रञ्जान कदिलन। श्राठ राष्ट्रीय शृथ् ४८ वर्ष १ माग बाकाका करतन।

এইৰপে সুবিখাতে যথাতি রাজার ব্রি পুরু বংশীয় মুমিন্তির অবনি পূর্ণ রায় পর্যন্ত ১১৯, জন্ম নানাক্ষাভীয় হিন্দু ভূপালের। ৪২৬৭ বর্ষ দিল্লাভে রাজজ্বতরন। তদনতর ১২১৩ मञ्चार णि कृष्यं स्वत्वरा दिन्द्राकः प्रिकाह कहिरम् । त्यर मार्गमन मार्थ्य निर्मन प्रिलात मृना निर्मामनाधिकाती जूनाव वर्शीय व्यवस्था का वा वा सर जनक शास्त्र करे कमा हिना তন্মধ্যে আজনীরের চোলাল জাতীয় রোমেশ্বর ও কাশ্যসুজ্জর রাপুর বংশীর ধাজার সহ বিবাহ হয়। উক্ত সোমেয়েরে পুরু পুথ ছিলেন। তাঁহার মাতামহ মরসিংক, তাঁহাকে পোনাল करंद्रन शांद्र यादीस एकं वशक कारण, द्वाधा श्रद्धन । द्वार बाह्न भीत भिव ताला जवहत्य करता जनक्षक्रतीरक स्वत द्वन বিবাহ করাতে পূথুর গহ ভারার অভান্ত কৈরিতার্ভ ক্রা রাজা পृथ्दाप्त के जनक मुझतीब निकासमा करण जनक तर्विक इहेगा থায় ক্ষঃপুরেই থাকিতেনা এইছোরা তাছাকে ননুষা খাই কের পুল কহিত ও পিতৃহত্যা সহাপাপে-ভাহার কি ভোজা गठा अर्थ छ छ। न कविशाहिन, ठाँ हाता ह वन। बाद्मायक न नक्छा करन नथ्रवाजी श्रेम, এवर भृष्त्राका । तिविश्रास्त्र তাহার পিতার লৈপতা হেতুক পিত্রাজ্যে কিং চ্যন্ত্রা মা কট ग्राट्ड देशानि बीत वर्गा जुड़ रहेशा न सम्बद्धमंत्र रमाना व्यनी गरकाराम क्रियान। उरकारण दिन्तुं वा विकास ना कारा वर्षेन कांका विशादक्षक्रमम रहेन, क्रमरमाध्यमाध्यम क्षारा के नामा क्षारेक्षणीय क्रांबन्ध्री मनावाराम क्रिको १० मार्क्स एक एक है। व्यवस्थितकार्यक्र कार्यक्षाविकासाः वर्षे मध्यम् १४२७ जिल्लाम् र्न क मृत्यू नक परका करेन किया नाक करेगा नहकान भागी, जुन

রেনিগদের অভ্যক্ত ভারতবর্ম শ্রীক্ষীর ভারতির ভারতির বিধারীর কর্ম কর্ম বিশেষ প্রায়ে করিবের । ইতিপুর্বে তিনি সপ্তমবারে ভারতবর্মে আগমন প্রায় করিবের হিলার ১৮৭ সালে মারায়ন বা বিশারী প্রায়ে প্রায় করিবের হিলার হাতে নেনাপতি খাড়েরায় কর্ত্ব বাহুম্বে বির আ্যাতে অটেতন্য ইয়া গ্রামবে প্রায়ন করেন। এটনবারে আসিয়া প্রচল্ম সাঠোরের যোগে হিলার ১৮৮ সালে প্র্যালাকে মুদ্ধে হত করিবেন।

रेकिनाद्वाक्लार विकीय थर्ड क्षथम शतिरम्हम्ह। चर्च यदमः त्वृत्र चात्रक्र व्यवस्था विवस्ता

धीक्ष्मभोत्र मानिङ्गानत द्वाका व्याह्मकरक्षत वा त्याक লার আত্রবিচক্ষণ পাণ্ডিত আরিউটলের নিকটে বিষিধ্ব বিদ্যা ভাৰেকৰত সুলিঞ্চিত হইয়া সম্ভূতঃ শক্তিতে সৰ্বতে যশস্বী স্টালেন। তিনি **হোমান্তের প্রতি**্ যথে**উ প্রেম্ ও সম্মান প্রকাশ** प्रांक उन्हर हेनिएक शास मकार वापा नगील प्राधिएक र कार्क्केकेकां शिक्षित्वम । **ब्हमन ब्राम** अवद्रश्व यू**कां रिकीर्डि** धार्यस् कृति वान्मी किन्न धान घात्र। चन्द्रा हरेवाटक, खळाण औक ৰেশ্বীয় আদিক্ৰি হোমবের কবিস্থ প্রচারে তথাকার রাজ वार्णत सुरु है प्रस्था श्रीय जुला जिला १० वार्णा वृत्त नृजा छ। जारा ा , मनुर्यात् मदन् विक्शन्य नारे । दशमप्रक वर्गनीयः वाकिःक ात, विद्युत्रक्षात्र्यं वारशः कण्याना कित्रवारहरः विद्युत जन्य । वृत्र ए उ ज्ञानवारमञ्ज्ञान ५ ४। कार्षि छित्रकाणियो स्त्र । ज्यम् मानं २ २१० तर्ष भन्न बुरेक्त साराक्षणत वश्च कामा अरख व्हिन शिक्ष किरिश्व मृत्रिक्त हेन्द्रमायक बहेश शक्ता वह विशास भवोद्योदि देशिक राजन, उरकानीन जानक विभू नृत रिशा छ। श्रास व्यक्ति व्यक्ति विक श्रास (श्रास्त्र श्रास्त्र) मार्था कवित्र नगुर्ज महत्र शास लगी महेगा बार्सकृत्य अनुमध्य गर्ड महोह, में क व जनाभा हम कग्र मध्य र त्यह सर्गरन हम रहे उ

1

জানে ভাঁহাকে রাজত্বে পুনঃ স্থান্ত করিলেন। সুত্রর ভিত্তি সিকুনদী তীরস্থ দক্ষিণাভিমুখে গমন কারীন পথিমিয়ে। ড্ৰাসাই ও মালী জাভীয়দের **রাজধানী মাক্রমণ এবং একাকী** খড্গ হল্ডে সাহ**সে নির্ভর করত অরি** পরি**ুর্ণ নগরে প্রবেশ** প্রাক শক্ত মন্থন ও তথাকার রাজাকে হত এবং চাল দারা বিপক্ষের প্রক্ষেপিত তাৰদর্শ ও তীর ৰার্থ করিলেন। পরিশেষে ভারতবর্ষস্থ এন ব্যক্তির দিহস্ত পরিমিত নিংকি ও বাংশ তাঁদার বর্ম ভিদ্যমান হইয়া শরীরের দক্ষিণ পার্ম বিদ্ধও রক্ত বিহি গত হইলে অৱশ্র পরিবজ্জিতি ওম্তপ্রায় ভূমি শ্রম ক্ষি त्नन। के मार्नी थानू की ठाँ हो ब ख छ शिक्षिमानि खर्गांकि ममाग्र इहेरल बारलक्षा खद्र रहडन था खि यू स्व इस्ट च च्छा ছারা শত্রা শিরশিছ্র করিলেন: অবস্তর ভারত সমৃত্রের ভীষ**্** তরঙ্গ দর্শনে মূলতান পাষ্যত্তই জাঁহার জয় দীমাত হইল তিনিভারতবর্ষ মধ্যে পৃথী জয়ী হওয়াতৈ অহঙ্কারে ক্ষিপ্ত প্রায় হইলেন, যদ্রেপ অভূচ্চ গিরি শিথরস্থ হইলে নতক পূর্ণিত হয় তেমন যে ব্যক্তি কোন যোগে সর্ব প্রধান হরেন তিনি অবলাই शक्तिक संकारित प्रतारक मृश्मद्वाय कूना क्लान करत्रम, जे काज्य আলেক্জেণ্ডর অভিমন্যুর ন্যার সাহসিক, সংগ্রামী, জিভেক্তিয় ছিলেন ৷ তিনি অপিনাকৈ দেবাংশ জ্ঞানে অপরিভোষ্ণীয় লোভী হইটা ৩২ বৰ্ষ বয়নে মদ্যপানে মন্ত ও মৃত্যুগ্ৰাদে পাঁতিত इहेरनमा हेशत शत कानक्राय श्रीक तामा प्रशा इहेरन कामहा र्वामानिवार धीक रहेल मकला ७ वाकवावका ७ मूनीजि শিক্ষা করিয়া পূথীশর হইলেন, তাঁহাতা পূর্ক দেশীর বাণিজ্যে সূক্তা রেসম প্রকৃতি আলেক্জেকিয়া নগর দিয়া রোম নগরে আনম্বন করিতেন। অদ্যাপিও ত্রিপুরাছেও মাজ্রাকের নিক্টস্থ কোনং স্থানীয় মৃত্তিকা থনন করিলে রোমানেরদের প্রাচীক্ষ্ পাওয়া যায়। ইং ৪০০ সালে ইউরোপীয় অসভঃ লোকের।

বিশ্বি কিলোবন প্রবাহরণ জোগনন প্রংসর রাজ্য নই করি বেশ। তামেরেই ইং ৭০০ সালাবধি ইউরোপে স্বতর্ত্তর রাজ্য ওক্র মশাং প্রবাধ সভাজা ও স্থা সম্পতি বৃদ্ধি ইইতে লাগিল এখন সমূল্য উত্তম স্থা: শহাম ওলে আরু নাই।

ग्रेनिम हिन्दः क्षेत्रकः प्रांकन विस्तृहास्नतं शक्तिम क्षारमात াশিক জালে বালিকা বৃদ্ধি করিলেন এবং আরব, পরেসীশায়েম 🏂 👫 ে বিয়া ও ইউরোপের কিয়দংশ ক্ষয় করেন কিন্তু ফু।স कि अ जियान कडाटक एमधाक कार्नम् भारतिन मारव के विभिन्न सक तुर अवसाहित्यन। अहे लकारव ३६৯२ गान भर्यान भृथियोद শক্ষা ভাগে গ্র'নর। পরাক্র'শ্ব হইতে লাগিল। গলাননের মহা প্রাক্তন্ত রুলী ক্রনোরের রা**জা জয়পালকে রুলে প**রা**ন্ত করিয়া** ्रे**हेर** का । १३८ ७**०৮ महान शत्राका**काणी हहेरनव ठरपुळ शिक निवित्र मुज्ञान बद्धा सम्भाजी है। ১००० भानाद्धि ५०२८ मान শ্ৰ্ষি দ্বাদশ বার হিন্দু স্থানে আসিহা মহামূলীয়ধর্ম প্রচারকরত काशक्कः मिली, नारक्ष्ट्र, मशुद्रा, आरम्बर, अ अनदारहे त्याम मारथंत मन्दित लोहे अतिमधै कित्रिया वर्छ बन बङ्गादि मध्याहन ্রভাগের স্বরেশে প্রভাগিমন করেন। তিনি হাতি নিষ্ঠার স্বভাবে হিন্দ্ৰের প্রতি নথেটি অভ্যাচারকরত কলির আর স্তাবলি সর্ত্তে ব্যাপ্ত স্বৰ্ণ পত্তে বিস্থিত যদি মৃক্তা প্ৰবাল খচিত কলোপৱে শ্ৰথিত বিচিত্ৰিত জেনতিঃ বুণ মন্দিরস্থ কৃতৎ সোমনাথ মৃতি 💥 मर्कनकिर्दालामानुभा १४४ वह कर्रहात कर्मकृष्ठ स्ट्रेशाहि एउनुभा ক্ষিন্কালেও কেণ্ডাত হন নাই ৷ তৎপত্নে গৰানন কইতে

क्षिनिश्वाल १४ व्यवास सीयमानाक मित्राष्ट्रेसमाइ विनया कार्या इन्द्रेस व्यवस्था व्यवस्था देख काटन अवदार है किन्न का भारति व्यवस्था किन। वे साममान्य अन्तिमात अवद्रिश्य वैदेश मित्र त्र अर्थन चाह महेना महेन्द्रम शिक्त नी चीत्र मित्रम के के कर्यन व्यवसादिन के जिंक हैश्या का हा वादा है है उपन्त

क्यमंड ৮ जम जाजा जानिया हाकी मिलोई ठारि प्रमासिकी ও কোন্য প্রদেশে কর স্থাপন এবং নামাবিধ কঠিৰ স্বার্য্য করি बारहर। जनमञ्ज अञ्च जब भीन जह योभ था जाजात रहरें রাজস্বারত্ত করিয়া ই০১২১৮ সাল পর্যান্ত সমর সাধন কর্ম শোগল মামাজ্য স্থাপন ও ১২২০ মালে করিজিম রাজ্য অমি কার করিলেন। ঐ সনে তত্ত্ত্তাদসাহ স্লভান মহামাদ সপুত্র জেলালুদ্দীনের প্রতি স্থানার্পণ পূর্বক শিবিরে প্রান্ত্যাগ করেন। নহাক্রিযুগ জভ্যীশ সিজুনদী তারে রল পলায়িত জেলা। লের সন্তিত সমবেত ও তুমূল সংগ্রাম করিয়া ওঁলোকে পারাভ क्तिरमम । अवर धनुर्व हि तक्षम विकास क्षाट का खबाश সিশ্ব সলিলে নিগ্ৰ ব্যৱীত আন্যাপায়াভাব দৰ্শনে জেলাল আহি ৬%খিত মনে পূজ কলতা দি সমীপে জখনোধিলোৰ গ্ৰন্থ পুরঃসর বিদায় লইয়া তরবাল अनुर्वामेशापि इहेश गुन्धिकिछ प्रशास्त्र विकास श्राप्त के के अपने एक स्थाप किरायन कि দ্বীশ ভীরুক্তি এইহা গেশিকেন ভীহার **যোটক দিস্কুর গব্বিত** खान्म अभागाद्व अभागमाना प्रक्रिक व्यक्ति द्वन मा**धन कदिन्छ**रश् এবং নির্ভাগ ক্রমাল ভয়গ্র সরিমধ্যে ভাষমান হইয়া ভাঁছার প্রতি ভিত্তার সাহ**চ**্চ তীরকেপ করিতে লাগিল। তথ**নকলা** न (बनानुमीरनंत अञास माहरम मञ्जूषे हहेशा रमना समामहि ष्टिशटक छरशक्ताकाचिक स्टेटल निरम्थ कतिराग ! किश्र**का**क গতে সূতভান জেলাল হিন্দুখানের বিয়দেশ জয় করেন। क्षत्रीम वीरवत इरे रमनाभाजिए बारशव अवश्यकता है साजक कविद्यान। कडियोग या जात्मव खान अ शहाकत्म शृथी माना कि . त्वन जारा व्यनुकार्या ও वान्धर्या बरहे, कार्त्वन जीरात विश्वासक গতি, জল ব্যেতোবছক তা, মেধার্বিছ, নিদ্যতা উজ্লাকপে প্রকাশ হয়। তাঁহার শালিতাত্তে অসংখ্য মরশির শিক্ষ ও কত্র দেশ উদ্ভিন্ন প্ৰবৃদ্ধ ইয়াছে এবং ভিনি শোনিত লিপ্ত ভত মানি করিয়া **ছিসহুস্ সপ্তশ**েকোশ ব্যাপক আছিপত।

ইতি সারাবল্যাং দিতীয় খণ্ডে চিতীয় পরিচ্ছেদঃ। **शिक्षीत पुरित्यार महाश्रम माशाबुकीन आही। अञ्चलत** বৈরীয় নহামাদের বিষয় উচ্চার্যনান হইল, তিনি সরস্বতী ঠাদি প্রদেশীয় ছর্মাধিকার, ও আজ্মীরের সহসূহ প্রাণীহত্য। ক্রিয়া পাসভূত্য অথচ পিতৃদাসী পুত্র কোত্র উদানকে শিলীর শানিখ্য কোরাম নগরে রাজভার শিলেন। কোতব মিরট প্রভৃতি রাজান্থ ভূপতিদিগকে উৎপাত পুর্বক দিল্লীতে ধৰণ রাজ্য স্থাপান ও যোরীয় মহমাদ নামে দিক্ষা ও খোত্রা अमादि कदिलान। सर्यार घात्री रिकति एक शाला नवसवादि ভারতবর্ষে আসিয়া কাল্যকুক্ত ও কাল্যী অধিকার করেন ৷ ঐ नाह्मी निर्फेश वामनाह नाएशत मगाशक शक्ते शेष रभावक। বাংযাপড় জাতীয় এক হা হাভাষিক ব্যক্তির চলিশাবার পজা ৰাতে ই০ সংল কলৈ হত হয়েন : ভাহার ২ ছু, বিষয়ে হিন্দু रेडिहान व्यक्तारा करहन, माशदुक्तीन स्वाधी कितीत बनाताका **िर्धुशासके मुद्रक रूछ ना कत्रिया छएम**े वार कटन छ। छेमर अखा निर्मिणिकिन ज्यात्र भृषुत्र थाया भि उ वाल मानान्तीन इड इर्ग छरकर्गार वाम्बारव्य रिमानाहा मृथ्य ७ वटा करखेत बित अपनिकातन । मञ्चान त्यांत्री शिन्नू साम्ब शास १। स १५ वर्ष त्राज्य क्रांत्र उर्भाद क्लाउद्भीन भनक फिलीब्र वाममाञ्च्हेत्रा ६ वर्ष ेक्शद्य अला नामम पूर्वक है॰ ১২১॰ मारण मारहातीत्र भाखात হোপান জীড়াতে যোটক হইতে পতিত ও হত হয়েন। তং भेक जाउनसभाक) वर्ष विक्री दिशायक करतन । उनम्बत हैं 'दे भे भे गाउँ स्पराचित्र ११८% मोस**्लाक्त** न्युमीन नामक **শালতদদ, বুগতান রুকনুদ্ধান কিরোজশাহ, সুনতানা বিবি** 🗿 🖎 🖟 परिवृक्षीन परतासे साहः सूनठाम व्यानास्त्रीम सम ं है, नामक्रफीन महसार गाह, वाणिन या शांश्रामुकीन

हेगलन (थोत्रम, हेन भुकीन क्यरकावाम, नूल छ न नगरमाने ইহার। দিল্লীর সিণ্ছ। সনস্থ হয়েন এবং গেররীয় বংশের রাজ্য रुखन् इस्रायवरम् वा की व श्राक्ताकरम व जरमणामि वह शूर्यमा अस ख माजनाशीन कविद्यान किछ हिन्दू इल्लिन व क्यनहै जात्र नीसारक जैलक्ष्म करिए। एक शामिल अधिमत स्टार्म नार्क তাঁহার। সদ্যতপাস ধার। গন সক্ষর করিয়া পূার অলীক আমেঁ त्मके काम पार्भन किन्याद्धन, विशास्त्रवा अवहम शुन्धि वहेता হিন্দু খ্র ভারতবর্ষ এভাগে সমাগত চইলেন, কিন্তু ইহা অইচ *इर्साद विका ल किन्तु मण्डली मध्यः तानाविध मिन साहि ক্যাদি রাশীক্ষত ধন সভেঁও পুতিপজীরগণকে কোন কালেই বাধাদিতে স্থাৰ্থ হয়েন নাই। তাঁহাদের অর্থাভাব এপুনাভাব कि हूं माज है हिन ना करन माहमा हारवर भराय १ व व है लान । व्याज्य विकास भूति विकास भूति । अपूरे व्यवस्त भूतिक कुक्त् भवानी महाता सावाना खि अभागतत महि गरायी इहेश्राह्मन, এই शुकारत छेल्मार मृष्ट्र मृष्ट्र श्रान शास्त्रामाञ काल यवन कर्ष क जीवन विख्की खिक्ष प्रक निकृष्ट म हुई লেন। অতএব কালতাম হিন্দুদিগের চরিত্র প্রুদার নৃত্ন পথে ধাবিভ ও সদেশীয় হিত বাঞ্। একেবারে চিত্ত ক্ষেত্র হইতে मृत्रोखूठा इरेन। शाहीय हिन्मू जाठि य भन्न वोर्यानान् अ खाधीन जात अन्तर्गा ছिलन, जाहात निमर्गन जावर भूताकन এত্তেই দুস্পত ব্যক্ত আছে যদ্যপিদ্যাৎ গুভাগাৰশতঃ মোছুল মানদিগের অধিকারাবধি হিন্দুগণের সমস্থ বিনাশা ও জীন তার সোপান জনশঃ নিনু হইয়াছে তথাপি সম্পুতি প্রায়ত रमरे पूर्व महरखुव कडक अन्याम्य भुकाक हरेशा हिमार अन् কিনটোনের মৃত ভারতবধীয় ধিবরণেয় ১ খণ্ডে লিখিত া ठेवूर्व दात गारुयान गार्ट्य भूकि गुरक यथन के आहिनी विकि তির जुरा वर्ण अक मला। निव**ध हरेझा अ**२ रेवन प्रश्लाका व बार्षा (शर्मा बार्बर,साम इस्तान उपविद्या अपविद्या

অক্স ভূমির প্রতি অসাবারণ প্রেম পুকাশ প্রক স্বীয়াঙ্গের রক্ত শক্তিরি বিক্রম ও চেব করিয়া সংগ্রামের আসুকুলা করেন । किन्ते औरित्वत नाम कार्ब कीम महिलाती अ तामान मह्तुरक बंदमनीय निरम्भ बद्ध निर्मानार्थ व्यवसाद निरमाहिन, श्रीक টিভিল্পিং অধারে নাক্ত আছে, লাইকর্মদের রাজ ব্যবস্থান লাবে পার্টার পেশীয় স্ত্রী লোকেরতে দৈশাৰ কাল্যেষি পারি অমিক নানা শিক্ষা দারা পুরুষ ভুলা অভি বলবতী ও রণ গৌর बाकारकानी की व विष्कृ भेरतात्र मुकार्य गयन कालीन जानारक এক ঢাল দিয়া কহিতেন " দল বায়ী হইয়া আসিবা অথবা " গোটে খুকু কইলে তোমার মুভদের এই ক**লকোপরে** জানা था हैदन, क्लांशि होन मह दूल चरा प्रिया आनिया ना , এव॰ উङ् ঘোষন শীলা জ্বী লোকেরা যুক্ত হত স্তগণের নিমিত শোঁক नो করিয়া গর্ভে ধারন হা কি জান করিছেন। এই পুকারে আ ুনক বঁ) প্ৰেষ্ণ জীৱা হদেশ্ প্ৰেম নিমগ্ৰ চইয়া শৌলট ও हिस्तादह का जरकालात को वहा दिरा विस्तावकः नाउर वीत भूक्ष এই বীরত্ব বন্ধক বার ভূমি ভারত রাজ্যে অবতার্গ হয়েন, অত এই হিন্দ্,গণ যে এমত বলবান মনুষ্য জাতি ছিলেন, তাহা এক গকার আশ্বর্য শ্রাবণ যোগ্য ভইয়াছে সুতরাও ভাষারদিগের প্তন হেত্ক মোছমানেরাই "শ্**দিতী**য় রাজাগীশ্বর হইলেন, ্তিশ শক্ষে এই সমূচ থেদ রক্ষণের স্থান আর কোথার দুট হয় না সংখ্যাকত গ্রন প্রপ্ত্যাগার পরিপূর্ণ অফর ভারত ভাণার भूषि भूषक निकालिक चिक्तकाव का है हकान या शन कर बाबारक भूषभठः क् उद्मीन हे बबार्थ बदश रिल्लोश्वत इहेगाहि दनन, ठा श्रेड भूधान मिमा পতि विक्यांत्र शिनिको अवाधिक ्यात्म बन्नः न्याना जानिता छेथे छ। नमना जन्म । कतित्वनः दन्यात्न क्षेत्रमास्य देवना जाकि लक्षन तम ताजा हिरलन । निलीट थीरनन न व्याद्य छहे राष्ट्रत कृशिवत बारमारसम् रहेसारक जाहात रक-्ष्ट्रे हेन्स्स्या अवन ७३७६ क्टबर्काला बाटनमानिवादाचा

ছিলেন বত্তিয়ার কর্তৃক লক্ষণকে দুর্নীকরণ কর। ১৩০০ কলেন ভাষে হয় ইহাতে লক্ষণ যদিত তাঁহার পিড়া নরবের পর জান্মের ও ৮০ বর্ষ বয়স হউক ভথাত অংনক ব্যত্তায় দেখাযায় অউঞ্দ নোছলমান পুরাবৃত্ত লেখাং হল গেল ক্ষণায় নামে বঙ্গের শেষ রাজার কণা লিখেন ব্যাপ হল সেই হইবেক।

र्यात्र बञ्चीः जिल्लाव मरीलाल क्यरकानाम है। ३५% जा ত্ত্রত বালে রাজস্ব পাইয়া যন্নভৌৱে এটুকা প্রাসাদ মিলাও ইবাদ নালাবিধ জ্যোতিঃ পদার্থে গছ **পূর্ব** করিয়া **তমধে**) ৬ নিতা শুখ সংস্তোপাস্পদ গায়ক লাইক বাদক বিদূদ্কগণ ল**ভিত** হ– ইয়া পতিবাদ আলোন এনে,নোমভ ও রাজকার্যা পরিত্তু रहेरान, ताक्य जाउँ थाएँ याजि धन्त निकामुक्तीन वयन स्थाप লেন অতি কোনল স্বভাবাপন জ্যোদল বর্ধীর নির্দোধ বংলক প্রস্থা নিতান্ত কোতুকানন্দ পরিপূর্ণ স্থ সম্পন্ত্যালয়ী 🛠 ইয়াই 🕮 তর্থন শাঘাস্থিত হইয়া আজ পথ পারকার করত সঞ্চলা (চনী माता वामनारस्य (भवा छ। वाम्य कत्राहेशा त्यः गरद्वादक 👵 🖘 রঙ্গক বছ সংখ্যক সোগল সেনাগন্কে ও প্রাচীন ভূত্যাদগলে বর করাইলেন। ওমরণের গবিতে যুবা বাদশাহের উদুশী কুলার্ জিতে বিব্ৰক্ত হইয়া কর্টক দম নক বং মন্ত্ৰাভিজ্ঞ নিজামকে रियभारन २७ क्वाहरमन। है॰ ২२ ४ व महाम हिलाने व। खिली की मारम बाकगाभीय अक्षक मानित्क त्रुख भानिक किरदाब মহারাব্দের আজ্ঞাতে দিল্লীর রাজগভায় পুবিষ্ট এবঁ০ সামুস্ত্যা থা পদে নিযক্ত হইলে প্রেক্ প্রাক্রমা ওমরাগল রাজ मि॰शामन शाखार्थ गरा विद्यार्थी इहेल : उरकारन महावाजा यम् নাভীরস্থ কেলিগুহে দূতবং পীড়িত ছিলেন, অমাতে লাল তान नम मर्डकीन नाटम जिस वर्षावत्रक भिए ताक्युक्ट निन्श ज्ञान दमाहेन। ভाতादीय भागन गिर्देश गिरु नाममाह पारक वेंदिन अभवाजनो चिनिकीता किरवारकत भग्ने हो बहेता পঞ্চলত অশ্বারোহী সেনা সহ নোগল লিবিয়াক্রমণ ইনিক **

শিশুকৈ লইয়া পাছান করিল এব০ একদল ব্ৰক্ত বিশ্ববিতানন ক্তির দেনশিশতে পাইয়া ছার্লাস্য করকোবাদের গমনোদ্যত পুর্ণে নির্গত করাইয়া যগুমা তীরে নিক্ষেপ করত হস্তারা পুত্রাগত क्रिक किरदान नायुक्ता था खनान कीन नारम निकल्पेरक नि॰श मेर्नानिक इंक्ट्रेलन। क्य़रकातार ७ वर्ष ७ मात्र बाज्य करवन खवण जिनमात्र शर्याङ निरु तमनू मीन मिलीत निश्शानन हि क्षिन, পরে জেলালুদীন অভূগু स्त्रो ভারাপন্ন হইয়া সপ্ততি বর্ষ ব্যঞ্জালে রাজ্ব প্রাপ্তানভার কয়লোগড় ভূর্নাথিবাস করত যোৱীর বংশের শেষ শিশু রাজাকে তথায় আনাইয়া অতকিত ও রেহানপেক্ষিত ভাবে ভাঁহাকে নট করাতে এই কলস্ক পৃথী তে অনিবাৰ ৰূপে বছকালাব্ধি সংঘাষ্ঠি হইল তক্ষেত্ক তীহার এমনই শান্ত জনাব ও জ্ঞান ধর্মোদ্য হট্ল যে বিপক্ষ ভনরাগণ কি অন্যানা শক্তারা ভিন্ন প্রদেশ হইকে মুদ্ধে পুত কি বজন গ্রন্থ সুইয়া সুদ্ধ জেলাল সমাপে আনীত ইইলে অরিগনের বন্ধনে যেট্ৰ পূৰ্কক বহিতেন যে অসতের প্ৰতি অনায়াসেই মন্দাচরণ করা যায় কিন্তু যে বাজি সন্দের প্রতি সততা করে নৈই মহিৎ অতি চূর্লভ, অতএব অপরাধ ক্ষমা করত তাহা দিগকে বিদার করিতেন। ই০ ১২৯৩ । ১৪ সালে জেলালুদীনের জাত ক্ষিত্র আলাভিদান ভিল্লা থায়ত করত দক্ষিণ দেশীয় **রাজা** यानिरमरं वह दी अभानी अवगर् अधिकात ध्रेमक जामाना आपि ংল তদেশীর জয়লুর শচুৱার্থ আলার হত**ত হওন সংবাদে** বন্ধ বাদশাহ তাহা এধনের নায় দ্বার্থতা দ্বন্ধ বাধে বিভর্কতা বিগত হইলেন। কিন্তু আলা চতুরতা পুরুষ বাদ্পাছের মনো न्धिक रहेबा क्रातांत्र मामिका भी निक भूदत अक्ष माचक बात्री উছিতি ব্যক্তাইলেনা এই বিষয়ে আবাল্য পালিত ভত্য আল मने ए निल्ला इंटिलन। ३० ५२ ५६ मारन किरता के भाग रक्नारन ষ মৃত্যু সংকাদ আঞ্মাদ কেনাপতি মূখে অত হইয়া রাজ মহি वी निक क्रिके पूछ उपमाक मिल्लानमञ् क्रिकान । जाना उ

क्तीन व्यविकत्य क्रिज्ञोरक श्रृष्ट्या शिल्हामनारवाहन पूर्व क ब्रु পালে মুদ্রা চালাইলেন। ব্ধন লপারিবারে মূলতানে পালাই त्तन। ज्याना डेफीन वामभारत्व डेड्डंबन चडार्व ३७०७ मास्त्र চিতোর দেশ অধি কৃত হইল। তাহার সেনাপতি কান্ত্র ই॰ ১৩০৬ সালে মহারাষ্টি,রদিগকে পরাজয়পুর্বার্ক (দৈরগড়) দেলে তাবাদের রাজা রামদেবকে যদে পরান্ত ও তৎসহ সন্ধি এব০ रेजिनिन्न (मन्याधिकात ७ ३० ১८२० माल कर्या एका साम्रङ করত বভধনাদি লইয়া মহারাকাকে দিলেন। আলাউদীন প্রায় २५ तयं धूमरकन्त्रधः वयी ताज्य कतिया संक्रिक काकुद्र एख विय পানে ই০১৩১৬ সালে পঞ্জ গত ভয়েন। মতাস্তরে কড়ে, তিনি রোগাক্রান্ত হুইয়া মরেন ও ২৩ বর্ষ ওমাস রাজত্ব করেন কাফ্র সকাধ্যক হইয়া আলার কমিন্ঠ পুত্র সপ্তবর্ষ বয়ক সাহ্য খুদ্দীন ওমারকে নিংহাসনে বসান, তি্<mark>নি ৩মাস রাজ র</mark> করেন। কাফ্র অন্যদেনাপতি দারা হত হইলে ই॰ ১৩১৭ সালে আল্যুর. कार्य पूछ काडरूफोन मवाविक थिनिको, कार मूख श्रेश कि লার সিংহাদনাধিপতি সহলেন এবং নিষ্ঠরতা ধারা শিশু ওম। রের ১ শুরুৎপাটন করিলেন। মবারিক শাহ বিবিধ তথতাতে ও মদ পানে এবং স্ত্রী সম্ভোগে অত্সাসক্ত ছিলেন, তিনি স্বীয় রাজত্বের দ্বিত।য়াকে দক্ষিণ দেশীয় নূপতি হরপালকে আয়তে दिव क्रात्रमा अक्षा वामुगाइ दिन्धा त्रान् पूरा क्रिया द्वान मञ्जूष यवत्नव घात को दुका विके हिलन, उरकात्न छ। हात्र अिंगारक तथा बद्धा अध्य है वर्ष निया (वर्ष कु बिंग) इहेशा की है। করিতেই মরাবিককে বধ করিল ৷ গুপ্ত হাতকেরা অসেবে দি . मोत्र दाक्शर मुर्थः जानिया तक काना निधन क्तिन, भवातिक श्चवर्ष श्रम्भाम नग्रामक करत्रन्।

AT B

कुक्कशुरुद्धाः वाषष्ट्राः

ः 🚜 द्रवीत्रद्धाः हेठिद्रात्तः विक्ताः स्टब्सः होतन नारम्,वश्रक किर्द्रास विक्रोद्ध मध्य शह शाहेबा (धानद्वा थे। छेशाध इहेन, हेक्राव चो अहै आ निल् सेव तहान त्यांन की बिरवंड, वह में ना में इहेन । मठाष्ट्रद्वे में (बाल्जिहा ६ काम ७६ वर्ष ब्राक्ट क्छन । नान कुन्। न्यागरहा नग्रमात्र निज्ञीत विश्वानमञ्जूष्ट्राम् । हे॰)७२) नारत शार्थान क्योर भ्याम्छेपीन उधनक माह सुनमान करे-कुन्रेनरम् आगिया प्रिली ह नि॰श् मनाभिकाती इहेरनम् जिन हैं। ১०१७ नात्त याकगाम्भूत्वत कार्श्वनत् ग्रं छत्क हरू हरत्व তাহার রাজ্ত্র ৪ বর্ষ ১ মান। তংপুত্র যোন। (আলিফ) সিংহা निवादि छित्र हरेसा पर्यपुर जाएनन जगनक नाम्य विश्वाच हरेसा मुन् विश्वास सम्बद्ध रखाद्रार्द (मिलोक्डिमीनमिश्रक बङ्ध धन मान् क्तित्वन, किनि छन् तात्य निश्च उ नस एना नम् क, जीक লাতীর দর্শনি কান্তে জানাপান, যুদ্ধে তঃসাহস জন্য নিউয় ছিলেন ৷ ই০ ১৩২৭ সালে আক্ৰাৰক মোগলগৰকে অৰ্মানে নি ব্লুক্ত করেন এক্লিনি দেবগড়ের নাম দৌলতাবাদ রাখিরা তথায় শাৰাল বুলাদিকে লইয়া বসতি করান এজন্য প্রাতন দিল্লী अङ्गा छेष्टिव क्ट्रेबा यात्र। भूनतात्र २०१६ माल (मोन वालत श्राज्य मिना गमसम्बादन, उरकारन चाँक क्षेत्र थ ্ক রাজধানীস্থ লোকেরা পারস্পর নর মাণসাহার করিতে लाभिन। मञ्जून २९ वस ताज्ञ क्रिया हे॰ ১৩৫১ **वाङ्ग**। १३७ मार्ज निकु नभी छीर्त्र कर्णाङ्गिष्ठ मश्रमाशस्त्र ख्र इहेटल मह ,छ। भ कि जिन्दा कि विष्या के किरदा क छशनक यदन कुनीन মন্ত্ৰ সমতি ক্ৰাৰ সিংহাৰ্যনাবঁত হইয়া অতি কোমল ও শাস্ত মভাবে সুবিচার পুরুষ ও৮ বর্ষ যাবৎ রাজ্য ভোগা করিয়া নৰ ि वर्ष वयु म है०,১७৮৮ मार्स शत्रात्क भागी इहेरलन, छ९ পে ত্রি গ্রাস্টদীন তগলক শাহ সিংহাসন পাইয়া ইক্রির मुर्थ ७ मान इश्चिक विद्यालन । किनि इक्षन, कर्ष क् इहरन

णा द्वारतक त किलोश्वत रहेशा उपयोग ताज व कितितामा है र देखे नांदर्ग पर प्रकृति सार अक्रवात मिल्लामनल हेर्डती लाग्याहर দোষে রাজ কুমার কাহা কর্ত্ক শিরশুর পর্মতে ভাতিত হযেন. **डिमि धेई** गमर्स चातुर्वकतःक एउ कत्र वा अप शहिसा ১ ၁৯ माटा महाराष्ट्रीक क नत्रिंश्टल स्थन कि किला, जे भर्भाक ভগৰক ৬ বৰ্ষণ মাস ৱাৰ্চ ভোগ করেন তংগুৰে গুৰভান আলে छेक्षान क्या छेन (त्रकन्त्र मारू १६ मिन दाक्ष्य करवन १ व्या छ छ-নহ। মদের মৃত্যুব পর কুলীঘের। জাহার শিশু পূজ ভূতীয় সহ স্বকে রাজগতিষিক বরিলেন। নৃতন বাদশংহর বালকতঃ ও মোহলনান ওমরাগনের অনৈক্তা বিধাহে সাক্তিক হিন্দু রাজারা সাবীন ও মণ্ডলেশ্বর সমূহ শক্ষাীবিত হইতে লাগিক । ३० २०३ । मारम महण्यान शक् भाषा निषाद गुक गाउ। क्रिल ठै। याद्य भली नवामन मान्व यव ब सुन्नि बगानद चरत पना हैसा मत হিন্দাস্থ ফিরোজাবাদে গিয়া উক্ত রাজ বণ্ণীয় নসরৎ সাহকে ভব্छ गि०शंभरन क्यारिया सकरक वामणाह्या वास कहिएनम मुल রাললে,কেরা ছই মহারাজ পালে বিজ্ঞ শইয়ামহা বৃদ্ধকরাতে দিলীতে প্রার প্রতি দিন চতুদিনো সহস্থ নর হতর হইতে লামি न, जिन वर्ष श्रेमी छ अञामुना द्वारका भशुरद (४ ५७ ८४४) नहीं क कड हानि खैंकेड प्रथ हरेन टाहा निर्धिट क प्रथमित है। 1 এইকাল মধ্যে নাশক চক্রবর্ত্তী তৈসুরবেগ ইং ১৩৯৮: বালাক্ कीवेदा निक्तं का छो वं करेशा महास्मृत्यक वि वियो कृत विही बाक्याक्रमन द्वाक हिन्द्रात्म अर्थ नुष्ण बाह्याङ लाल छित्र इति के ब्रिटीन, उपन्मीरम्मा असीति फिली एक व्याध्य । देव २०२२ मान ६ कार्नुसाबिएक निल्ही गंडएक रेक्स्*एवन एक ४ भार* का देपिका रहेन। य पिल्ली विविधित्रकी वा भाग व ४५ व । क्लीक मिन्य कि अन्तर मुद्रमा क्खरंड शदिपूर्व क्षेत्रुरमा कि अवर एस প্রাচীন দিল্লী েইজাপ্রক্তের স্থাকর ও পাকাশ म्दात्र युक्त। अञ्चल्ला त्रायशासी हिला, जाहा दिस्त असूरशकनीत

चर विरिम विकास । या इस् कडेशा निकास (वा कृप्न , Catto o Gia) बृहि प्रवता पूर्वा के नाना देवीनारम जही वहेरतन, स पुरक्तत्र श्राक्ति चांत्र उदर्बंद्र मर्शाचाद्याः त्वाचारामान् हिल, उपबंदे जिनि मह সৈন্য ও বৃদ্ধ নৈপুৰা ওলে আৰম্ভেন সকল প্রঃনর ভারত রক্ত বাভ করিলে শিল্পাশরের স্থ চেতীর নত মন্তক হইল । ভূতীয় अर्क्ष्म मन्त्री अहमहातदेन शता विक इतेका वृद्धि त्यारंग कत त्या भागे हिल्ला ! रेडमूब (बरण क ठांजा हा स्व रेमर महा ना ना तक व्य দৃশ্যেলোফ দিগকে বিনাশ ও সম্পত্তি লট করিল। উচ্চ।বচ নব काम्यूक्षक गनिवन प्राप्ति । किन्स मिश्र क क्लम ब्रिट म्निक । মেবলিয় তর এব০ তেম রঞ্জ ম্ক্রাদি রক্ত সংগ্রহণ ও নির্দারত। প্রভৃতি কর্ম্মে যবনেক্সা ঝাদৃশ প্রসিদ্ধ ভদ্রেপ কোন ভূপালের।ই ভিলেন না। তৈমুর সমস্ত ভারতবর্ষের ইশ্বর জ্ঞান করত স্বর্ত , হলার সিংখানী**রট হইয়া ১৬ দিনের পা**র ২৮ জান্যারিতে, लिविद्रा**रक्षणम प्रक**कं रूप स्ताजभागीर अर्छ हम्, ठिनि সূলভাম ও দেবলপুরের স্বাদার্গতে থিকর খাকে নিয্ক্ত করি রাছিলেন। গোপায়িত মহমাদ তথলক মালোরার রাজ। দি লোয়ার ক্ষের আশ্রয় চইতে দিল্লী আসিয়া দেখিলেন, উত্তর त्मभीश स्थापालत भोता का बिवृष्टि **७** डाइग्रह मका अकरान বাঁলোকা শাসন করিতেছেন, এইকালে মনারাক্ষীনাাকুজের य गर्माई निज्ञीरङ मस्के भाकिरतन। हे०) अध-नारंग जान মত। থিজর বা সহ যুদ্ধে হত ছইলেন। বাদশাক মহমান ভোগ इति २० तेव र मान ब्रोध क कत्रशामकत्र कती रूहेगा श्रातनीक शठ क्हें राज 28:3 **महाराज कि में द्व हो। किलो चन्न** क्टब्रन I दक्ष महिने की जनकि त अन ट्रा क्रिक्षा क्रा वर्ष शब ७ ठइग्म लाश रहेन। ं किंगू और के कि चहिए रचनत्र वीत मुस्स मोगठ लोगी क्षेत्र वर्षे अवाग श रेष्ट्र कविशाहिस्तन । रेडि बाजाबनान विठोतचर ७ वृजाज शतिराक्ता।

(क्ल कारन त्नयम द**्रमिस अभिन अ**जि। सनक जागहक विश्व बाद थें। मिन्क्रनीष्ट्र द्वाबा शाहेशः खगनकः नक्षा पुरन प्रकार मुविष्ठास्त्र १वर्ष ७ मान राज्ञ क्रान्यस्त्रम्। जूरपूळ नक्राष्टकीन तात् क क एक मृत्रकात मनावक भाव है - 2823 वैं। पर प माद्व वाक ত্ব পাইয়া ১৬ বৰ্ষ ও মাস ভোগ করেন ভদ্ধু ভূ প্ত মত্মাদ বাচে 38% नात्न नि॰शंभन ह हहेश ५२ एक छ हे॰ ५२8% वा॰ ५० ° भारत ब्रास्काने श्रुक जाना केमीन वर्ष ताक्य करवन । १८० लामो वश्रमत ब्राक्षएकामान्य इहेना। ज्यामीता है विश्वरक हिन्म স্থানে ও প্রার্থী হেনে বংগিকা করিত, অতিবড় গনাচ্ছ এতাহিন लानी अध्यम्बः कि के नाट्य ब्राव्ह व कारल मूलका ब्राव्ह ছিলেন, পরে খিজরখা ঐ পাদাব্য হুইলে এব্রালিফার পুত্র সর্ হিন্দার অধ্যক্ষতা পান, তদনন্তর এবাহিষের পৌল অফিগ্ स्ति त्याम्याम विश्वास कामा ३४५० मालव स्थाय मिली १ दाजव था १६ म्टब्रन । यमन कानमा दिवनना, धनाम पाता र्रम्स বাদশাহ ক্রমেথ পারাক্রম হার হইলেন, ভদ্বিপারীত চৈভন नाइत, छान मात्रा विलानीत প্রতাশ বৃদ্ধি दृष्टेन, जिनि जूरा न পুর উদস্ত করিয়া সরাজ্যাধীন করেন এবং ওঁ৮ বন রজের করি য়া অতি বৃদ্ধকালে পার্লোক গামী হইলেন ভংগুত্র গোলতা-निकामुन्यून्क (मादक्षुत्र मार ३० >८७ म वार ४०६ मादन सि স্থাসনাধিষ্ঠারা হইয়া বেহার দেশ করায়ান করিলেন। তিনি অং श्रक श्राह्म अक्तिभारक वनीषु व क्रवनार्थ क्रिके क्रिके কিন্ত জ্বাহা সিদ্ধ হইত না শ্ভরাং চিরবিরোধাদিগকে শান্তিকর क्रिशाक चं उद्वर्ष देन ६ देशिह्न। जे मनील कानी महादाल ২৮ বর্ষাজ্য করিয়া পাঞ্ছ গত হন তৎপুত্র দোল্ভান এন रिय (मारी है॰ ১৫১१ मारन निल्ली यह रहेंगा वह रहें विमन् बारका कृतीन निर्मा मुख्या छुद्र करहे में स्वाम मह अप वादना रेहाँदि नके कित्री हैं प्रदेश वार में प्रति निज्ञात बाहर्मन इन । এवारिम ५ वर्ष ब्रामच कर्त्वन, अवि भागाने लाही वैध्या

क्रियानवत्र केम्ब त्यानीत्र सम्बद्धाः ए इरेन ा व रीक्रम न विकास मर्योव बादवात बार दिवाई वास्तुः के द वस द मान विषा (कांग क्यूक क्षींकुक इंदेश हैं। ५००० मारम बहिरक्र । ७० क नमक्रशिक हमाजेन दि॰ २०१ माला भिकृ दानानिधिक हिलन, विभिन्न वर्ष ताका छात्रामस्त्र लात्रनारस्त नर नर ाष्म भद्रीयः इहेग्रा भावना (महन् भना है। सन्। हे॰ ५६३० मारन गोठीम रमञ्जाह किलीव हो सञ्जन हिंद्रा चौर क्लाला मिन्नमीड ত্ত্ৰৰ শাখাৰতি সন্তৰ্তন প্ৰতি লোকদিগকৈ আজাধীন ও क्ष वर्ग मध्यान कतिया है। ५०% मध्य वाक्नाविट जन्मी ত হইলেম। তাহার কৰিও পুক্র বেলিম সাহের বন্ধ কৈন্য সহ শ্ভিত হেত্ক তিনি দিলার রাজা হইয়া ১ বর রাজত্ব করণান दि है॰ ১৫৫% नेटन दि। देश खानकाश कि तिर तेम, कामना देश वशक ধ পুত্র ফিরোজসাহি ওমাস, ৩ দিন সিণ্হাসনস্ভিলেন। অন র সেরের ভাতৃ পুত্র মৌবারক নহম্দ ও অই খাদ বেকেনর হারা কএকমান পাযান্ত দিলীতে মহা বিয়োগা ও সিংহাসনই व अधिकारण मिल्लीत ए कार्बिल कि एमाउन राममाई लक्ष्ममा र्ग पर्वाद्वारी रेमना गर पिन्तिक खरनन भूकक मिन्नामनस् एवन। नामकार नर स्वरंकनाव युटक भैत्राह रहेत्री निवालक किटा भनावन करतम। छना छैन ५० माम जा कथ् कितियां हैं। eac गारम श्रद्धणांक नियानी इहेरमा । छ० भूज महगाए अक्य मार > 8 वर्ष वर्षः काल खिश् मिश्रामानक् क कतिया महिनाया करण रमा गन मामा का वेख के दिल्ल । जिक विकेति क शिनुवान, भाग के राजाना आर श्र निथित बार्ट रा हुआ व॰ বি বিবাতি বাজা ভাষার দ্বিতায় পুত্র ক্রেন্তে প্রিন্দির किनाम सन क्षमान के बिला जिन ज्याम मानाका श्रापन बिक् वान करतन, जाहाहै हें बनी श्राष्ट्रीय यवन तमा अवन भूता विनाविन रावन। यराजित ठेवूर्व भूज वान छात्र वर्रावत मास्त्री

खत जाता का नशक्तिकाम नवाहे व्यवन त्वरे चलताते बालाहरू मृत्ये हेम्प्रद्वाद्रीरम्बा स्थापानि कविरक्षम् । जन ज्ञानसम्बन्धि भूनर्गक रहेल, त्नामावश्मीरमा पूर्व पर्याप्यम भावतम बागु। मित्र छेशानना कतिराजन किंद्ध मुना । श्री हो विकासित श्राद नृज्ञर धार्मामिक इहेल । এছলে ভিছিশেব লিখনে গ্রন্থ বাচল্য হয়। মতান্তরে কহে, সুবিখ্যাত যযাতির এক পুত্র (এৄ, বা তুর্বসু) ক্রিনিপিতার দহিত অনিষ্টাচরণ করাতে পিতা তাহাকে তাগ ক্রিয়া মন্তক বিহত মুগুনপুথক দেশ বহিষ্কৃত করিয়াছিলেন, তा हो एक है जो जिस्के देवेश यवन महत्त्वा देश **मही मुखीरक** यवन বংশে কা মন্তক মুখন করে এবং তাহারা জার করিছোত্র যজ দেখিয়া আদ্বিতে অগ্ন,।পাসনা করিতেন। ৩৬৪৪ কলের্গর্ভাবে আরব দেখে মকানগতে মহমাদ জন্মেন, তাঁহার শিষেরা তর-वान वात्रशयक्क बरुवाहीत धर्म अञ्चाद् कतिन। उरकारक श्रीकृष्ट रमभोत्र कृष्टिभन्न वाक्ति धर्म नाटभात्र **उ**त्तर भवा हेता। सर्चमा नमी পার इইয়া पश्चिम দেশে বাস করিল। অদ্যাপি **ভাহারা তদেশে** পারসী নামে খন্ত আছে এবং বাবনিক দেশীর প্রবর্ধ আরা রাধনা করে ও গঙ্গাজন মানে ৷ প্রাণ্ডক্ত ক্রা, যে দেলে পিয়া রচি য়াছিলেন এপ্যান্ত দে দেশের প্রাসন্ধ নাম ক্রক, তাঁহার বংশ क्क नारम विथाल। क्रांक्या विश्विष्ठ स्टेश बादक कारवान, हेतान, उत्तान, हेठापि प्रत्य वम् कि करतम, डाहादा अन्नान मृत लमान जालाइक थान मान । ये एक स्टेस्ट डिम्द लाह दिख् স্থানে আনিয়া প্রথমতঃ রাজ্য স্থাপন করেন, জাভার প্রপৌন মিরজা মরসইদের পঞ্চদশ পুত্র মধ্যে মিরজা উমর শেখ অনু .দেশের বাদশাহ ছিলেনতালার পৌজ হুমাউন বাদশাঃ শেরের छेश प्रत्व मिक्नमी इहेरड ७० क्या न श्रामारक व्यास्त्राहे डीई नगोशवर्षि व्यवस्था भनामनपूर्वक उज्जबन्शास्य वरस्यान करवन ७९कारण है॰ >es> मार्च अक्वरंबड़ अना इत। छीरांब वावहांता मण्डिः कार्त्न देशकुक ज्ञा वसदाम गी,तासकार्या नियुक्त श्रेत्रा

विश्व कार्क वी मन्त्रांक टर्नरकेन्स् तरक छाछ। इंटर्नन खेटा महत्रम अवार्य निवाति ने सार्राम उन प्रवि वन जोशात मंत्री वस १००० मीरिन विली यांगरी पश्चि कर्ताट अधान मही वर्ग बोद्य के मरमा वृष्टि के विशे जित्रे के नह युक्ताम्युक ब्हेरलन रे किन्न পক্ষীর বিরোধীগণ পাণিপত নগর সালিধ্য মহাসংগ্রাম করিল ৰ্জাইটেড হমুন্ন চকুতে এক তার বিদ্ধ হওরাতে তাঁহাকে মৃতজ্ঞানে छि शक्कींश त्याकाता त्रव एक मिल्ल सह। शकारताश वस् रेमना शर्रभव किएमा क बन्नमार्दि सरमें मह मह मिर्ज क कित्रशा भुमयु (क অনু,ৰ সাজসে অনা য়াসে সময়ভূমি বিচরণ ওবিশকাক্রান্ত বছল সেনাক্ষাকে ইতাদালয়ে প্রেরণ করিতে লা সিলেন, শেষেমোগল কর্তৃক ভাঁচার মাহত ২৩ ও ঘবং ধৃত হইলেন। সংপ্রামোপরমে ক্টাঘাতে হত প্রায় হ্মুবছ বিপাক চনু সহ আকররের সমাপে अशंब। अ इन्हें व्यवस्थान सेति व्याप्तरमा वामणा व वेववान निरका ৰশু ঝৰুত্ব সাহসা বন্ধির গ্রীবাতে কেবল স্পর্শ করিরা ভাঁহার ক্লিণত কাম বিলোকনে রোদনে অভির গইলেন, তথন ধুতমায় अञ्चलकार्य । अ कर्यास्त्र एक। ६ ८ उने इमृत यखक ध्रा निः किल कितिया अहे मेराजरेश वाक्यरेत द्वारेका पूनः माहि অভিনয় প্রভাপী ও উপকারী অমাত্যের বাবলার ও বাদশাহের জালায়জ্ঞ ও শারাল্য ভাষা উক্তোভয়ের মিলন বছকাল স্থায়ী कर्ष, हैकाटक मान्यादात देवा। ७ खर्तक ग्रंडा मार्च कहन, भिन्न प्रताम बीत मेका जीव नमन कारन ने वि मेरिश खनता है क्षांतिका छोकात एक भाव अकेलन चाकिंगानाशक वे छेकी तरक क्षिका विकास के अपने कारण कामभार है विकास में स्वासात कि , यानि देह र्यम् क चंदाच वृष्टकाका तालावती नर्यास वाक লায় অৰ্থান করিলেন। ইভিমুখ্যে তিনি দিগি সরকারক সেনাপতি हिर्मिश्रहास्त्रामा इर्थक्षि उत्तर्भाव वाल व्यक्त स्वीत किरोक्षिक विकित्त के की किरोहिक चेकने शहर नियाकोंचीन अधारितमा धनक प्रामित्रका केना है तर का केनल के निकारण है

भक्तत वाहिता दर्द आस्त्र ।

कुलक को नरी की के कार्ना का कार्य मुख्य की कालक नह श्रक लक्ष काक मरशत कर्त्रम, हेशांक विवयन कर्वा निर्धिम कर्ना है (माम डोहाর 8° वर्ष शात ड उक्काश लाक पूर्व हम मार्दे। साम শাহ এই প্রকার অশ্ব গতি ক্রমে রাগ প্রগ্রহ কথ্ম ধারণ করেন ना है, তिनि प्रक्रिन हमा करा श्रुक्त क्षित्र वेश्वर्र मुझावल ही হইয়া ভাহাঁরে স্বাধিকারের ছিপঞাশদৎসরে ৫১ বর্ষ ২ নাস ঠ দিন রাজ্য ভোগানন্তর ইং ১৬৫ শাল ১৩ আক্টোনরে আগ্রা তে পারলোক গানী হইলেন। অশেষ দৌভাগ্যশালী বাদশা। হের মৃত্যকালে এত আহারাজ্য প্রথমশা স্বাতে বিভক্ত ও প্রত্যে क मृतारक अरेकक मूरबमात नियुक्त छिन। भूगाव नाम 13 अनाश বাদ 1২ আগরা 1 ৩ অবোধ্যা 18 আজমের 1৫ ও জরাট 1৬ বে हात । १ वक्ष्मृभि । ৮ मिली। २ कार्यन । २० नारमात । २३ मुन তান ৷ ১২ ন। লব ৷ ১৩ বিরাট বা বেরার ৷ ১৪ খাণ্ডেশ ৷ ১৫ অহ আদ নগর। মতাশুরে, রাজ। তেতিলমল বন্দে। বস্তের কর্ত্ত। জি লেন, তিনি সমদায় হিন্দৃস্থান জরিপা জনবেন্দী করিয়াং ২ ধ 🖰 प्रकार २२ मृता मरख्डा करतम, क्यांन मृत्राट हिन्सू अथानः • কোনস্বাতে আশার্ক মোছলমান স্বেদার নিব্ভাইল : কিন্তু সকল স্বাতেই হিন্দুৱা প্রধান কশাক**ও**; মনসৰ দায়ী রা**য়** ताशानी, प्रख्यानी, दशनकाती, काचूनकाशी, कावकुनी, थाका भी ইত্যাদি পাদে নিমুক্ত ছিলেন। রাজা বিক্রম:দিত্যের নাগ্র व्यक्त बार्डि ए एक्डिक नारियों इरेन, जिनि आहून क জন ও আবুল ফতেই, ওছিন্দু শান্ত্রজ সভাপতিউসর মন্ত্রা माना भाजानाश कविरहम, ताकादलीटि निश्चित वारह, माकिन শাত্রের বিবিশ্ব গ্রন্থ পারস্য ভাষায় ঋত্ব পি করিয়া হিন্দাু মত शाहा क खबारक व्यक्तरहत वासक हा वतानी मर्द् । दिन्स दा जात कमा विवाह कतिरान । (कहेनिक् हे खिलात बाक जारह, क्षकवत्र यामभाइ २७ वर्ष वंतरम इर १०७৮ माल्य ज्याभूत छ নাজোয়ার দেশীয় রাজার কন্যা বিবাহকরে বুলু হৈ হিন্দুরাপীয়

প্রতিষাত ভাজতি পুত্র জেহাসীরও পিতৃ বর্তমানে ভারপুরের ক্রীক্ষবংশীয় এক কন্যার পাণিগ্রহণ করিলেন, ইহাতে চিংখার क्षाबा उनत्रभूर इर बाम दर्भ राक्षी अध्यन। समुन व ब्रक्ष शृष्ठ जुल क्रित्रा भोतन् स्थान करित का अदश्कुक दौरातनत क्रिकिश्मित् क्षणाइ व मीरवडा श्रीतन्त्रं कनियोधीरकम । क्रेक वर्शशास्त्र † **কিনোর ম**ুপাল তঁ **ৰাদের সহ সম্মা**ত ∞আহার কৰিহালাদি [ং]কারিত্যাপ করিলেন।কেহ্ অক্ষরের বাদশালী ৫৬ ব্য কংছন ু**ক্ষ্ণ বরে**র পুত্র শেলিম মুরুদ্দীন সহস্মদ জে*হাফীর নানে অর্থ*ং শুশুবিশ্বকারী আগ,'য় ই॰১৬০৫ শাল ২১লাকটোৰরে বাং১০১২ क्किन्नि >0% म, रबर 8 क मी किसन आरथरत किलो व गिरश्माना <mark>্টপবিষ্ট হয়েন।শেছি দে</mark>র উরুদ পুত্র শাসরে। তাঁ চার শাশুর আ **্ৰিন থাও নাতৃল রাজা আনসিং**ছ ভাষাকে বিংটাস্বালিষিক্ত किनिक छेटमानी **रहेटन म**होताक के उच्य शताकती विवासिक শাসনাশক্ত জানে সুবে সালোরতে আজিম এ চে ও বাসা नाम ताजा मानिर्दरक मुख्यमाती कर्म (धान ७ प्रोप्त व्यवाधः প্রত্যাসরেকে কারাবন্ধকরিলেন। সাম্বিংছ জেল্জীরের **चोरमान्त**िविधार**ं रमत्रथँ। एक नक्के** कवित्र अवीक्षण क्रदेश क्रम्म চ্যুত হরেন, নীরাট হিন্দরি অব বেসালে লিখিত আছে। হাজ। শান্ধিংক্কতিপর বংসরার্থিছিছেন্দ পৈত্ক বিভব পালন क्षित्रा क्लिम किछ एकान एक्षीयः रेननाथाकः **भ**ताज्विक व्यक्ति क्रिक्स विभाग का विश्व ३५०० कि ३५०० मार्ज ब्लाकास्त क्षिकरसम्बद्धिक कारम कथिक चारक (सम्बद्धिन न गहिन) टीहात শ্রিকার্যনা পর্যন্ত রক্ষার্থে প্রাণ্ডলাল করেন এবং ভারার পঞ भाग नहीं के किए अ अरड १८० वर्ष के हैं जिन महान अमर इर्न ्र उपभाववर्धी हो जना किला वा का नाक निरुष्ट का जित्र क स्मान मुक्त भुता के काशान नृक्त भूर्य समन निर्काटन समन कुरमाहिन। दर्गानम दमशकीत पि॰शतस्य वहेवा माज्ये त्यत ीकि स्मानका विम्लाद थिक ठाँशद देन अवसादि अवसिठ

কইলে কজা প্ৰসায় দিলিকের স্থাপ্ততিক্তাসভাবে ঐছবের तमा कानिनीत कर धार्न कहिलाना छेळ मिर्देश किला তান্তারীয় খাস। অ'য়াদ বদেশ তাগে পুর্বক সৈ লাভাছে" হিন্দু,স্থান যাত্রামুকুল অতংপেপাথেয় ও ত্রী সমভিব্যাহারে গম ন করিলেন, পথিমধ্যে বায় অকুজন হেতুক সমূহ কেনিভঙ্ তত্যোধিক অনাবিপাদি হইলেন কার্থাৎ কারণ রখ্যাভারের অন্তর্যান্ত্রী পান্ত্রী এক কন্যা প্রসাব করিল'ঐ দম্পতী নব প্রশৃতাই নাকৈ কোন লোকালয়ে লছয়া আবাস গ্রহণ জন্য যাইন্ন নিরা শিত হইবে অতি দুংখে এক বৃঞ্দুলে তালাকে রাথিয়া উভয়ে প্রসাম করিল, যথন ঐ বিউপ। দ্রশিত হছল, তথ্য তথাতা जनहिक्कु व्याचन बार्याची चलात्व मार्क्कणाठ शहरपृता हरें हो ভয়: নক ক্ষপপর্য বেটিত। ডুহিত। দর্শমে ভীতা দলিয়া উল্লেখ্যে चोमी गरबायन कतिहर जातान विश्वताहारन उर खताल जानक ক্রতগতি এত গেওঁ ২ইয়া নির্কো**করিল যে তিংসক কহি ভূমি** পতিত। সূতাকে দংশনার্থে ওষ্ঠ ব্যাদান করিতেহে। তথন সন্ত্রা गिठ कि एक जागन गृश् कारन आकान लाभी केन न हिस्सीन क রাতে দর্শ ভাষে স্থানাভারিত হহল, এই অভ্যুদ্ধ দর্শনে তং পিতা ঐ ছহিতা পালনার্থে সাহস পাইল এবং অনাভাবে ভাহাদের नामर्थ नुख रखत्नत पृथ्वं व्यनाः श्रीथरकता मिनिता बाहाता प्रत আত্মকূল্য করিবা অভএব জগদীশ্বর প্রসাদাৎ বনে বিসাজি 🕏 অর্ফিন্ন ব্যক্তিও পরিত্রাণ পাট তু পারে। আয়াস হিন্দু স্থান উজীৰ হইয়া অকবর কাদনাহের ক্লায় অচিৱেই দিলাই আৰু <u>जारकात (कायांक्र इहेलान, नृज्यां० धन यम छेड ग्रांक्र ज्यांक्र</u> कात करा यात्र (यदस्तुक काश्री स्टेटिंट वा बाईरम ७ काश्री বা প্রবার পার ভাষাও বুরির অগমান আয়ানামলা ক্রমে ক্রেন্ लाक क्षांबाना त्योक्तर्य थान्छ। उ उपन्य विकास निर्माण निर्मात সম্পন্না হইলেন, ইহাতেই ভারতবর্ষ মধ্যে ক্লাপে গুলে ভত্তী जिला ताही हिन ना । स्मारहतन निर्मा अस्ति दिवत हाले हिन्द

স্কুৰেশ্বন নামে খাতে। হৰ তিনি অনুপান সূচী বৰ্ষা ও অভি শৃত্তি প্রভৃতি নির্মাণ করিতেন। স্বাভাবিক স্থাভিলায় মং। वार्ष । ज वे विद्या मृत्रजामा महिला कर्याल छोडि निवश ८० वर्ग শিতাক কর্মা রহিত হইলেন, তথন বাদশাহের এবং রাজ্যের উ े श्रीरत मृत्रदक्ष हात्मत्र श्रीता क्षांका मान त्यहे कारल খালা আয়াৰ উজীৱী পাৰ পাইয়াৰতাবধান মুখ্যক রাজ কার্য্য केंद्रक भोखाना खाभी क्हेरनम । महाताका हे२ ७७१८, मारन মনোহর কাশ্রীর দেশ জয় প্রাক কিয়ৎকাল তদেশে বিহার ক ুরু**ত উত্তমক্রপে রাজবত্ম** গৈলত করিলেন। ইং ১৬২৭ শাংল বাদ শাহ, পুরতেন উজীর মহধ্বতের পারাক্রম নূনে করণার্থে এক দিন তজাগাতাকে অপমান করাতে ঐ মহোপকারী মন্ত্রী বি नेश म्हेश लंद किन चामभोट्द मार्काद खकार्यन अधन कारन বেহৎ নদী সংক্রমণ দারা তাঁহার বহুল সৈন্য পরপারে গেলে ন**হরতে অককাৎ দ্বিসহসু রজঃপুত সৈন্য লট্রা ঐ সেভুতে অগ্নি** শংযোগ এবং বাদশাহ ও মেহরল রাণীকে কৌশলে স্থাশিবিরে यक्ष क्षक न्तरकशानित श्राठि बामभारित मानाच्य कताहरत **তিনি**ারাজ্ঞীকে ব**ধাজ্ঞাদিলেন** কিন্তু তাঁহায় প্রিয় বচনে ও সদ্ব্য ব্যারে মহস্ততেক কহিলেন " ঐ রোদনকারিনীকে কি তুমি ব্রকা করিবা না ,, পরে উজীর শুগু ষাতক্দিগকে ঈঙ্গিতে বা রণ করিলেন। কিয়ৎকাল গতে সর্ব্ব বিরোধ নিরোধ হইল। জে ক্ষান্ত্র বাদশাহ ২২ বর্ষ ৩ মাস রাজন্ত্র করিয়া মরিলেন। তৎ পুরা বাহার্দান মহমাদ থোরম শাহজাহান্ ১৬২৮ শালের আৰ্থাম মোগল বংশীয় সিংহাসন বিভূষিত করিলেন ! আদৌ ক্লাক্তা প্ৰাপ্তি বিষয়ে নানা প্ৰভিবন্ধক উপস্থিত তেত্ক সাজেচান বিশাস্থানগণ ব্যতীত এক জবগাভিলাদী তৈমুর বংশীর তাবৎ পুত্র क्षिप्रकेश्ड क्तिलम। है० ১५७२ माल महात्राचा जीनका ৰান্দে পাছছিলে নামা প্ৰদেশাখাক্ষণা স্থান্দ্য উৎসহ সমালিত क्षेत्रकिन वार्यक नेमानक व छरन छर्मना निकार र गरकारमत्त्री

क्रमा के बहारिन्ह्यानि बीम्ब क्रांच्य विकल एकि सारणालकुक ও বিজ্ঞাপুরের উপারে সোতোবং পাতিত হুইলেন, এবং ঘটো त्राका व्यक्तिश्वत्र जाका करित्वक (य " अनुत्यात करित करित দারী সংগ্রাম শান্ত সমাপ্ত ক্রিলেই জেশের অপ্পত্ত হয় স্ত রা• তেমেরা সমরে কোন নিক্ষরি কর্মোপোলক করিবান।। সাজেহান এব প্রকারে সম্বংসর মধ্যে একপাত পঞ্চল তর্ম ও নগরাধিকার করত ভঃথে নিমন্ন ছ'ছ গেট ভূপতি বর্গ 🐴 🕬 নিয়মে শান্তি বিতরণ করিলেন বে তাঁহালের তাৰতাজা কেলিয়ে তঃপাতী হইল। পারসা দেশীয় বাদশার আবাস কর্ক ্লাক के কালার রাজ্য পুনর্মোগল হতে প্রিদ্ধ। সাজাহা স্বরাজ্যে দৃঢ় মনোনিবেশ পূর্বাক তাবিশ্বিয় হত জ্করিয়া ছিলেন এব ভাঁহার ব্যবস্থার অলংফাতা প্রযুক্ত অতি সুখ্যাত ছিলেন ৩ আক্ররাপেকা দশগুণ উত্তম নাপে রাজ কর সংগ্রহ করিলেকঃ ই০ ১৬৫৫ শাল গভ হইলে ৰাদশাহের রোগোৎপত্তি জন্য আহা-র মরণাবধারিত নাতেই রাজক্মার দারালিকো, সুজা, আরক टक्कत, गुत्राम, इंश्ता भि॰शामन आरक्षार्थ महा विद्यानी क्येद्धान ইতোমধ্যে মহারাজা নারোগা হইলে স্থপরাক্রম স্বহতে লাই লেন কিন্তু আরুংজেবের বলবতী শৈলীতে তৎপুত্র মহমাদ আরু। आগরার দুর্গে কারারজা হইলেন আরজেব দিলী সমীপার্ডী व्याकावान उन्तारम इर ১৬৫५ नान > व्यानाधि ताक किरु शाबन ও আলমগীর (পৃথাজেতা) এই সগর্বনাম এইণ্কি লেন। **कालमशीरत्त्र मश्रम वर्ष दाका कारल हैर ३७७० मा**ा लह পিতা মৃত্যু মুখ পত হন। পাজাঁ হার রাজ্য তথ বর্ষ ছিল : তথ भूज गरेशकीम गरमान आखतकरक्रव जानभगीत जाशमात वि তায় পুত্র মহম্মদ মাজমকে যুবরাজ প্রকাশ করত শাহ জালম (পृथीत सहाताका) नामपिरकार 1 >७७० मारकात जनावृद्धि रहजूक ভারতবর্ষে মহা ছড়িক হইলে মহারাজা সাধারণের হিতাথে विष्यम् बायः च अव्यावर्तात्र ब्राक्तव क्षत्रा कवित्वन । गाएक्षां व

" CARLES STREET, STREE

क्षित्र वह नलाह नहीं धर पहले बहुन का ना ना कि के जिला २०३१ मा ३ पिश इत चिक् रकता माना कृष्णितास जा र्क ब्रेग्ने विवोद्ध वाजित्त रेशनी गानी मनता का के नमानि विभारतम् अस्य वर्षः इरु कविद्यान देश् अवस्थ भारतः प्रकिन्द्रम् । **ৰহায়াই রাজ্যসংস্থাপ**ক বিরাজি দ্বারা অসামঞ্লোগনিত্ত। হুইল্ম প্রতিকুলাচারী শিবাজীকে কেইই দুমন করিতে পারেন नार्रे जिनि १७७० भारत प्राक्षिणिएए माजिएनन, उरनुज मजावा नेडिजिदिक ১৬৯২। नास्य जीयमधीत वध करतन । स्वारस्त म দ্বিশ্বেদ্র তীরে বিজাপুর রাজার নিভিত ভাষত স্বালালা ধৰী সিকিলের সহান্বালী সম্ভাপরি ব্লাক্রিয়া কও अन्भू शिक्षिकात कहा । अवकः विकि ब्लाइटक एक काल्रस् । उर শুৰ প্ৰাক্তাধাক চইল কিমিৰ গড় ও বিজাপুৰ ভাজনৱ তাব विद्यादः आवक्षेत्रीहरूक निरम्भ । अतिविनित्यारमञ्जलम्बिन क्या के मार्य याहरू हेरा अज्ञ । श्री व लिक्न वित्र वेशक श्री विकासीरक यामानिक विवश श्री मन्ति है । श्री शि विविक् প্রিয়াক্তর জনমি প্রের উপাণবাক্তির এই প্রথমে প্রাজীর विषय रहेन । वाद्यां र हेर २०७१ मा राज वसवस्थान विषय 📆 ७ वेनाच्चेर लाच शर्यन्त त्नाचान ताला मृति कविष्याम्। ইপু'>৭০৭ সানে ২১ কিন্তুগাঁরিতে জান্দর্ভাত অরাজ্যের ৪৮ বর্ষে भौतार नगरत निर्मित्र महस्य शतकार गामी इरेटमेन 1 उर अक्रिके प्राप्त राक्षक अहि बाद थांड ए जिस्स्मना वा 🔑 निक्षा होन भाग छात्र आका काल है लिक निरंपत एक শেষ্টি শেষ্টি কা তাহানিসকৈ পৰতে তাড়াইলেন এবং बार्डिक् मार्ड ब्लो बना युक्तका शक्य वर्ष द्वा जब कहिंगा है १ २१३३ भारत व्यक्तित्वक कार्याचन भित्रित ,caten शक्य भारेटनम् । क्रिक मही हुकी न जा शासा नारम था करूरेशा निर हानन विकास । है कि महिष्ठ मार्थ - ज कीटक छेश भड़ी। करा मिलाक्ष्य कर दिन्द्र होस्सारात शक्ति गर्क स्थाना

বিয়ক্ত হুইদা এ নিন্দিত মহারাজের ডাত্ পূজ ক্লাক্স**ালিয়া** यम्ना शाद्व वामगाह मह ভीवन मध्याम क दिलन, ठाहार কাহাকর পরাজিত হইর। রজনীযোগে **হর্নরেশে দিল্লিঙে** আসিলে শক্তরা রাজপুরী বের্টন পুরুক বাদশাহকে হত কিয়ত रिलीत तथ्गाट्ड निक्छि क**रिल । लाई नित्र अंग ब्रोक्स्क** রেন। মতান্তরে ১ বর্ষ ৬ মাস। মৃত আজিমুশ্শানির পুত্র কর कर्थ भितात है १ २१२० मारन अवस्मामी केवाविकारक। व আদি ক্রিন হার প্রাধাবর্গ ভঃপাতি স্বতর দূচক ভাতিবর্মকে সংহার ইনাক সিংহাসনোপাবিষ্ট হ**ইলেন। অভিনৰ বাদশী** (एव नवकारी रेगरल व्याप्तन जामीवल अमता नारम शार्ड नक मी ও কোত্র্শ্নল্ক নামে প্রাসিদ্ধ সৈয়দ আবছলা মন্ত্রী হইলব তাঁহারা প্রাক্রাত হইয়া প্রায় রাজ কীর ভাষদ্ব জি প্রাইশ করা ে বাদ্যাহ ও এ দৈয়দ ধয়কে সংহার্ত্থি গুপ্ত মন্ত্রণা করিছে है॰ ১৭১२ माल नांद्राद्वादाक बिन क्ति भिथानगरक श्राक्य करत्व वे महत्व सहात्रहोग्नामव किल श छर्न (वटनदान द्राराम स्थानिक" मानासीत भूव निष्ट পির গ্রতি ভাগতিক বঙার্থে বাদশাহের অনুমতি ইইরাছে. তল্পে উক হোচৰৰ দিল্লীতে আনিবোন গতিংকাৰে দক্ষিণ্টেশ বাদক্ষাহের কর্প্রান্ত্রের এবং দলসাংগা ও চতুরালা রাশ্ব बीहरू महीता छे दिवता करनी का जारमा श्रम थ नातारक बेर्दन क्तिम । वानभारकत चलत द्वारचात्र यण्नीत वस्रभू देव विकिए निर्र देखीत व्यवस्ता नर्तिशम किन्तिम अ नीना প্রকারে রাজ বিজোধোপত্তিত ক্রল। ফরক্র**নারার অস্তঃপুরুর** व्योगनारक वक्त कतित्वन अव विद्योगाममं इंस्टन जिल्हा मिर्जामारणाता ७ पछ शाहन कहिन अहेकारण मेकी जानका सराजाक वनामिश्नावन प्राक कामावक क्रिमा सामा গীরের অপৌত শিশুক্ব কর্মানর কাতকে রা ক সিঞ্চাননে বন। रेप्तिनी कत्रक्रथनिष्ठत आश्राक्रवाक्य निम्नुती वेथे ह्हर्सन।

विश्वास्त्र नी एक्षे श्री करें।

क्रिके जोने द्रोज कु करते ने। उर्शाद अञ्चित गहाता की ক্ষাৰ্থ তৎক্ষিত ভাতা র্ফিউদৌলা ও মাস য়াজত্ব ক বিষ্ণা মরিটোম। অনন্তর খোলেন্ডা আগতরের পূত্ররৌসন আক ই > ২৭২০ লালে মহাম্দশাহ নামে খ্যাত হইয়। সি হাসনো প্রিটি ইট্রলন 1 ডিনি অতি জানবতী জননীর পরামর্শে সৈয় শ্বন্ধায় নিতান্তাধীন ছিলেন, কিন্তু তাহাদিগকে বধাৰ্থ ঐ মহা हो अब खर्ख रामना उपलविती इहेल। यथन होरमन महारिनी के अह श्रांक महम्म भा डाक मरक नहेशा मालव एक शिशा धाक क्रिकामुल्यूक्क नह युक्तार्थ (प्रकारन याजा क्रितन महिकारन পাথিমধ্যে হয়দর নামক ঘাতক ঘারা হোগেন হত হইণ তৎ जहवाम धारता इत छकीत धावल्ला वामगाह गर महा गगत केंद्र शृह कहेन, अहेदारी विद्रयन भाज देनदा म प्र नरी कहेरते মহস্মদ শাহ সম্বস্ধেরর পার পারাধীনতা ত্রাগ করত মহা সম। 'বেইটিই সি॰হাসনারোহন করাতে অমাতের। জয়ং ধুনি করিল। में है। इंग्लिं विकास मुध्य सह, लगू हिछ, विदिदहरू हिलान उत्क क्षेत्र वाका वह विचार हेन। है॰ २१७२ भारत भाष्ट् ব্যুদ্দেশপতিকে সালব ও গুজরাট দেশাধিকার দেওয়াতে में अबंधि रिप्रदा मधर्जारमें जाजा धराग मिला शर्या वर्षे कित কাল্পারে অযোধ্যার নবাব সাদংখা কর্তক ১৭৩৫ শালে ভাহারী उडिक रहेन । जनस्त उसन नाममार महावाद प्रिमिन्दर ক্ষেত্রিকতে স্বীক্ষত হইয়া পুনরাগমন নিৰ্ভি করেন এই কুশাসিত बहिना ब छे भाइ भाइ भारती सम्भाव त्यावामारनव त्यान भुक् नानित्रभार कारवानाय आकृतानिमशरक कमनी उद्भव एक्सन देकक रिस्रोडिंग र मार नमोल्य जनमी किला में वास्ति प्रकार करिया है जिसे, जहाता कारवारन खर्गाणमन वास्त क्षेत्र हित्र हैं कि कर्ड के के कर्न ना कि राज स्वत्रार्थ उनकि विन विक्रिके नेजीटमें हरेल, जिनि अवस्मारवाणी रुखशाँड

मार्थिक क्यांने विक्रीत्व वर्ष्ट्यांनी इका कविष्टन । व्यक्तिक बार नाइ रवशम भंगक क्यामियाच भवामार्ग महत्रावना हरे ने अख्यातस्त्र चाच छान वकार्य धार्यमा कबारक त्यार नवना र गुक बातन कदितन गहित्मत्य এই मिश्व बहेन त्य विक्रमणीय शिक्ष ম পারছ কাবোল এবং ভাভার ও গুলকানের এক কাগা সৌগীল উক্ত নাম্বেরশাহ দিল্লীতে ৩৭ দিন থাকিয়া ইং ১৭৩৯ শাল 🗯 এপ্রেকে হদেশ যাত্রা কবিলেন। তালার মৃত্রে পর ইং ১৯৪৭ नारन रमाजानी नः नीय अहमान व्यानमानी रेममा मन्छाइ धूर्वक ক্রানাহার কাবোল লাহোরাধিকার করত দিলা আক্রমণ করি (समा महात्राम नारहत गढी अ महारेम मारान ममवद्याम पूर्वाक व्यादन मानी के निवाद नार्टिन के किया निवाद निवाद नार्टिन त्रामणाही त्मना पिशतक शन्हां कतिया धनणात्री नत्रहिन्ता या वक अन्द हिजोब्रक कर कतिरम्भ । शहरित नत्र विकास ताहर अ दुरुशिश्वामार अकत्याप अधि मः योश इउसर्ड वर आली स्व धमानश्याको हरेग रेगाल जात्वमानी क उ प्रमानाम हरेग्रा स्थानाता कारवारम शास्त्र । अहे नून वान स्वतिशे मेशायन শাহ ৪৯ বর্ষ বয়সে ৩০ বর্ষ রাজ্য ভোগ করিয়া ১৭৪৯ শালে পঞ্জিক ক্ষাহিকে। ভক্ষণভাৱা ক্ষাণ হইয়া মারিলেন। ভালা, ঠপুত্র भवनामः भारत्यविद्यास प्राज निर्शामगाविष् रहेलम। निजा मुन्नुम्राह्म श्रीक नारहर छेमीम सी व्यायादा मनाव छेमीत স্ফার্ক অংকর আহ্নসূচন্য নিজ প্রিভার বাজ্যেজীন বা বেভার अव्यक्तिका अवदा अवः रिनाधार्म अस शाहास्त्रका व्यक्ति व्यक्ति ल्लान्य विकाद कराए कराया रेगमाधाक जाकी संपीन से मन इंडडा के इसमना क्र मामा महाडा है। संश्रामक महन लहेशा अपरे माल कारवेतियास्य कार्य बाहारेरणम् अनः केका योग क्रिक त्रात्त्वार तमोरश रूपेरकार मार्था क्रांक जिति

परित्मते । मूर्यामल के शिरारमत मेरलान्धिक रहेगा निरम्मन कतिल গুৰুৰি শালনাহৰ লোককৰা বাদেন্দ্ৰামাৰ সহ মিলিড হলেন তৰে অপিক ক্রিরল ওমরা হইতে নগরাজের ভয়োৎসারণ করিব, क्रियाम मार এই किमिला तम बरेया मृशनी छला स्रशक्तिनारन জরীর গ্যন করিব। মাত্রই মহলার তাহার শিবিরে জানিলে ক্ৰিয়া অমাত্য সহ জীবেশ ধাৰণ কৰিয়া পলাইলেম ও সৈম্যে सं किमिनिक रहेन, उरकाल भाकि हेमान थे। निकित्त पितीरिक প্রস্থান পূর্বাক বাদখাত ও ভাঁহার সাতাকে ধরিষা উভয়ের চত্ असे हैं वर १९६० मार्ज ब्लाम्स बाममारहरू शूक वाकी मुनीन याप्त काब मुक्त क व्रज्ञा विकीय योगमशीत नारम राममान काव किल्कि रहेरणमा अस्योगा वामणार ज्यानगर्भात मानीव वा अञ् कारन व्याप्तरानी जाठिमिशक ममन ७ छताचा छजीत हरेए ्वामश्रीव्यक त्रका-कत्रकार्थ वर्षात्रप्रोगोक उद्यता शरम द्वारा कब्र बर्धमा सञ्जा करवन। वामनारहत रकाछ पुत्र वानी भी र्व माह इक्ति बोत केरगार इर २१६५ गाल रेरम के मिल त , व्याधारम् आर्मितवत । शाहीन छेब्रोत छेवपकुश्यम् वाववाह বৰাৰ্থ একজন কাশ্মীনীকে আজা দিলে তিনি অপ্ৰায়াত দাবা आविक भी हामानि एक कर कहार यह गार्थी व विकास कि जिला, त्त माय अन मणी शर्य छ धाकिन । विश्वीय ज्यानमनीरवर्द वीम क्षाक्री १ रक किन , । जो शासको देकीत व्यवस्थानुक, जानम श्रीत कृत्य का कत्रात पूरा मूत्री केन नमकर के वे मूक्त का दुन तार्यस्त्रक द्वारा करिका देव ३१०० मात्र परवान बारकानी ক্ষাৰ্থ নাৰাজ্য আলোৱা পাৰ্যপাৰ বিচয়াৰ কৰাতে পাৰাৰাৰ श्रमा नाम ह दूबर एनोस त्या सामान अवस्था आ में स्थाप मह िक्तिरेंग ए अर्गबर्ध्हे विविध्यव स्थेत्राचा कि किंग्नेक्य रहेत्री विक्रिक्री विकास का माना महत्त्वात वा निर्माणिक की क्षित्व कृतिका। अथव पूर्व क्षित्राचीका महाताकी प्राप्त अचीकि নহলু তুরক্ষণারোচী নৈমাগণকৈ প্রার হত করিল, ইহাতে নিশ্বি কেরা প্রকাশণে বিতীয় বার বৃদ্ধা করিয়াও পরাও ইইল প্রেই কিন্তু পুরুষ সদাশিবরাও ভাউ রলে হত ও ঘাবিংশতি নহ পুরী পুরুষ আবেদালীর হওছে ও একলক চন্ত্রারিংশং হর্ষা রোচা প্রায় হত হইল । বৃদ্ধোপরতম মহারাকী রেরা ২০৩ জন সেনাপতি ও অত্যাপ অধারোহী নৈম্য লইয়া ঘদেশে প্রাইল আবেদালী প্রই মহাজয়ে কিঞ্চিং কল গ্রহণ না ক্রিয় শ্বিল দিল্লীতে ক্রক মাস পাক্ষিয়া আলিলাইর লাহ আলমকে বৃত্ হালনে বসাইতে ছির করিলেন। তৎকালে তিনি বাঙ্গালার। লেম । এজন্য মজাবুদ্দৌলাকে রাজকার্য্য ভার দিয়া কাবোলে প্রস্থান করিলেন।

ইতি সারাবল্যাং দিতীর থাওে চতুর্থঃ পরিচ্ছেদঃ ৷

हेरलको रिएटगत बांगिका विवत् ।

ইংলণ্ডীয সহারাণার আজানুসারে ইং ১৫৮৬ লালে ২১
কুলাই মেণ্ডামদ্ কাবেওস্ ৩ জাহাজ প্রস্তুত প্রধ্নর প্রিমাণ্
নগর হইতে যাত্রা করিয়া আমেরিকাতে গেলেন পরে চার্মির'
নিকটন্থ কিলিপিন্দ, লাডোণ, মালাক্কা যাবা প্রভৃতি উপদ্বাণ
ভ্রমণ করিয়া ইং ১৫৮৮ শালে ১ সেপ্টেম্বরে প্রিমৌণ নগরে
প্রভাগমন করেন, তিনি বাণিজ্য বিষয়ে অনেক অনুসন্ধান পাও
য়াতে ইণরাজেরা ভারতবর্ষীয় বাণিজ্যে আরও উপদার্হী হট্ট লেন, বিশেষভঃ ১৫৯৩ লালে উ৮০০, মোন বোঝাই পোন্ড গাঁ
শায় এক জাহাজ গৃত ও দাট্রেমিং নগরে জানীত হঠল তদানীর্হী
ভারুব্য বৃত্তপোত ইণ্সত্ত আর দুর্ত হয় সাই, ভাহাতে ভারত
ব্রমি লবজ, আরক্ষা, রেসমা, ইন্, মুক্তা, প্রস্তুর, মান্তির্মীর
বহুমুল্য কার্ডাদি ছিল সুর্ব্রাণ ইণ্টান্তিরি স্মালিন্ত ক্রিপ্টান্তিরী
বহুমুল্য কার্ডাদি ছিল সুর্ব্রাণ ইণ্টান্তিরী স্মালিন্ত ক্রিপ্টান্তিরী
লোভাক্রাক্তরীয়া বিলিন্দিন্তিরা পার্থনির নির্মালি ভট্টি TO THE

জ্বলা ভ্ৰমণ পুৰুক্তৰৰৰ বা স্বধানী আগ্ৰন্ত। লাহোৱা দৰ্শন করত ৰাকালাভে আসিলেন, তথা হইতে পেওমলাক মাইয়া সম্জ अप्रभृष्ट्रेन्नर्स्य गमन करत्वन, हेन् १६०० मार्टन हेन्न्र सेस सक्तीत দ্মীপে ভারতব্যীয় বাণিজ্য করণানুমতি প্রার্থনা করাতে তিনি ম্মত হয়েন, তংকালে বণিক সনাজের ৩০১৩৩০ টাকা মুল भरम ১০১ অংশी ছिল, এবং 🞉 ১৬০০ मारत ৮ অক্টোবরে পঞ্পোত প্রস্তুত হুইয়া লৌহ দিয়া দন্তা বনাচভর্থান ও অন্ত ज्यवः क गरमात्रमः करवाः। भशादार्थं दवाताः है हहेरल भानः निक् नम्भागारकता कः क जवाना विषय ७० फिरमधरत महातानी हैनि কাৰেও কৰ্তৃক অনুজ্ঞাপত্ৰ প্ৰাপ্ত হয়েন। ইং ১৬১২ শালে প্ৰেরিড জাহাজ সমূহ গুৱাট হুইতে জনতিদুর স্বালী নগরে পোর্জী শীয় পোত্ত কর্তৃক বাধিত হইলেও ইংরাজেরা সুরাট ও ভাচমা **জাবাদ ও কাম্বিয়া ও গোগো নগরে কৃঠি ছাপনাজ্ঞা পাই**য়াশত করাওা, ত্রীকা শুলকদিতে সম্মতহওরাতে তল্পক্সাধ্যক্ষেরা অবাথে বাণিক্য করিতে দিল এবং ১৬২২ শালে ১১ জানুয়ারিতে জেহা क्षीत वामभारहत व्यवस्थित शाहेलन, इंशट्टर नेखारश ক্লোৎকৃত্ত অন্ন বনাদি বৃহদ্রাজ্যে ইংরাজেরা প্রথনে স্থাপিত হাইলেন। অনম্ভর অতি বিচক্ষণ রাজউক্তীল সর ত্যামস রো ইঙ্গ लक्ष हरेट चात्र ठवर्ष चारिया है १ ३७३६ माल चार्मी द्वरान भुतक (कहाको इ शुक्त शद्भ गर्गा श्राम नमका द जानात जिनि मञ्जलको व्यवस्थित धार्यः माध्यानारशः काहारक ग्रनायतः करद्रन्। श्रुद्ध हेकील नारहर आखरमद्ध भिन्ना नाम्लाह मह नाम्लाह कृद्धि स्तान मृत सम्बोस मृशंजित याता ७ त्रानाम याता जाराजी द्व माइकात मरकाव जिल्ला। किसिन काल भएड किली श्रेष्टिए वस्य मार्ट्स्य ब्राचिक बावन्सस्य मुक्टिय वाशिक्य कर्ष श्राप्त जहर्विकें अधितन, अहारक मोता है बानाना निकारण बालिका एका वेदाना बता कि कि कि । दे बादक रा भारत क्षत्र माकारम मानसमित्रक सार्थन करः हर शह

ষর্ষে ফোর্ট্র সেণ্ট জর্জ নাজা একর ডুর্নার্ক্সাণ্ড ব্রিমক্টি? ১০১৯ । १२ अनंदर्भ पा कृत (४ कि. निक्को अस्त्र अपनिक्ता कि अर्थिक क াতেও দৈ ৰাৎ ৩০০০ সূত্ৰা দেওয়াতে কুটিকভেক্স।কেন্সভাজো বিন্যা करत वानिकारिमां कि भावेदमन। है - अध्यासारन व्यक्तिमां स নৃথাতি আত্মকন্যা কাথারৈণের বিবাহকালে আপন জামাভা ইংলণ্ডার ব্রান্সাকে গৌতুক স্বৰূপ বোয়ে নমার দিলেন, ক্ল**ন্সে**শ গ্রহণাথে প্রেরিভ থম॰ মার্লবরো ১৮ সেপ্টেম্বরের বায়ে সগরে ন্ধালিলে তথ স্থানীয় পোও্লাদেরা ভাইতিক বাধা দিল। কিবছ কাল গতে ইণ্রাজেরা বোষে ও সলেমেট উপরীপাধিকার করা তে ১৬৬৮ শালে ইংলড়ার রাজপুরুষেরা ক্লেপানি ইইতে অশীতি মুত্রা বার্ষিক কর জগ্নে সাম্ব করিয়া ঐ উপদীপ ভাষা निशक्ट निर्मन। पिलात नापनाह **जात्रक्षत जान**मनीत हैः ১৬৯৪ । ৭০ শালে মহারাষ্ট্রিদের সৃত্যুদ্ধে ইংরাজগুলের না स्राया प्रदेश के क्यों स्वतार श्रमक के किए के दा कि कि प्रकार के किए के স্তম পাৰ বিতে চাহিলেন, ভাঁগারা ভাই। না লইয়া ক্লিকালাতে, किकिक्टू वि कहेरान। जात्र वस्य जूनि मक्किक्ट्र अभिनेक्ट्र अहे इहेल। इंकि श्रेर्क ३७७२ भारत भव अर्क अकृत्यद्व अरनाची उ হইয়। বিশ্বল ছাপাবনি স্ফার্শন পর্যান্ত ভ্রাধাব্তী ভারত ব্যোভরাত্শহ ত্রেৎ কৃঠিপতিরাঞ্জানুকুপে নৌব্রাফ্টে নিযু ক্ত হইলেন, তাঁহার বেতন বর্ষেই কেবল ৩০০০ টাকা ভূছিল वालिकार शतिराई अधि रायत दिनशमु मुझा शाहरत् है ১৬१७।११ मर्राल मान्त्रारल इ चनधीन इर्देश, ब्राक्शमान क्रिश खित्रा श्रापानाः शाहेरलन् ते वेकार्कः रकाल्पानि छोहानिहास्ह जीनरमस्म नश्किकः ७ इन्ति कृतमस्त्रः ,क्षिकः ३०१ मृत्यः, क्राह्मक भावा विश्वत । देन०००० मध्य स्त्राम्पानिकस्त्राण्ये निक्य यन भारत्व बाकाबाय (शोव क्रिया नवानो रेगुना यह उदल श्री च 10 मुकारूमे भारत कृतिकाकाचा अवाहेत्वर्रः (भूए) गांध वर्षे र्वा अवस्थान मानेका भेरत ज्ञाना होते होते के नार इत

দৃটি নাহনে প্রথান করিয়া নোগলদিগকে পরাত ও আনার ছুৰ্বাক্ৰেম ও হিজালি হাত্তগভ ও ভথায় হৰ্ব নিশ্বাৰ ও বালেশ্বর वन्त्र गृष्टे अ मदार्वत्र ठञ्जात्रः मञ्जाराज अधिमारु कतिसा। সিইন্ড্য খাঁও কোম্পানিরকাপিমবাজার ও পাটনার বাণিজ্য। লয় হস্তগত ও লুওন করিলেন। ইং ১৬৮৭ শাল ১৬ আগর্ফে খ্ৰ न ध्याक् शूनदेवका छ हेरब्रा एक द्री छ शनि कृष्ठित कार्यात् छ कि তে পুনর মুক্তপ্ত হইলেন, বোম্বে নগরাধিপতি সর জন চাইন্ড ও মাজ্ঞালত কাপ্তান হীথ সাহিত্বের বলাদি দেশে অবিকে **ठि** कार्या मिलीश्रावेष कर्गा गित है हैला किन अवक्त (का স্পানির তাবদাশিক্যালয় রোগ ও বছ প্রাণী বধ করত ইৎরাক **मिशक विविध माखि मिलाम। हे॰लखीखाता २७৮৯ माल** क्र মগুল তটস্থ অথচ কুদটেরিব কিঞ্চিদ কিণে ভিগনাপত্তন নামক বন্দর তদেশীয় রাশা হইতে ক্রয় করিয়া নৃপানু জাক্রমে দেও দাউদ নামে এক ছর্গ নির্মাইলেম । ই০১৬৯১ শালে মহাসভা (পার্নিরমেণ্ট) পুরতিন কোপানির পদলোপ পুরুক নূ তৰ কোম্পানি স্থাপন করাতে নানা বিজ্ঞাট ইইল । পুরাতন किंग्नोंनि २७२৮ मोरल क्लाहे मारम वक्षेत्र मुख्यमात्र आक्रीम ওশ্শাদের আদেশে সুহায়টা গোবিনদপুর ও কলিকাভার अमीरात्री क्रन्न करिया थे शान मत ठानम् आहेमत माह्त पूर्व আরক্র হর্স সম্পন্ন ও সুনির্মাণ করিয়া ইংল গ্রীর রাজার নামা वनात्त्र त्का वें डिनिम्नम मान द्राधित्वन । अवश्र त्म वे वर्ष ५७ छ। हाएक ४२४०००० मुखात्र वानिका क्या (खड़न करतन मुख्तार हेरा भारति । क्षा । विकास कारणामित वादनाम जारणा बना छेल्यासून (कर्वन विद्धारमञ्जू आहर्षा व स्थान छ । । । । नाति र किना र देश र रेश मिलिक (कार्लामि मारक बाक रहें कार ब करें गर्ड एनई काणीनियात जायर कार्य कि कार के इर्ड है। भूबकर बान्तकता खेकाणांनी इन्ट्रेस छात्रक বংলি বালিলা কাৰ্যের জনারা জনা ও কোপানির অধিপতির।

कडकथनीम लाकरक मरनर विভক्त संदिर्शक । क्यांनानिव নভা মধ্যে পঞ্সহসু মুদ্রার নূনাংশধারির। কৌম্পানির কোন কার্য্যে সমাতি বা অসমাতি দেওনোপ্যাক্ত ছিলেন না 🗟 সম্পু দায় (দিয়ামত্ত্রা) ২৪ জান নিযুক্তা ২ইতেন এবং একং জান विश्माणि मस्यु छ।का बूलाक काल्यामित बून भागत लक्ष्मीशाती ना इंदेल निश्चानक स्थाप नियुक्त इंदेलिन ना । है २८ सन কোট আফ ডাইরেকটর্স নামে খ্যাত এবং তর্মধ্যে একজ্ব প্র থান বংপে ও একজন তদধীনে নিযুক্ত হইতেন। ল ২৪ জন নিয়া সকেরা দলেই কমিটা নামে প্রসিদ্ধ হইরা কার্য। তালাইভেম। रे॰ २५०५ भारम कनिकाछा । वानिकातम मंद्र अथान रहेन । है १ २५६२ भारत महातास्त्रीय भिवाकीत (भीज ब्राक्त अर्थे नाइको हेरता कार्यात्र माहाया आर्थना कर्तास्य छाहाता कारणक्रम मनी शादि मध्यत्मानि श्रावन पूर्वक क्षावरक्षिक न कत्रण (मबीका है। छार्ज व शक्ष्यका म मृद्य मिनिय काराम क রিলে ভঞ্জাউরের প্রজাবর্গ বহু বাধা দিলী সুভরাৎ কাবেরী নদী র মোলানার ছই ক্রোল দূরে যুদ্ধ জাহাজ থাকিলে ও বার্তা অপ্রাপ্তবিধায়ে ও শান্তজীর অদর্শনে কিরিয়া আদিলে মাজা कछं भवर्गदात जात्मरमा रेमगाधाक (य॰ लद्दल अरेमबा भूमद्राकः মণ পুৰ্বাক ঐত্তৰ্গের ভিত্তিভেদ মাত্র করিলেন ফলতঃ ক্লতকার্য क्रेंटलन ना विरम्पवक रेमनाक्षण कुर्भभाष्याकोर्न क्रख्यकी करिनीय খর ব্রোতে শরপারে বাইতে অসমর্ক হইল। কিন্তু সান, মোর नारहर अक कार्ष एका निर्मात र सक नार प्रकार नारामन क রত নদী পার হইয়া তীরছ ৰূক্ষ মূলে অপররজ্ঞ করিয়া প্রত্যা গমন করেন সৈই ঘোজিত রজ্জাকর্যনে বহু সৈন্য ও সেনাুপতি মের'লারেল প্রভৃতি সাংহ্রেরা পরপারে **উভার্নেভ**ুত্র জরবে ছ র্নের ভাগভান আক্রমন ও ভঞ্জোরাভিমুখে বন্দুক বুনি করিছে बागिटनने। कुनरहात्र प्रर्ता 'रनरण्डेरभणे जगहेर यज्ञान नाहरन गरेगा धारवम कतिया हिर्गम् ध अर्थे विषेत्र धारम

कार्या भागा नात्रमें त्मा भागि अमन पूर्वक छन्त्र त्वरी क्लोहें। दे छेने इस्रेंगल कहिंदने में, देनस में मिल्ड उत्मागिकाती बीका कर्त अ यानिक २००० भटगाना चर्यार (७४०० मजार) क्रमयुक्ताधिकाव मिर्दिम, अव ४ रे॰बारकवा त्व माछ बीत जना ষ্ঠ কৰিলেন ভ্ৰুমান প্ৰতাপ সিংহ তাঁলকে পোধনাৰ্থে বাৰি माला (म॰ क्राइव जिडिना शक्नी এव॰ फ्रांचिकां हो क्हेलन । भारत पार्का वन्नारवंद हन्ना मार्ट्य उक्षा उरदा रेमनाषारकात ছব্ছে আৰু নমৰ্পণ করাতে ভিনি বিশ্বাসঘাডিতা ব্যবহারে চন্দা किने के विद्यान किएक हो छ है। वा अभीर भी यक्ष विनय यो কার করিল। ই০ ১৭৫৪ শাল ২৬ ডিসেয়রে ফে্সীয় সেনাপতি भिन्ने जिल्हें नाद्य क्नफाइएड हे नहीं इन्छ। यह मिला निज के कित्रानमें धरे मिस्टि प्रश्मान जानी कर्ना है वारकात नवावी नारनं सिव्छ त्रिलामः। उरकाला हेन्लख क्षेत्र खाश्चायाकः মেত বইসন ভারত বর্ষে ক্ষেনীয়তের নত শ্লাপে আসিলেন । বা কলাবেছার উর্গুসার নবাব সেরাজন্দৌলা, ভজ্জোও পিতৃ **व्याद्ध विभवा जी** अंशह कालीन र्कंद्र कनाद ग्रं। अ**र्वश** इत्व कति শোষাৰী বিষয়ার খালাঞ্চা কুমালাস ডাকার কারাগার হই তে भनाश्रम श्वाक कलिका ठांत हे बता क मिरशत आखा स महेवार ह, रेका स्वतं बारत है रकारत च निटा क करेगा रकाली निरंक भुःग कंत्रीमहिक्के अनर इ हैर २१८७ जारन ३४ जटन के निकालाई हैं। দিগিত্রকাকরিলেন। সবর্ণর মেণ্ড্রেক ও কাপ্তান গ্রাক্ট ও व्यव्याना विदेशा क्या वालक्ष रहेना नगर नागर्यः कार्या। श्राम শ্রাসকু বিবাদ চিজে পরেছ ৷ অতি প্রত্বে কু ঠি ত্যাগ করি-क्षान निर्माण हैरबार बड़ा घर शहारका भारत्तव शक्ति नका গ্যক্ষা ভাষাপুৰ পুৰাক ভাষপৰিয়ালনের বছ ভেকা করিলেন ক্ষিত্তকোলে আৰুগক বৰুৱে নিষিতে উপাস্ত কালপেরি आश कर्न समादकर्षे मित्रियंगमा ना स्वैते जाउन विभिन्न

निर्वास नगर्य व्यक्षिया अयुक्त विक्रिक कथा। स्मर श्रामक अरगत বেষত অথপ্ত ডঃখোপস্থিত হইল তাহা লিখিতে অতি নিৰ্দ रमंत्र अ ्क्रम करमा। किन्नकां किनमात्र विकेनकारम त्यर शहर ব্লে সমাগ্ৰধিগ্ৰাত্তৰপে ভৰ্মস্থ প্ৰাচীর প্ৰকোষ্ঠে কই সৃষ্ট্য বারস্বার আম পরাজিতত্ব স্বীকার পূর্কাক পর কেলিয়া দিলেন এবং কউইবা মিনভি স্তু**ভি ও সক**রুণ বাক্যেক্তি কর**ণানম্বর্** অস্তরেদনাভিভূত হওন বিবর্ধ মুক্তকংগ্রহণ ক কথৈ। ই ইয়া প্র কাশ করিলেন কিন্তু তত্তাবদ্ধা কাছার কর্ণ কন্দরে স্থানাপ্র ইল না বর্ঞ ভ্রমশঃ শক্ত সমাগ্রমন পুরঃসর গ্রাক্রমণ ছার। ভাবদ্ধতগত করিল। মেং হালবেলও শোক সাগরায়**তনে**ঞি প্রবাচে পতিতট্র নিদানে অথিল শ্ন্যারশেষ সন্দর্শনে অভি भीन गिन्य (वर्ष का जीकामा विकास ने ने ने ने ने निया निया है) লেন তৎকালে কাল, সর্কণ কঠোর গুজেয় গ্রনের। তাঁহাকে খুত করত করশুট বন্ধ মূলক নবাৰ সমীপে উপস্থিত করিল, তথৰ দেই সেতকাৰি সাফেবের বাস্পাসার বর্ষিত বিধুনন **কলেবর** মির্লিক। পুরঃসর তদক্ষের প্রভা স্থানেং শ্বেত ক্ষুঞ্চ পাতিবৰ্ণ বিশ্বি কাশিত দৃষ্টে অতি নিদ্যি নবাবের ও নিদ্যু ঃখ হইল এনত নছে বিশেষতঃ ভংকলাং তাঁহার বন্ধ হন্ত মৃক্ত করিতে কাইজা দিয়া বীরস্থ ধর্মক্রমে ও অনীচ মনক জনা উক্ত করিলেন যে এ সাহে বের মন্তকের একটা কেশও কেই নত করিতে পারিবে না কিন্তু তদ্ৰাত্ৰে ছুৰ্গস্থ নবাবী প্ৰহরীগণ ১৪৬ জন বন্ধী ইংরাজকে ৰাকহোল অৰ্থাং এক কু দান্ধকূপে আবন্ধ রাখিল তাহারা স্ক লেই যুদ্ধ পরিশ্রমে সুং পিপাসাভিছূত প্রযুক্ত হত জান হইল, ধার বন্ধ করণ মাত্রেই কএক ৰাক্তি একেবারে ইহ জীবনে মুক্তি था थ इरेलन, जवनि के मनश्रम महाजक्रा के के कर का गरिया পর্য্যারে প্রাক্ত পরস্পর প্রহ্নশীল প্রভারের প্রভানোর क्य हिक बुक अवोक्षांत्र मित्रविद्ध अञ्चन क्रमा तिहे एनक · II PAIN

1

कुशाब्दाक चरित्रका हरेश क्रवारबक क्रवान क्षत्राम क्रविरम् (कह्वा अनुवाह बाह्य) प्रक शहरी अमेरिय अनुनम् विनम क বিতেল গিলেন, কেহবা জলং শব্দে জুলিভাক ও অন্তদ হে দহে পাতিত হইবা পঞ্চ প্ৰাপ্ত,কেইবা প্ৰহরীগণ সনিধি পুনঃ মুক্তি প্রার্থনা করিতেই দেহান্তর প্রাপ্তি পুরঃমর সব্ব তঃথ প্রমোচন ক বিল, কিন্ত এই বিপান বার্তা প্রদানার্থে অর্থ দান করত কোন , প্ৰক্রীকে মৰাবের নিক্ষে প্ৰেষণ করিলে ইয়ংক্ষ কদাচ হই ছ না, ফলতঃ আসন্ন নিপদ কালে অতি সুবিজ্ঞ ব্যক্তিও মলি নতা প্রাপ্ত হয়েন তালতে বুজাদির নিত। তেই অভাব হয়। এই স্কৃপে অবিচিছ্ন ভঃখে মৃত্যু প্রাপ্ত হইয়া তৎপরদিবসে প্রাতে ত্রশ্বেষিংশতি জন মাত্র ক্ষকুপ হইতে বহির্গত হইল। এই বিশাদ প্রভীকারার্থে লিপ্টেনেন্ট কর্ণেল ক্রাইব বালালায় প্রেরি ভ হইরা ১৭৫৭ শাল ২ জাতুরারিতে কলিকাতার ছই ঘণ্ট। যুদ্ধ করাতে ধবন বিপক্ষের। ছুর্গ তাগে পূর্ব্দক পলাইল শেষে ২৩ कून भवानीत्ठ वश्मश्थाय ब्ह्ल जाबात्वहें देशनशीस्त्रता कर खां छ इहेरतम २६ जून उन्जिय का हैव मरेमरमा मूत्रमिनावारम श्रिम्ना मीत्र काक्युरक मनाची भागानियक कतिराम এवং जिनि ১৪ সেপ্টেম্বরে কলিকাতায় আসিলেন। লাইব জ্যাপত তিন বর্ষ গুরুত্র পরিশ্রম পুরাক শারীরিক অপট হইয়া ই০১৭৬০ স্বাধ্যের কিন্ত্র ছারিতে মেও ফোর্ড সহ ই০লওে গমন করিলেন। किनि कलिकाञात नवर्ती উপেका भूतः मन उर्भम श्रहनार्थ আন্তোক হইতে বেমশিটার্ট সাহেবকে সাহ্বান করেন। তাঁহা ক্রাকালায় আলমনের প্রর্কে কিঞ্ছিকালের জন্য মেণ হাল গঞ্জন বন্ধীয় শাশ্ৰর কর্মা হইলেন মেণ বেন্দ্রিটার্টের রাজ্য স मारक के मुनाई ब्राविटक मोत्रण माश्रन भी गेखां पत्राम क्रिकोना क्रम्भूश करूरक है शार्श विक्रश्शाद्य महितन उर भिडाकीत्रकाक एतत्र रमनामन क्षेत्र व्यक्तमार्थ दाक्कर बार्द्याप क विमहारम् केणक स्रेम् । उत्सन् नुदारदङ्ग कामाठा ,मीत कामिम

जोशास्त्रं भूद्रीवर्जी हरेशा कहिएलक वर्धन स्नाता द्वाराविकार्क नेखर्के करिया की क्र का करें करेगानी भारिक्टमब बेनी कुछ 💩 ই তরাজ বিপক্ষ হেতুক গবর্ণর বেলীটার্ট বল প্র্রাক কালিমাক 8 माल्फ नवाबी शाम मिलान, जिनि क्रेडक्टडा येक्श काल्ली মিকে বর্দ্যান ও কলিকাভার কোলেলের মেধ্রদিগকে ২৬ লক্ষ টাকা দিলেন, দেই মুদ্রা তাঁহারা যথাযোগ্য ভাগ করিয়া লইলেন। পাটনাতে ভ্রমণকারী সমুটি শাহ আল্ম মেজায় কার্ণাকের কাল্ডে কালিমালীকে বঙ্গ বৈহার উড়িস্যার নবাবী शक अव॰ नत्रीकृत्यनक इयाजियाकाकीना नदाव जानी नाहि भीत महस्राम काममालीया वाहाहत मनवएकः अहे एएए। मिलन তিনি বাদশাহকে বার্ষিকরাজস্ব ২৪ লক্ষ টাকা দিতে স্বাঙ্কত হই लन। कानिमानित अर्बिन वा जिलाति थे। जातमारि रेननामाध्य ছিলেন তিনিও অধ্যবসায় সহকারে খীয়ে স্বামিকে ইণ্রান্থ দি গের অধীনতা হইতে মুক্তকরিতে চেফ্টিত হইলেন। দৈন্য শিকা বিষয়ে স্কুলেই তাঁহার ভূষিষ্ঠ প্রশংসা করিতেন। কোম্পানির কর্মকারকদিগের আত্মস্তারতা দারা কাণিজ্য বিষয়ে আল্লেক্স बना विश्वास् देश्यास नह कामियानीव श्रीं ए एक इतेन । भारत बर्स (य मकन भग क्रवा এक एम्म इन्ट्रेंक (ममान्द्राव नोर्क्ट्रेंक्ट्रेक তাহার শুল্ক নিক্পিত ছিল এই অসভাতা প্রথা ইণ্রাজেরাও ১৮৩৫ শালের পুর্বের রহিত করেন নাই ইহাতে বাণিজ্যে বহ बाघाउ इहेन। कलिकाडांक कोरमनी नाएक्रवता भूनकात मीत জাকরকে নবাবী পদ দিলেন, তিনি ইণ্রাজদিগকে যুক্ষব্যস্তার্থ ७० मक ठीका ও द्राक्षः द्रकार्थ स्मिनीश्रुद, वर्कमान, ठरकी थी। त्यंत्र त्राक्षण रेमत्मात्र दवलम चक्राला हिएकर है ? २१७० नाम ३५ बुलाहे 'बहैंबन' मिन्न कतिलिन २८ जुलाहे हैं बार्किन ये जिन्हें। বাদ অধিকার ও২ আগতে সূতির্নিকটে খেরিয়াউঙ ্ল ব্য থাকঁ যেৰূপ যুদ্ধ করিলেন বঙ্গদেশে ডদ্ৰাপ নমর আৰু হয় নাই, अतिर्भाव मवादी त्रभावः गढान्छ हरेन्। त्रोलग्रहारान्त्रमधीलन्द

क्रिक्रमान र प्रश्नीसम् कितिन। धारे मकन जन्मामकारम काम भागो मुख्यद किला ।। जिन उपयमानाम श्रहात्मतः पूरक एर শীর বঙ্গী সম্দারের প্রাণ্দও করিলেন। ভাগতে পাটনার ক্ষিতাবৰ্ণৰ রাজা রামনারায়ণও ঢাকার নাএক শাসন করে৷ রাজা রাজবলভ তৎপুত্র রুঞ্রাস প্রভৃতি ও অন্যানা হিন্দু রাজ মৰ্শ ও সম্ভাৱ লোকের। হত হইল । তদ্যধ্যে নৰদ্বীপাশিপতি हराष्ट्रांका रूक्षिण्ट तात जिल्लू श्रद्धतीय गर्क छेशकार पान भूका শলায়ন করেন । ইংরাজের। উদয়নলের চুর্গ সমীপে উপ হৈত হইয়া মজুর্দিগে বারি পূর্ণ স্গর্ভার পরিখা পরিকৃত অন্থ আশত্য অথচ মুদীর্ঘ এবং নদী গির্ফাভান্তরে স্থিত সুনির্ফাত দর্গম क्रिके समाध्य भाषा र मंग्यास हामक मन्त्र मान मन प्राप्त के किए कहेरलान এবং নদ্যভিম্থে ছইগত হস্ত পরিক্ষিত্র প্রদান্ত শক্ত মৃত্তিক।যক্ত স্থান ৰাতীত অপার দিগ্গমনে কেহই শক্তা হইল না তথাপি ইংলগুরের যুদ্ধ নৈপুন্তেনে ও সেপেটয়রে ছলনাদ্ধরা অন্য দিকে পর্বভারোতন পূর্বক তুর্গ প্রবেশ করত ঘোরতর সংগ্রাম **সম্পান ও শত্রু সৈন্য ছিন্নভিন্ন এব**০ ছুর্জে স্বা ছর্নাধিকার করিলেন্ এই ভংসংবাদ প্রাপ্তেমীর কাসিম ওপ্তরূপে পলায়ন পুরঃসর বুলেরে গিয়াবন্ধী ইংরাজদিগকে লইয়া পাটনায় প্রস্থান করে লাই পরাজের। ১ আক্টোবরে ওর্গ সহ মুক্তের হস্তগত করাতে कारीमानीत अभीम जार्थ संस्कृतातः छाङ्य क्लार्टन बार्छी । ক্রাজ বা ক্রাজ ও ১৫০ জন গোরা হতহইল এই জুও পিন্ত स्थार्वत ममाधान देविक कामियानी चार्याकात मुरवलात मुका किर्मि । इ व्याव्यम् नहेलाम । हे॰ ब्राटकता २१५७ माहन ७ मद अर्ज १ हिमा अधिकात कतिरताम । हे० २१७८ मान अधिरतात व्यक्तिक गावाकोर्न हरेता मुकाकेष्मीनात बाला श्रम्खके नदा य लातिमाची अस शावेनाकामा श्रुवक इर्निवाद मुस्कामाङ ক্টলেন ভাঁহার পেনাপতি সমকর সমর দক্ষতায় সমস্ক রাম্ব न्। श नः आसारक नामग्रक फैक्स भरक बळ रेमन इडाइक हरें। न

है। मधीरयहा सम् क्षां स हन, विभक्त रेग सहस क्रिक स्थाप करें ইলে সজাউদৌলারণ ভঙ্গনিরা সংখ্যাের প্রস্থান ক্ষিত্র 📭 (म् श हि सुत्र नत (हरू हे व सन्दर्भ भारहत व सन्दर्भ व अवान ेश सा ধ্যক্ষ পদ পাইরাবোমে হইতে বগররে উপনীত হউলেন ১৯৫ আক্টোবরে বেলা ৯ ঘন্টাবধি ছুট প্রহর পর্যন্ত ত্মূল সংগ্রা মের পর মবনের। পরাস্থ ও আতা শিবিরে অমি দিয়া প্রস্থান ক্রিল। অভংপর প্রনেধ্বেচ্ছায় ভারতব্যীয় সৌভাগ্য ও অত ইলম্বা ইণরাজ ভূপতি সমূহের প্রতি সমর্পিতহইল এরণ এত দেশে শুভাগমনাব্ধি এতজাপ ঘোরতর সাফলা সমর ভংকাল शुर्क्त जात कथन इस नाई উद्धान्त व्ययाधात नवां द असी ट्युत शर्क्स श्रम्भ **७ डे**श्लाखीव भिर्धात भाता क्रिया क विकीय हरे**ल, है॰** 59 be महिलाब का नुसाबित क क्छे आहा मोब जाक दिव मुखा हरे त्त उर्भुख मकीवरमीनात्क हेर्देशकता किलीत वाक्यारहत वा কেশে নতাৰ করিলেন ইংরাজেরা তংগহ সন্ধিতে বাঞালা ৰক্ষ मान, स्मिनीशुद्र शाहिलन छ युद्धार्थि मातिक ६ लक छाउ। পাইবেন লবনের প্রত্তি আড়াই টাকা শুক্ক ব্যতীত ভারদাণিক্য নিষ্কর হইবে এই নিয়ম হইল ৷ ই॰লণ্ডীয় মহারাজা কর্তৃক মে• ক্লাইব লার্ড আখ্যা প্রাপ্ত ও কোম্পানি দ্বারা বঙ্গীয় শাস্ন ক উত্ত্র পাদ ভূষিত হইয়া ১৭৬৪ শাল ৪ জুনে ই॰লও ভাগে পুরুক ১৭৬৫ শালে ১৭ এপ্রেলে মান্ড্রাজে আসিয়া শুনিলেন মার ক! সীম সহ সমরারি নিকাপণ ও শাত আলম বশীভূত হইয়াছেন শ্তরাণ যদর্শে তাহার আগম্ম তাহা নিজ্পত্তি অগ্রেই হইয়া ছিল তিনি ওমে কলিকাতায় উত্তীৰ্ণ হইয়া কৌন্সেলিদের সহ ५ भ माराय श्रस्क दावकार्या महनारयाणी इहेरलन ।

লার্ড কাইব দেখিলেন সকল বিষয়েই সম্পূর্ণ অবিচার ও ইংরাজ ভূত্যেরা কোন উপায়ে অর্থ লইয়া শাঘ্রং ইংলওে মান। তখন দেশীয় লোকেরা ইংরাজ এই শঙ্গ শুনিলেই ঘূণা ক্রিত, গবর্ণয়েণ্টে ধর্মজ্ঞানও ভত্তার লেশ ছিল্না বর্ম

विनेश वी दिना की छिलान। लार्फ क्राईय ममुनात विकास मुनि 🐝 স্থাপন ও কোম্পানির আজা পালনে চেটিত হইলে সক লৈই মিবিশেষে ভাঁছার শত্রু হইল, তিনি নবাৰ নজীকু দৌলার নিত্য ব্যয়ার্থ বার্ষিক co লক্ষ টাকা নিধার্য্য করিয়া পাশ্চিম দিশে গেলেনা অযোধ্যা রাজধানী হস্তগত পুক্তক চণ্ডাল গ ভৈর ছ্রাক্রমণীয় ছ্র্লাক্রমণ করাতে তক্তস্থ সৈন্যেরা বাধাদিল के न्द्रारक द्रा नक्का भावेरन वाममारक द्र महकादी मनीक था। **বিকেটাখণ্ড হইতে সদৈনে। আসিয়া ঐ ডর্কের সুতেদ্যন্তান দেখ**় **ইলে ই-রেজেরা** তোপ দারা ওর্রাধিকার করিলেন। ইতিমধ্যে कार्डिकोना शह श्रायानियाद्वत मयोश्रष्ट मणश्रुवा करां केरतत अधीन असहाता छैं। ये रिना नश्रवारण भन्ना करेगा কোরাভিমুখে গেলে সেনাপতি ফুেচর ও কর্ণেল কার্ণাক সৈন্যা খ্যক ১৭৬৫ শাল ও মে কোরা সনীপে তৎসহ যুদ্ধ করাতে জয়ী হইলেন নকাক উজ্বার ভর্মনা হইয়া কেন্দ্রতার প্রতি নির্ভর कड़क है स्ताक निविद्ध कांत्रिलन, नार्फ कांद्रेवन कोल्लनी পাশের বিবৈচনায় সুজাউদে লার শোসনাধীন তাকদেশ তাঁহ। কেই দিলৈন তম্বে কোরা ও এলাহাবাদ দিলীখরের অধীন **রাখি**লেন উজীর ইংরাজগণকে যুদ্ধ বায়ার্গে ৫০ লক্ষ টাকা প্রদান। স্থাবার করিলেন। কাশীর রাজা বলবন্ত সিংহ, নবাবের অধীনত্ব কাশী ও গালীপুর ভোগ করিয়া ও ইংরাজ সহ যকে সহায়তা করাতে তংগ্রতি উজারের অত্যাচার না হয় এজন্য भाभध कड़ा है (तम। माह जालम मह कहे नियम हहेल (य दह (क ৰীর উড়িদ্যার রাজয় বড়বিংশভি মুদ্রা ও কোলা এলালা काम (मन পा है) वन এव॰ भीत काकत, भीत कात्रिय अकीम्राफी नात महिन ताक रचत्र वाकी ७० नक मुखा 'छ वार्विक वृष्टि नार्छ প্রাথ মুদ্র। ইংরাজাভিমতে পরিভাগে করিতে হইবেক। जिए। ता हैंसे मार्थानक जानी त्री इंद्रें मार्के हैं॰ 2298 मारन विसी अ क्रेट्समें हैं। ১৭৭० मान ३२० मानर्छ हेन्नछीत्र काम्नानिरंक

ৰাঙ্গলা বেহার উড়িসার দেওয়ানী ভার দেন, একাহাবাঁহের দের দানী সমন্দ লার্ড ক্লাইব প্রছণ করেন ইহাতেই ইণরাক্ষের। পরে। ক্রমে ও নামে অত্যন্ত খ্যাত রাজ্যাধিকারী হইলেন। এই অবিধি মুর্সিদাবাদের নবাব সাক্ষিগোপাল স্বূপ হইলেন (৪)লাভ ক্লাইব ৭ মেপ্টেম্বর কলিকাতা প্রত্যাগমন করিয়া বৈন্য ব্যস্থ লাঘবার্থে উপস্থিত বিবাদ নিষ্পত্তি পুর্বাক ইং:৭৬৭ ৷ ১৬ জালু য়ান্তিতে কৌন্সেন্নী ব্রেল্ফ সাহেবকে গবর্ণরী প্রদান ও কার্টি श्रांत, कर्दन स्थि, रमक्त, यूबात मारहवरक छ९ महकाती (क) एक ली नियुक्तामखन कि क्यानि बारम का हा बारमा द्रश्य है। লণ্ডে প্রস্থান করিলেন, তিনি এযাতায় আসিয়া ভারতবর্ষে এক श्रकात मानुष्यः द्वाभान करवन शवर्षत्र वरत्रवर्षे, अर्याशात मुद्धा खिर की नाइ यह मू छन मिकाइ। भक्त मक्के निष्मा खि श्रू अक কাটিয়ার সাহেবকে আত্ম শবে নিযুক্ত করিয়া ইংলওে সাৰ। है २ २१ ने भारत > ७ जरबारन खशास्त्र रहिंश भारहत बक्रोस গৰণ্রী পদে নিষ্কু হইয়। অনেক বিশ্তালতা দূর **করিলেন** . কিন্তু বারওএল সাহের ধ্যতীত অপর তিনজন কৌসেলী ভাঁছার প্রতি কর্মেই দোষ দিতেন। পার্লিয়ামেন্টের মৃতন নির্ম ১৭৭৪ भाग > षागरि धावज्यस्य क्षात् इहेल त्यर दश्किश वाचिक সার্দ্ধ বিলক্ষ মৃদ্রা বেতনে প্রথমতঃ তারতবর্ধের গবর্ণর জেনে व्रत इट्रेलन এवं द्वादम्, बाल्याज, वाजधानीव नामन राज्य बाद कथीन इस्त ।

⁽৪) ইং ১৭৬৬ শালে নজীবুদ্দোলার মৃত্যু হইলে তৎপ্রাভা গৈয়কউদ্দোলা বসায় নধাৰ হইলেন তাঁহার বার্ধিক বৃত্তি ৩২ লক্ষ টাকা নির্বাপত হইল ইং ১৭৭৭ শালে তাহার বসক্রোগে প্রাণান্ত হইলে তদীয় দ্রাভা মবারিক উদ্দোলা নরার হইলে কোর্ট অবভিরেক্টরেয়া বার্ধিক ১৬ লক্ষ টাকা বিতে আধেশ করিলেনা

है अपने भीत रेश का शवर्तत रिकारत्व रिकेरिकेरिका कोरिकेरिके की वेस् यत अतिश अयोगमी क्रेटन के वश्मरतत निवित के अ। डो क्छ इंहेल। हैं२ ५२११ माल এপ্রেলে गाँठ भनी वंत्का बर्ख व्याप क्रेंग । हेकां द्रमाद्रद्रा अधिक शिविमार्ग हेकादा नेखेबाट हे भवन्तिके अक काहि व्याठी व वक होका द्वशाके प्रति ख শুল্লত বুজা বাকী পড়িল ইহাতে,কোম্পানি এক বর্ষের निवाद इंकाता फिट्ड करकन मिहे चोड्डा एं राहमनी बरनेना ৰাজ্য শেষ তিন বৰ্ষীয় গ্ৰাপস্থ একত্ৰ করিয়া গড়ে যাছা বৰ্ষে পড়িস তদনুসারে বংষং ই পারা দেওনের নিয়ম ১৭৮১ শাল भैर्याख ठिनिन हिल। हे० ১५৮२ मालि भाकत्ती वत्मरिख ह इंतर किन्न भारहत उत्मन्कादी कीरमनी विशक्त वर्ष दिव **বৈধ বিধ দণ্ড দ**েশনৈ নিতাৰ কুঠ ছিলেন পারে ১৭৭৪ শালে শুপ্রিমকোর্ট স্থাপন হওয়াতে ত্রিচারকগণের পরাক্রমে ভতে৷ ৰিক জুলিত হইলেন। ইতিহাস বেডারা কহেন, পার্লিয়ামেন্টের · ইহা অত্যন্ত জাঁট হইয়াছিল, যে কোটের ক্ষমতার বিষয় সম্পর্য স্থাপেনির্বারিত করিয়া দেশ নাই। তাহারা এক দেশমধ্যে পর স্মার নিয়পেক ও প্রতিত্বন্দি ছই পরাক্রম স্থাপন করাতেই विवासामन क्षमीख इडेन, श्रतित्नार्य इंग्न्यशिव मङामनात जा **टनत्म ३०**२१४० **म**ारक मृश्चिमकारकेट दे करके हो नगुनास टनरम ঋর্জ্ব নিমিত্ত যে উদ্ধৃত্য করিতেন তাহা সুহিত হইল,। ইং ১৭৭৫ मालित थात्रस्य मुका डिक्नोनात मुंछा इहेटन उर्भुख चानस इंस्कीत्। ऋद्भावति ननार श्रदेलन २० भ ठ९ मह मिस्ट है॰द्रा (अञ्चा आभी जिला शहरत्व उरकारत वातानुगार केर निर्ध बाका हिला 💥 । त्रार्षित त्रामा (त्राका) है॰ ১৭৭৯ मान ন্ধ্ৰেষ্ট্ৰ মেণ ছেন্টিংস,ভাৱতৰ্ষীয় গৰ্ণৰকেলিখেন যে পরস্পত্ৰ

क्षेट्रेन्द्रारक्षत्र। अवस्थान मार्क्ष कुणियात्र कियात्र क्रिकात्र क्रिकात्र क्रिकात्र क्रिकात्र क्रिकात्र क्र

महाताक्ष्रीयरमञ्जूषायान वात्रण कविन, वेकिनाधः प्रामान रामा থাবল মহারাখ্রীয়েরা আক্রমণ করাতে কাল্টান পাপ্তার সাহে त से भक्क निर्व नृत्रीकद्रव पूर्वक निष्कृतकी शांत क्रेटा २३ पाछि। লে লাহার গড় হস্তগত করিলেন। পরে অতি প্রখ্যাত গড় গো য়ালিয়ার স্বায়ত করিতে আত্ম পরাক্রম ও রবে নৈপুরা প্রকা শার্থে সতত চেটিত হইলেন, কিন্তু তিনকোশ আয়ত ও মহা পার্কভোপরি প্রথিত, সুদুর্গম তুর্গ বায়ত করা ছুণ্টেই বোধ ছইতে াগিল এবং হিন্দুস্থানীয় ভূপবৰ্গত নিতাজ্ঞান করি टिन, এञ्च किन्हें न्छश्च कित्रिट ममर्थ व्हेरवक ना, उश्कारम (करनवर्ग कृष्ठे, (शर्थिश्म मभीर**ण निधित्यम (य फ्राउ**न) कृतीक মণে প্রবর্ত্ত পাপ্ছাম্ অত্যাপা বৈদ্য সাহিত্যে তৎস্থানে গমন ক রাই উন্মন্ত কার্যের ন্যায় জ্বান করিতে হন এবং আক্রমো দ্যোগের কোন সুপাস্থাও সন্দর্শন হয় না তথাপি তিনি অতন্ত नाइटम महना नेगदारमाही इहेशा के फूर्वा अध्यामाहरू রাইপুরে শিবির স্থাপন করিলেন. উক্ত কেলা গোহদের রাশা র অধিকার ছিল, কিজ <mark>তাহার পিতা হইতে মহারা**উ**্রিক্স</mark> হরণ প্রঃসর তথার নহসু লোক নিযুক্ত রাখিরাছিলেন। যুদ্ধা মুরাগা পাপাহাম পুনঃই চর পাঠাইয়া ছর্ম প্রবেশনীয় একছান भा हेलन, जानात नीनव थानीत अकामम हत्लाक, उद्वशक्ति त्रिति यस्पि वस विकृष्ट, स्पृर्व्य प्रिकीय अरू श्राहीत चारह, केंद्रा শুলিয়া ১৭৪৯ লাল ত আগটে অতি প্রভূষে আক্রামকেরা ঐ প্রক্তোপারত প্রছিয়া গোপনে নিভেনি ভাপন প্রক্ একেবারে ক্ষসীম নাছদে নির্ভন্ন করত হর্মস্থ দেওয়ালের ক্রশ রে উঠিল, ইভারলোকনে তত্ত্রস্থ সৈনোরা রহক্ষণ রগলাধন ক রত পরাত হইয়া ভীতি চিত্তে অন্য ছারোগ্যাটন প্রাঞ্জী পদা बन कहिल ताः शाश्राम मन्त्री वरशः अही हरेहा चाउठवहर्य मार्का १ कर्म थिकात क्रियान । महातार दिन का उक्त क्रिक रिमानाश देसक निविद्यात नमीरा अहे विश्वादी स्वाहेश

ক্রি ক্লুন ক্লেন্ড ও বর্ষ পির্যান্ত মহীশুরের হয়দর আলী সহ নানা ছিলেন ইংরালাদের কটিন গুল্ক হন । ১৭৮২ সালে ডিলেয়রে চি ভারে স্থান হরদরের লোকান্তর হইলেও তৎ পুত্র টিপু স্পতান এ বুল বারণ করেন নাই, লাড হেন্ডিংস ১৭৮৫ সাল ৮ কিব্রু ক্লিবির ক্রেন্ডার করেন। তৎপদে প্রধান কৌলেলীবেককর্সন মি ক্রিন্ডার করেন। তৎপদে প্রধান কৌলেলীবেককর্সন মি ক্রিন্ডারিক করেন। ইং ১৭৮৬ সাল সেপ্টেম্বরে গর্বর জেনরললাড কর্মন্তরালিস ভারতবর্ষে প্রচাত লেন, তিনি ৭ বর্ষ নির্ক্রিবাদে রাজ্য লাসন করেন এবং টিপুর গর্ববর্ষ ও রাজ্যের অনেকাংশ শুলার সমৃদর বায় লইয়া সন্ধি করিলেন। অযোধ্যার নবার উলীর স্থানে বার্ষিক ৫০ লক্ষ টাকা গ্রহণার্লীকার করত ভার্মার ক্লান্তর জোলার ভার লইলেন। ১৭৯৩ সালে বক্ল, বেচার প্রত্যাক জেলার ভূমির রাজস্বের চির্ন্তায়ী বন্দোবন্ত ও রাজ্য শাসনার্থ বিবিধ আইন প্রচার ও বিচারালয়ের পাঁচ সোপান ক্রিলেন প্রত্যার দয়াল্তা ও বিজ্ঞার নিন্ত দেশীয় লোকের। বিশেষ ক্রভ্রতা প্রকাশ করিয়াছিলেন।

ইংরাজী ১৭৯৩ সালের ২৮ আকটোবরে সরজান সোর (লাড কিন্ত্রীথা) গ্রন্ত্র জেনবলের কর্মে প্রকৃত্ত হইলেন ১৭৯৫ নালে মোরসিদার দের নবাব মসারিক উদ্দোগার মৃত্যু হইলে ভংশুর নাজীর উল্মুনক পিতৃপদ প্রাপ্ত হন লার্ড টেনমোথানি ক্রিরোধে পঞ্চার্ক বাবং ভারতবর্ষ নাসন করেন। ইংরাজী ১৭৯৮ মাল ১৮ মে লার্ড মিরিণ্টন মারেকু যিস আব্ ওয়েলেসজি কলিকান্তা আসিরা ভারত ভর্মীয় রাজ্য শাসনের ভার গ্রহণ ক ক্রিরা মাত্রেই উত্তর দীনায় সিন্ধিরা ও দলিকে চিপু সুলভান স্থানিক ক্রিয়ানিবিধ বিভীবিক দ্র্শাইতে লাগিল লার্ড বাহা

अ मन्द्रिक जिन्दे जामीनी २ दिख्य दे ० दिला गण व श्रे विकात कि है। द जान एक द क्यें काम जमत दे व देशामी जाना कि । उर्दे कि के दिला देशाचा मा के दिले अने ने जिन्दिक प्रदेश

इत माट्यारक निया अक मन रेममा ১৭৯৯ नाम २ वे महर्स में ही শূরে পাঠান, ভাহারা স্বরার অন্নান শূর্কক টিপুর রাজবানী শীরক'পত্তন ৪ মে সায়ত করিল এই যুক্তে টেপু হত ও হয়ত্র বংশের রাজার্যিকার শেব হইল। উক্ত রূপ তঃসাহসিক সময় বৃত্তান্ত শুনিয়া কোট আৰ ভৈরেক্টরেরা লার্ছ ওয়েলেম্লিকে ৰাবিক ৫০ সহসু মুজাৱ আজীব প্ৰদান করিলেন, ভিনি ১৮০০ नारन अप्रभी ग्रे जाना जिल्ला निवास न न न न न निवास निवास न কলিকাতায় কোট উলিয়ন কালেক স্থাপন করেন, তিনি ইং রাজী ১৮০৩ দালে দিজিয়া ও হোলবদরের সহ বৃদ্ধ করাজে জ উভয় পরাজ্রমন্ত সামন্ত পরাজিত ও ধরীক্ষত এবং ভাইন্দৈর রাজের অনেকাংশ ইংরাজ দাসুজের যোজিত হইল ওপত সেত্যরে প্রাচীন রাজধানী দিল্লীনগর প্রথমাধিকার করিকেন্ট पिलोश्वत है श्वाकाखार मगारहेत शहर शून शामिक एडेल्स, তাহাঁৱ কোন প্ৰভূ শক্তি ৱহিল না, কেবল ৰাৰ্ষিক ২০ লক্ষ্ টাই वृद्धि भा हेटछ लाजिएल म । छश्काल मास्नुद्दद अध्याद लाज विद्या দ হওয়াতে লাভ ওয়েলেহলি অভিরাৎ উভিন্যায় নৈনাশা ঠাইয়া ১৮ निश्रिक्षत अभवार्थत मनिताधिकात कतिराम, महाविक्ति त्यत्रा युक्त कक्ष फिला । त्रगुपत्र कें किता तम्म कि वर्ष चलत्र बक्क রাজ্য ছিক্ত ছইল ৷ ডিরেক্টরেরা তাইণর একলগা বুলামুরানে विव्रक्त स्टेबा मार्डि चार्राभ ७ पात लाचवार्य लाड कर्नव्याधि मृत्क उरशास यानामीठ कविस्तान । जिनि वृक्षावें होत अध्य দাল ৩০ জুলাই কলিকাতায় উত্তীৰ্ণহইয়া এতাৰীশীয় প্ৰাক্লেক রাজাদিনের সহ শক্তিকরিতে পশ্চিমে গালীপুরে গিলাই ক আফটোবরে প্রাণ্ড্যাপ করিলেন। ডিরেক্টরের তৎ শুদ্রকে क्र्यून मृत्या छे भराव पिरवन । जे गार्व वासमङ्ग्रेश क्षेत्रान महाशिष्ठि महा बर्क वार्त्वा भवर्षह दणनात्रकात्र शास शिक्षि **ब्हेरनम । जाय मिल्रा कश्यिम এই পদে লোক नियुक्त के** द्रा - प्राप्ताहनत्र पश्चित्र । अतिरागस्य गार्जि मिन्टेस्स ले अस्य विश्वक

किंगरिः चेनरिमन्न (भाष क्रेंच । भन्न सक वीटर्मान जीवाद मर्हा बिहै शर्म रहेन त्य श्वरः अवन्त्रके आक्त वा विद्यमन निक्रे ভিন্তালায় ও ব্যক্তির কর্ত্ত করিলেন্ট ইহাতে রাশ্বাস্থি ইহল টেলডিনিন্ট ৮০৭ নাল ৩১ল্লাই কলিকাভান্ন আবিত্রা ১৮১৬ সাল পর্যক্ষ রাজ্য শাসন করেন, তিনি পঞ্চেরার (ভানান্তরী কৃত তাবোর) মাযুগ বিষয়ে এক ভতন ও কঠিন द्रीष्टि कद्रांख वार्गिष्कः बाघाउ उ श्रामाग्रस्त्र अशकात इडेन । ১৮ >৩ मान स्थाक्टोबर नार्ज विन्द्र नार्ज भेरहात इस्ट हाँचा कांच्र विशे केरेनाट देखि करतम। के मनता मारहर वह नाम मात कृष्टिन् जाव व्यक्तिंग रूरेन । काहरवश्रद्ध श्रदक्तनाराधन ভূগ ব্রিটিস গঘর্বমেন্টের মহ ২ন্ত তা ভাবে ছিলেন কিন্ত তথ পি ভার শহ সবিতে নিযুক্ত কমিদ্যনরের প্রতি অভাচের করাতে ইই ১৮ >৪ বালে ভাঁছার পেতৃক মন্ত্রী নার্জার দেও স্কার্যে পুনঃ বিশুক্তা ও বলরানপুরের হাঁছার প্রতিবর্ষে ৯৯৬c০ টাকা দিবেদ পীকার করাতে পুনংস্থা হইল েইংরাজী ১৮১৫ সালে লাড হেটিংসের আজারসারে সেনাপতি আক্টরলোমি সাহেবনে भूनेकीकरमत मर तप्षकी इहेरन इंट्रफ्लीके तोका वितिका जाल कारक किया मधि कतिला । मिकिय अपनीश स्थित दो मंदि निष्ठः हैदब्राहणना ५৮७१ याल थेक। इंख्यारक देन भागीराहा ভক্তা জ্ঞাক্ত মণে নিমন্ত হয়। লাভ বাহাতর ভারতক্ষের সল্লাভা শ্বন্ধ শিশুরি মামে শ্বাহিচ দসুপ্রের ও পেশোরা এবং নাগ भूरित महाद्राक्ष्रीयरमञ्ज्ञ मण्लूर्वसालानाम । काशाप्र निर्दा ननद् क अ जामात्मत्र श्रतात्मन अस्क्वाद्त मृखकतात् वे द्वारक अ अधिकवर्षा नवस्तर्भा रहेलाय। मानू हेन दश्किश्न हिन्दुकाला क जनावाम विकास कालन करहन। ठारा ह समायाहन रुक्ति देवांका अध्यात्रच्यात्र नक्तन छ अक्ष व्हेमाहित्सन । जिल्ल **ফার্ম্ব ব্যাল ভক্ষ**তর পরিশ্রম ইংকর্মনাশ্রামির বাজা ও রাজ বেরাভূরতী বৃদ্ধিও ক্রেশাধ করিয়া ১৮২৬ মালের প্রধ্যে ভার ㆍ

क्षर दिन के ब्रिटन न १ > का गर्छ ने के कि लेका के निवास के कि वाष्य वर् मारश्यद कर्ण दाना हैता छा भाषामात का जिन्द्र नीमा নির্ধান্ত করাতে তাইরে রাজধ্য মিনটাইর। জিরেক্টরেরালার্ড वामश्ये क छात्रछ ताका माननार ये गाठा रेक्स छन्। वास माम कनिकास वानिहाई अक्राप्तित युस्क अवृत्त इरेंबने পরিষ্ঠেৰে বিপাদের। পরাভ হইয়া ১৮২৬ মালের এথায় मिति कहिन, डाशास्त्र वेदहारमद्रीयानिभूतः, व्यानाम, व्याक्रकान मांडावाब थटनम शाहरतम ७ बक्त नृशिक यह वाहार कि मूंजा निरुष्ठ ममारु ब्हेरन न । उदकारत खत्र उनुद्वत ताका कूळाले. नाल सर वामाञ्चादम मह ठाल्न (महिकास्त ठाल्टिय वर्ण अस्त ধ দিবোৰ কিন্তু শেব নি ক্ৰা ত্টল, অন্তর 👵 ালুভারিকে लार्ड कमृद्र मग्रेंबर के स्थान विकाद करिएन ने खुर्का भाग स्टान प्रच क्हेर। व्यस् रागन एएक व्यक्तिक कर । फेक्क क्रहे मुरका ज्वरमानन क्ता कि मुखा अन इडेन । ला ड बारा छ ब रेन्ट्र के कि कि कि कि গিয়া ভিন্ত বংশের অধীনতা ভাগে করিলেন ইহাও এক একা র (মড়ার উপর থাড়ার যা) দেওরা হইল । লার্ড আমংকী জলিয়ন বটরওয়ার্থ বেলির হংস্ত রাজত্ব অর্মণ করিয়া ১৮২৮ मालात मार्ट्स देश्वरण अञ्चलका कतित्वन, का उ स्टेक्सिक विकिश्व गवर्षद्र क्लाइटलङ कार्च निगुळ इरेगा ४ ज्वारे किन কাতার পঁত্রিদেন, তিনি কোর্ট আব্ ডিরেক্টর সমীপ্রে প্রশাস্ত সারে রাক্ষ্যের ব্যয় লাঘ্য করাতে অনেকেই ভাঁহার স্থেয়াজি कतिया, उथानि जिनि क्ला वा उनिष्टिमा श्रेषा अनुरमाध अनाम नायरवत्र मण्यूर्व ८५को भारेरनम । हेरतायो १४६० मान श्रिक्ष वार्ष (विशेष मठीक्य वार्ष विशेष वार्ष विशेष वार्ष वार वार्ष वा চার করাতে **उस्**वति जङ्गत्रग इ**स्टि रहेग्राह्य । रे॰तान्त्रो**ं ১৮०३ नात्म कर्नाचे जरतत शत गमिशास विकित भवनंतिके अविवास करतन । श्रिक्त धर्म कर्मत अञ्चलका कराइ कराइका करियन सार्थ क्षि धरे करमें थालिका नक्ष्म क्रा रहेना। सथन वर्षक्षा

🚧 . कडक एजीन अधान विम्मृश प्रदेशता विच्छ क्रेश आह्ना ह বিচারে প্রবন্ধ কম, ভংকালের সামুদায়িক কেছুবাদ আবণে রাজা রামমোহন রায়ের পক্ষীয় অভিপ্রায়ের সহিত মে০ বেণ্টি क चीत्र महेक्दका भारमाञ्चाम भून्यक महोकरमद क्रमस्य द्यम्बि **रिञ** गांधू इतिक नहमत्र निवादन कथा वाग् वकाषाक कतिल পর্মা সভাছের। রাজার বিক্লারাচার জ্ঞানে ও তত্তবাক কঠোর কুঠা র প্রগারে তাপিত ত্ইরা প্রথমতঃ এতদেশস্থ অইশত হিন্দুরা मडीलक्क मञ्जदन गरीयमी युक्ति श्रुक्त व्विच्छत निक्छ न्याद মুন-করিলেন, তিনি বিলাভ আপীল করিতে অনুজ্ঞা দেন, এ র্য়বহার হারনার্থে ইংরাজী ১৮৩১ সাল১৮ জালু মারি উকীল এফ বেথি সাহেব ইংলভে গমন করেন, কিন্তু রাজনন্তিরা লোপপাশেই ছির করিলেন। লার্ড থেপ্টিক বিবিধ কার্য্যে এত क्षिणीत विकाद विकाद्धि वृक्षिकतिका अञ्चलक निष्ठा अउत्मन्न जां छ देश्हाक यैवन, हिन्दू विषष् म मूटमकी, मन्त जा भोली, अधान गम्ब्रव्याभीनी, जिल्ली या कि रक्षेत्री अ कारनक्षेत्री পদপাইলেন। কেৰেণ্ডিদ বেণ্টিফ বাগতর নিষ্কর ভূমির উপ (इ.स.ब.क्शेश्राम्ब काहिन क्रियान । ३१३।की ১৮०७ मान ১৮ শকেরটর লাহ আরম বাহলিচের মৃত্যু বইলে তংগুত হানি কাকবর দিল্লীবর হন এবং ১৮৩৫ দালে মূদ্রা হইতে শাহ আল **बिष्ठ मा**चित्र **पंतिरार्क हर्द्य से निराम निराम निर्देश । ১৮৩**० নালে কে ন্সানির সননোর বিংশতি বর্ষাতীত হওয়াতে পুনঃ নিশক হইল,আহাতে কোম্পানিকে একেবারে বাণিজ্য তাগ ও কারখালা বিক্রন্ত কেবন ভারতব্যীর রাজত্ব করিতে হইল। \$ ७० अ गाला बागाये मार्च (विन्षेत्र कार्षे बाब् जित्रक्**षेत्र** नकीरण अंखका भाष्ट्राम । ३४००० मान बार्फ बारम नार्ज बाहा क्रपत्र छेक्य वर्गमीय द्वाकाद्भत्र त्याय रहेम जिनि १. वर्ग छ। तरु काषा माराम केरिया कि मारा देश्लाख माता करतन, उपक्रात नेक्ट मानगरक चानमन नाम भर्गम शुनगर यह हाईस

শেষ্টকাক অভিনিধিমণে পরর্ণর জেনরলী পদপাইরা ভারত ভূমি সংবাদ পত্র ও ছাপার মন্ত্রাকয়, মুক্তকরণাথে ওৎসুক হই য়া ইংলণ্ডের ছাপ।খানার নায় স্কাধীন ক্রিলেন।

ইতি সারাবল্যা॰ বিতীয় প্লঞ্জে পঞ্চমপারিছেকা। 🕠 🕟 ইংরাজী ১৮৩৬ সাল ৫ মার্চ্চলার্ড, উলিয়ম অক্লেণ্ড সা হেব প্রণ্র জেনেরল কলিকাতার শুভাগ্যন করিলেন ১১৮৩৭ मान क्यारे भारत अध्याधात वाका नाक्षेत्र छन्ते स्वत् लाका ন্তর হওয়াতে রাজ সিংচাসন আন্তি বিষয়ে সহারোল হইল, ভ ত্রসং বেদিভেও সাহেব সাদতালার তৃতীয় পুত্র নাছীর উদ্দৌ লাকে মুছলমানের ব্যবস্থাক্রমে উত্তরাধিকারী নির্ণয় প্রথমক সিংহাসনাভিষিক্ত করাইলেন। মৃত বাদশাহ একবার স্থীকার করিয়াছিলেন তাহার ছই পুত্র আছে তংপরে অসমত হন, দেই म्नावलप्रमभूतक्षमञ्जलकारमाइ एवशमा धक कामाक (माहीसकी নের পুত্র) ঞ্চার করাইয়া এক প্রস্তুত সৈন্দেহ নগরে প্রবেশস্ম বিক অভিনন রাজাও রেসিডেন্টকে কারাবন্ধ করিয়া ঐ কশ্যিত পুত্রকে বিংগাসনে বসাইলেন। লার্ড অক্লাও এক দল ইউ রোপীয় সৈন্য অযোধ্যার পাঠাইলেন, তাহারা রাজধানী স্থান্ত मन रैक्क ७०। ४० जनक रहारह कतिल, त्रानी भवाद याहि য়া অগত্যা ছলোত্রাধিকারী গৃহ ইংরাজাগীনে বাস করিলেনঃ एथन नाकीत फेरफीन। कीत शेटर खिद इहेरनन। गृठ वामभाग **ৰের অঞ্জ ভাতস্পুত্র আকব**ল উদ্দৌল। ঐ সি॰হাসনাকা**জ্ঞা হ**ে ইরা মন্দলোকের মন্ত্রণায় ডিরেক্টর সমীপে আহেদন করাছে निक् किंछ। धकान शाहेन। এই घটनात किन्न कानाकाटक है? রাক্ষ স্থাপিত সেতারার রাজ। স্বকীয় উপকারক্দিগের স্থ বিজ্ঞাহিতাচরণ করিয়া মহারাষ্ট্রীয় দ্বিগের দেশ পুনঃ প্রাক্তি र्यक क्षान हरेगात मामल लाग्नाष्ट्रिक लाजुनीन वहाँ मार्शनुदात श्रीकर्ाठ त्राकात्माशा मारश्टरत सर् गिर्धा ଓ महार्शि 🗸 विद्योधिकारणी मिन्न रेमना विभारक श्राह्म । वाद्या श्री में निकार का

तिरक वाक्षा कविरक्ता । काश्येत भवर्गमं के भिक्षित विराध की भ টাৰ্শ্বাৰান পাইয়া ভাষাকে পদচ্যত কৰিতে উদ্যত ছিলেন, এ মত সময়ে ১৮৩৯ সালে সর, জেমস কার্ণাক বোদ্ধের গবর্ণরী পদাভিষ্টিক্ত হটয়া আগমনানম্ভ স্বরং সেতারা রাজধানী যাইয়া ১৮১৯ মালের সন্ধিপত্রের নিয়নান্ত্রারৈ পার্স্পার ঐক্য থাকন ইত্যাদি কার্য্য করিতে অনেক অনুরোধ করিলেন। সেতারার য়াপা তালা কর্ণকুহরে স্থান দিলেন না, তালার এমত করণের মূলকারণ এই ছি ন যে তিনি হতমান্য হইয়া ব্রিটিস রাজ্যে বাস াইত আজ্প্ত হইয়াছিলেন, অবশে ্মেণ্ কণ্ণাক ঐনিকোধ অথচ অবাধ্য রাজাকে পদচ্যুত করিয়া তদভাতাকে সিংহাসনে বিষয় অভঃপর আফগান স্থান জয়ের বিষয় কথিতবঃ क्षेत्रेश । अताकारक हिना शानत निश्च्छात संबंध कहा गाउँ, যেতিক তাহা সুরক্ষিত হুইলে কোন ভিন্ন দেশীয় শক্রুরা প্রবি ক ভইতে পাবে না, ইহার প্রধান নগন্ত। রি কাবল, কান্দা ক্লাৰ, প্ৰজান, পেশোয়ার । ইত্রাজী ১৮০৯ সালে আফগান জুগ্রিশাহ শুকা উল্ন্তেকর অনাত্য মহামাদ শাহ্র তাহাঁকে পুরিক করত রাজ্যপ্রাপ্ত হন।ইতিপুর্বে সূজা আপনদাতা মহা শ্বাদের প্রতিভনুগ্রহ প্রকাশ করত তাহার চক্রৎপাটন করেন মাই, এইফানে তিনি বরকজাই জ'তীয় সৈন্যাধ্যক্ষ কতেশাহার অমুকুলতাতে ঐ সি॰লাসন পাইয়া শেৰে-তাহাঁকেই হত্যাক রেন, এই বিশাসঘাতকতার ফতেশার ভাতাগণ পরবারণ পুৰুক মহাসাধক পাল্লিক সন্মুখবর্তি চিরাটে ভাড়াইলেন, কিংকালভাতে তথায় ভাষার পঞ্জ প্রাপ্ত হইলেতংপুত্র काम विनादक अव निके दोखार्ग र्नन कदिएन। मा स महसाह नकी শৌনা পারাক্রদ শাদীয়, প্রযুক্ত ১৯০০ বালে কাবলাধিপতি ক্ষ্ম তাত বি অন্য ভাতারা কান্দাহারের ও রাজারণবিভাকি क्ट्राह्म हारद्व केवंद क्रेस्त्र । अवे त्यावकत विशय नगरत अविकास मार्मादेव थना १८१ एक शकान मुनकि वर्गाव द्वा

সাহায্য প্রত্যাশায় বঞ্চিত ক্ট্রা দশবিবারে লুধিয়ান্থক ব্টিসা खर्य थार्कन। उएकारन कित्रोत त्यर धनवन्न काउँके नियनक, ঘজাতীয় স্বাভাবিক ছল প্রকাশের সুসময় বিবেচনা করিয়া পারসিয়ান শাহাদিগকে আফগান স্থান পুরাতন অধিকার বলিয়া ১ স্বস্থান্ ছইতে উৎসাহ দিল এবং ভাহাদের এক প্রস্তুত দৈন্য হিরাটাক্রম**ন** করিল কিন্তু **ঐ স্থান কামরানের দা**রা অতি দৃদ্ৰাপে রক্ষিত হইয়াছিল এবং তৎসাহায্যা**র্থে মে**০ পটিঞ্জর প্রেরত হন, তাহাঁর বুদ্ধি কৌশলে হিরাটের সৈন্য ছার। পারসিয়া বিপক্ষেরা তাড়িত হ**ইল। যখন ইংরাজেরা** ক্রিয়ান্ দিগকে এমত কার্যানুষ্ঠানের কারণ জিজানিলেন ত খন তাহারা সমগ্রই অস্বীকৃত হইল। ১৮৩৬ মালে শীকেরা দ্বি তায় বার কাবোলাক্রমণোদান করিলে আমীয় দােস্ত ত্রস্ত হ্ই য়া পার্নিয়া ও কাসিয়। দববারে সাহাষ্য প্রার্থনায় পত্র লিখি লেন ও যে মাদে বৃটিন গ্রণ্মেণ্টকেও সংবাদ দিলেন, লাড নাহাতরু ১৮৩৭ সালের সেপ্টেম্বরে কা**গুান আলেকজাণ্ডর** বরকাকে দৌত্যকর্মে তথায় পাঠান মখন পারনীয়া দেনা ও ৰ পিয়ার দূত কার্লে উপনীত ও দো**ন্ত মহামাদ পেশোর** পুন**ং** প্রাপ্তার্থে প্রধান অভিলাষী হইলেন ও তাহার রাজ্যের নাহ। য্যার্থে ব্রসিয়ার দূতও প্রতিজ্ঞা করিলেন তথন লার্ড অকল্যাগু লিখিলেন ব্রিটিন প্রজারা কোন মতেই তাহাঁরদিগের সহায়তা করিতে পারেন না অচএব ক্রিয়ার সহায়তাই সুন্দর মতে প্র কাশ পাইল। দোন্তমহামাদ কৌশল ক্রমে পারসীয়া সেনা গণের হিন্দৃস্থানাক্রমণের ভয় প্রদর্শন পুর্বাক তৎ প্রতিরোধার্ব প্রবিস্থার লিখনানুসারে যুক্ষ ব্যয় বলিয়া মে০ বরেন্স স্থানে ৩ লক্ষ মুদ্রাপ্রার্থনা করিলে সাহেব তাহা দিতে অপারগ হইয়া ১৮৩৮ দলে ২৮ এপ্রিলে কাবুল হইতে উঠিয়া আদিলেন এবং .কসিয়া ও পারদারার যুক্ত শক্তি ও পরাক্রমে ভাৰ্তব্রের 11 20 11

छविद्यांतरणञ्चात्र विश्वयुक्ष विकित्रकरण गवर्र अभेरक वागाईरणन थवः स्मकना हेन मारहदक ७ ऋत निधितन । बे बिनियातिता খলতা দ্বারা বর্দ্ধিয়ু হইয়া ভুরকী ও পার সিয়ানদিগকে পর। জন্ম করিয়া অনেক রাজ্যবৃদ্ধি করে এবং যত্রাপা সমুত্রীয় লঙ প্লিপস আত্মপদ বিভূত করত স্বস্থানে বসিয়া আহারাহরণের চেকী করে ও যেমত ব্যাঘ্র আপন ভক্ষ্যজন্ত ধৃত কর্বার্থে লুকা য়িত হয় উদ্রোপ ক্যিয়ানেরা অন্য দেশ স্থায়ত্ত জন্য সর্কাদা কল ুশ্ৰণ শিক্ষকৰত বৃত্তালয় রে মত ও নিবাবাক্য অরোগে সতত রত থাকে এবং নিউ বচনে সম্ভট করিয়া পশ্চাৎ বিশ্বা পঁথাতকের ন্যায় ব্যবহার করে এবং আফগান স্থানে ভাহাদের ক্রেছাচ্ট্র বিলক্ষণ অবগত হওয়া গিয়াছে । নেও বরেন্স জ্লাই মাদে লার্ড অকল্যাওসং দিমলা প্রতে সা আৎ করিয়া কার্ লাধিকারের মন্ত্রণা দেন ও মেকনাটনের পরিপোষকভাষ্ট্র সাহা ভালার পাহায়ার্থে গ্রণর সাতের যুক্ষে অভুমতি দিলেন পারে ১৮৩৯ শাল মে মাদে ২৯ সহ্সু বৈন্য সেনামীগণ কান্দুছোৱের প্রান্ত তিপ্রনাত হইলে আত্ম শস্কা বসাভিঃ কান্দাভার্যি,ক **সপারিবারে জিনিক্ড**র্গে লুকায়িত হন, স্তরাণ ত্রিটিসেরা বিনা युष्क नगराधिकांत्र कतिरलन, अनस्त मत सान किनि २> खूनाई গজাননে উপস্থিত হন তত্রস্থ গুর্গ দৃত্তর প্রাচারদারা সুর্ফিত ও পৰতে বেষ্টিভ থাকা বিধায়ে বোম্বের ইঞ্জিনিয়ার কাপ্টান পীট শুড়ঙ্গ খনন প্রাক ২৩ জুলাই প্রভাতে বারুদের দারা নগরের সিংগ্রার ভঙ্গ করিয়া দেন, গন্তব্য পথ প্রাপ্তে সাহ সিক শ্রেগ্র শস্ত্রপানি হইয়া ছর্গে প্রবেশ করত ছেদ ভেদ ষারা ঘৰন গণের গলদ্রক ধারায় ছর্গ তৃপ্ত করিলেন, মীর 💌 কজন রনে পরাস্ত হইয়া পলায়ন করেন এই প্রকারে ≷ রা **ए**क वा विक्रिक स्था हरेया এक मश्चाह भटत स्वाधिक का भ अविके कारवादम अवन्य किन्निक वामीत पास महामान जल्ला 🚰 दीशों इहें जिस । बि हिस्सा कार्यन क्यो हहेग्रा भाराकारक

गिरशामा वनाहेत्वन। जाहारक व्यत्नानः मकत्वहे छाई। क খানজন সূচক জ্ঞানে মৌনাবগন্ধনে রহিলেন। তিনি বংখ জাজি দিগের ন্যায় যেন্দ্রকৌলীন্য পদ স্থাপানাথে আজ্ঞা করিলেন ইহাতেই সিন্ধতীরস্থ অনেকানেক সেনাপতিরা ও সভাত ব্যক্তি রা ঐ পদে নিযুক্ত হইলেন। দোক্ত মহামাণ তুরকী স্থানে বেনিয় নের আশ্রার গ্রহণ করাতে কুলুনের অধীন ৬ হাজার উজবে भारत ज्यम विभिन्न कार्याला क्ये एशा का महिल कर्न শ ডেনাই ঐ বেনিয়নের গুহাতে গিয়া ১৮৪৭ দাল ১৭ সেত্রুরে <u>ংশতপদাতিক ও ৩শত তুমঞ্লারোণী সৈন্যহ অভিৰেগে আঞ্ছে</u> মণ করাতে শক্তর। অনেকে হতাহত হট্যা পলাউল। বলগের পুরুজাগে কুলুমের ওয়ালী ও দে।স্তমন্মান সহ পরস্পর যে মেল ছিল, উক্ত युक्त घটনাতেই তাহা नकी इहेल । পারিশেবে লাস্ত মহমাদ নিতৃপায়ে ৩ নবেম্বরে মেটনাটন সমাপে আত্মসমর্পন করিলেন। তিনি ১২ নবেম্বরে সপরিবারে তাহাকে ভারতবর্ষীয় মসুরি স্থানে পাঠান পরে তদবস্থায় কলিকাতায় আনীত হন ১৮৪১ সালে जागीत দোন্তের বীর পুত্র আকবর মহমাদ তাতি म॰গোপনে सदनगोग्र अधान, लाद्यत छ मिक्तू प्राचीत स्मत মহমাদ প্রভৃতির সহযোগে ইংরাজ বধার্থ বড়বলী করিয়া২৩ ভিষেয়ার রেসিডেউ **মেকনাটনকে ছলনা দ্বারা হনন কর**ভ यवरमञ्जा उष्ट्रिशेत वरेशा उष्मार कतिल हे जि भू र्या ७, वरत्न ए ভৎদ্রাতা ওলেপ্টেনণ্ট্ ব্রাডফুডকে অকমাৎ হতকরে ইং ১৮৪২ সাল ৬জা নুয়ারি ত্রিটিস গ্রথমেণ্টের দ্বাদশস্হসু সেনা ওত্তুল্য সংখ্যক অনুচর গলকে প্রতারণা ছারা সংহার, শিবির দাই, হিন্দু সেপাহা গণকে দেশান্তরে বিক্রয়ও যুবতী হর্ণ, বৃদ্ধা जूत खो नानक काता क्रक रेजामि हेन्द्राक शत्त्र प्रश्न बृद्धाक व्यवन कतित्व शमश्र विमीर्ग रश्न, जयभा रहेरा छ। जुलु इ इ इन् শলারন করত জলালাবাদে আসিয়ামেণ খোল নাডে্বকে কার লীয় শশুভ সংবাদ বিজ্ঞাপন করিলেন। এতচ্চুবৰে জৈনিয়ে ह

निष्ठे दिल्ली पूर्व हरेशा व्यक्तिकानीय नाइन पूर्वक छर्त हरे। छ ৰাহির হইয়া ক্ষণকাল যুদ্ধে যবনদিগকে ডিল ভিল করেন 1:২ জানুরারি আকবর্থী নয়সহসু দৈন্সাহিত্যে জলালাকাদ বেদ্টন বুৰ্ক্নানা মতে অভ্যাচার করিল ও শতবার দ্যতর ভকল্পে प्रमंख्य এवर किमाद्रल मारे ७ त्रल कातावक्त, এश्रिल मारम्भाइ শুকাও গুপ্তামাতে হত হইক্ষা প্রনার্ভ অকলাতের পরিবর্জে শার্ভ এলেনবরা সাংহ্র গ্রেণর জেনরলী পদে নিযুক্ত হইয়া ১৮৪২ সাল ২৮ কিব্ৰুৱারি ভারতব্যে উপস্থিত হ্ন, গ্ৰহ্মে ক্টের দিতীয়াজ্ঞানুসারে ২০ আগষ্টে পোলাক সাহেব কাবল যাত্রা করিলেন । ইতঃপুরের ৭ এপ্রেলে শেল সাহেব জলালা বাদ জর্ম হইতে স্বপরাক্রমে বহির্গত হইয়া আধ্বরকে রুল্ পরাভূত করেন এবং ১৫ আগফী জেনরেল নট বছ সন্ত্র সহ গিজ্নির প্রাচীর ওংগহাদি তোপে উড়াইয়া দেন । অনন্তর জেনরেল পোলাক, শেল, নট, সমিলিত হইয়া বিপুল সেনা माहिट्या कार्याल (প্রবিত হইলে আকবর কারাবন্ধ গণের প্রাণ ৰাশ করনেচ্ছা সভ্তে পিত। মাতা ভাতা প্রভৃতি ত্রিটিনের বধ্য হাইবেন,ইত্যাশস্কায় বন্ধৃতাভাবে বাসিনের এর ইইতে বলগ **॰**एक विनाय (**एन । ই**ৎরাজের। ১৮৪২ । ৬ (**স**প্টেম্বরে গিজনির ছুর্বে ও ১৫ দেপ্টেম্বরে কার্লে জয় পাতাকার সহ দিতীয়বার শাশুজার বংশকে সিংহাসনে স্থাপিত করেন। এই প্রকারে সেনাপতি জেনরেল পোলাক এনট সাহেব প্রবল পরাক্রমে কারল করতল ও কর্ণেল রিচমণ্ড ৯ আক্টবরে প্রধান দেবালয় 📽 বাজার বিপণি প্রভৃতি ধ্বংস ও২৬ আক্টোবরে খাইবর शान स्वाह ७ ज नानावारम् अमृशेष्ठीनिकामि हूर्वा समान क

द्रास्ड नगत्र ममज्मि स्रेल, किन्न नार्छ अल्बन्द्रा स्विद्यान के बाजाधनाकत कतिरा जारमक वार्य दश अनः मक्र नारकात कर्बार्य ও কোন ফল নাই সুতরাং সহচর গণ সহ দোও মহম্মটক ছাড়িয়া দিলেন, ভাহারা কাকোলে দিরা সকল শূন্যাকার দেখি য়া ময়নজলে নিক্ত হইলেন জেনরেল নট প্রভৃতি গৈজনি মদীদ হইতে সোমনাথের চন্দনকাপ্ত নির্মিত বিখ্যাত পুরদ্ধার মঞ্চে ল ইয়া১৭ ডিসেম্বর ফিরোজপুর উপানতিহন লার্ড বাহাড়র তথায় আফগানীয় জয় চিহ্ন এক মহাসেতু নির্মাণ করাইলেন ৷ ইং ১৮৪৭ সালে বিশাসঘাতক আখবর গণ্ডামক পর্বত সমাপে আদা অভ্রচর দারা বিষপানে নিহত হন । ১৮৪২ সাল জ্বাই পর্যান্ত চীনিয়দিগের সহ ইংরাজেরা গুরুতর যুদ্ধ করেন, সেপ্টে मदत ही नाधिপতि हेश्लिन शवनं श्वादिक वल मेल मृत्ये निक्त হইয়া (>১ নিলিয়ন) চুইজ্যোড় দশাল্ফ ডালব দণ্ডস্বৰূপা ইংরা জ্পিত্র দিয়া সন্ধি করিয়াছেন, ঐ সন্ধিতে এই নিয়ম তইল य इरकर महत्र हेरताकाप्तत्र विवाधिकार शाकित्व, उ वि मकन ব্রিটিস প্রজারা চীনীয়দের অধীনে বন্ধ ছিল তাহাদিগকে মুক্ত क्तिरवन, त्राष्ट्राता रननिकन्छ व्यथाक्ष रमनामल ও हीन इन्हें कि শিবির উঠাইবেন এবং কাণ্টন, এমর, ফুচৌফুলিম্পু, সেঞ্চাই স্থানে ত্রিটিন ও ভারতবর্ষীয় সওদাগর গণ বাণিজ্য করিবে সেনা পতিপটিঞ্জর ও চীন রাজার কমিস্যানর গণ ঐক্যমতে স্ক্রি পত্র লিখিয়া পাঠাইলে মন্ত্রীগণের সম্মতিক্রমে মহারাজ আ হাতে স্বাক্ষর করেন। কিছুকাল পরে যুদ্ধ জাহাজ সকল হং কং নগরে উপস্থিত হয়, এই প্রকারে চান কাবল স্বয়ে ব্রিটিস গবর্ণমেন্ট দিগ্রিজয়ो হইলেন, ইং ১৮৪১ সালাবধি সিস্কু সেনা स्त्रा हेश्याम थानि मानाविश्व चनाताव करत, किन चीव बीय युक्त वाश्व थाकारा विकित्तवा मन्नोव्ह्क हिलान, विश्व कात नेन महमु रेमना त्रशांकिकारय लात थाना े कांत्रभूरेत ने देवक हरेले, उत्सञ्क ५৮८२ मान जिस्मादत कर्नन अप्राटन

मिनाशिक मत ठालर्ग मिश्रत खाम का देखीति अकर्नल देश हैन देशारी जिन फिक इटेंड चाक्रमन पूर्वक चनाइनी जीठ, আমীর ও সরদার দিগকে পরাজয় ও উত্ত করিলেন, তাহা রা বিটিস সমরাত্রে দ্ভায়মান হইতে না পারিয়া পলায়ন काँद्रण। इं २৮४०। २८ जाल्याति कीवनुत्तत निवित स्टेंट সলৈন্যে মেং নেপিয়ের আগ্রেরগ্র হইয়া অর্ল্যে প্রবেশ পুর্বক আনীর সীররস্তমকে যুদ্ধে ধৃত ও অপানানকরত তাগে করিলেন, কিন্ত তাহাঁর বন্গমন মানস সিল্ল হইল মার অনভর সিকু হয় महाविद्या है देशा है । अन अवाह वह अविके इहेरनम, ११ कि उ স্থারি মিয়ানি স্থানে ও২৪ মাচ্চ হয়দরাবাদের যুদ্ধে আনীরেরা हीन वन इस भारत् এপ্রেল মাদে শত্রুরা রুলে হতা হত হইলে ইংরাজেরা তত্ত্ত হর্গদি বিল্টন পুর্বক প্রায় ক্রোড় যুদ্রা भाइतन उ उत्मन भवन्त्रा केत्र आवल शहन उथन आभीत्त्रा রণসজ্জা পরিহার পুর্বাক হেটমুণ্ডে সন্ধি করিতে পদাবনত হই लन। है दाख्य निमाकन स्मानन निक् इयन वारामित कामी ब्रिंग्रित खोलांक ममृत्हत खानजून। धन मनि मुक्ता ভृतनांपि मू विद्वा महेलान, स्विकतं जन्मु करतं चाला कविशा अ याँशासत मुश्राक्रीं परियाल शान नाहे, नकु (मेगीय लाक्त्रा (भेरे गानि ,শী কামিনীদিগকে মাঠেং ভ্রমণ করাইলেন, মেৎ নেপিয়ারের অত্যাচারে সিম্কুদেশ উচ্ছিন হইল, লার্ড এলেন্বরার রাজত্ত্ব होन कावन निकु इश्रमतावान এই जिन झानीत क्षथान कुछ कड ক্রীদাকা দি কাটাকাটি ও কত নগর সমভূমি ও কত টাকা যুক্তে অপাব ও কত ফলেংপাদক ভূমি পশুর বাসস্থান হইরাছে कोशात वर्गध नाहै। प्रमालागी, चीठ, शमासिठ अ अनुनामसी এবং রন্পনিরস্ত ব্যক্তিগনের জীলোকের প্রতি অভ্যাচার ওধর্ম। লয় মন্ট করাতে সভান্ধের প্রতি অবশাই কলঙ্ক হইতে পারে। ইং এই দাল ২৩ জুলাই সর হেনরি হার্ডিঞ্জ সাহের ভারতবর্ষীয়গর ब्यारनंत्रती शांत शहर इंदेश ध्राच्या मात्र ताक प्रादक नर्त কারী কার্যের বৈং তাগ প্রার্থনাতে পার্কিয়ামেন্টের অভিপ্রান্ত্র অথচ সন্থিবেচনা বিধায় যে অংশ দেওয়া স্পর্টত উচিত, তর্মু মিত্ত লোক পূর্ণ নানা জিলা বাসিদের সভাতা ও নীতি শিক্ষার ১৮ ডিসেম্বরে তিনসুবাতে ১০১ গ্রামা পাঠশালা ও ১৮৪৫ শালে আকটবরে রুক্তনগর কালেজ ও চারিটা জিলা কুল স্থাপনা চুজ্ঞা দেন ডেলার্ক বাদশাহের ও ইউইভিয়া কোলানির সহ সন্ধিতে কলিকাতার ২২ফিব্রুয়ারি যে নিয়মে শ্রীরামপুরও বালে প্রবেধ ক্টি ইংরাজ গ্রহ্মেন্ট প্রাপ্ত হন।

পঞ্জাব হাজ্যন্থ অবাধ্য শীক্ষণ শতক্র পারে বৃটিস রাজ্যে দৌরাখ্যা করাতে হেনরি হার্ভিং বাহাছর সর ভামস হর্কট মেডাক প্রতি স্বকার্য্যের ভার দিয়া ২২ সেপ্টেম্বরে কলিকাতা হইতে উত্তর পশ্চিম দেশে যাত্রা করেন, তিনি শীক দমনার্থে গিরা ১৮ ডিগে ম্ববে মদকী প্ৰতাহত ডিলেম্বরে কিরোক্তশাহা এবং ইং১৮৪৬ লাল ২৮ জান্য়ারিতে কেরি স্মিথ দারা আ**লিওয়াল। ও ১•**়ী কিব্রুরারি সুরাউন স্থানে যোরতর সংগ্রাম ওখালসা শীকসৈন্য দিগের মদ গাবা থাকা করত জরী হইয়া ১৪ ফেব্রুয়ারি লাহোরে প্রবিষ্ট হন ১৮ কেব্রুরারি পঞ্জাব মহারাজ দিলিপসিংহ ললি য়ানার শিবিরে লাড হার্ডিং সহ সাক্ষাৎ করিয়া উক্ত যুদ্ধব্যাপা द्ध ममृह (श्रम श्रकाम ও अथोन**ा** नोकाइ এवः कृषा योद्धा कद्धि লেন, ইহাতে পুনৰ্মিত্ৰতা নিবন্ধন হইবেক এমত ভয়সা জামিল। २० छ। त्रित्थं व्यथत्राद्धः महाताम मिलिश, चमछी आंनावितिः ह मह রাজধানীতে প্রত্যাগমন করেন। ২২ কিব্রুয়ারি ইৎলওীর সৈন্যেরা লাহোর কেলার সমা্থভার ও বাদশাহী মসজিদ এব॰ ছজুরিবাগ অধিকার করিল, তুর্গের অবশিষ্ট ভাগে রণকৈত সিণ্ট্রে পরিবার সহ দিলিপ নৃপতি বাস করিতেছেন এইঞ যুক্তারাজগৃহ দ্বারের ভিতরে কোন দৈন্য স্থাপন হইল নাঃ ভাঁই ত্ৰবীয় যুক্ত বিষয়ি ইভিহাস মধ্যে যজুপা জয়ের প্রসক্ষ কথানত रिनेश राज्ञ बाहे अग्रेष्ठ हिंद्र खत्रशीय हर्जुः न॰ श्रीम कस्त्रक २६२

জীমান ১৮৪৭ সাল ও মার্চ ব্যবার কোর্ট উলিয়ন ওর্গ সমুখাই व्याख्टत नीठ उट्यागेवक श्रेयाहिल। उक यूटक नाउँ वाश्वक ্রতনও হইতে বাইকোণ্ট উপাধি প্রাপ্ত হন। ১৮৪৬ শাল ১মার্চ জালোবে স**ন্ধিপত্রে স্বাক্তর** হর, তদ্যুরা পঞ্জাব রাজ্য **তিমধণ্ড** 👼 📆। একাণনে কাশ্যার অভূতি স্থানে র 🕶। গোলাবসিণ্ছ স্বাধান। শ্বিতীয়, জলন্দর দোয়াব প্রভৃতি উর্বরা ভূমি ইৎলণ্ডী शांविकात सुकु रहेल। जृजीय, लारहात ता अथानी ও छर्ग मिलिश ভূপতিররহিল। খ্রীমতী মহারাণীর শতি সন্তু ভ প্রিবি কৌন্সে লের মেম্ব শ্রীযুত রাইট অনরবিল জেমস্ আত্র্র অরল অফ ডেল হোনা বাহাছর কোর্ট অব ডিরেক্টর্স সাহেবগণ দারা ভারতব ধীয় গ্রেণ্র জেমরলী ও প্রধান সৈন্যাধ্যক্ষতা পাদে নিযুক্ত ইয়া ১৮৪৮ শাन ২ माञ्चाद्रि जलदाय् ७ यन्। काल है। स्थान ধাটে পঁছছিয়া ঐ দিনেই শপথপুৰ্বক সুপ্ৰিম কৌন্সেলে উপ বিষ্ট হন। পঞাৰ রাজ্যে যে কারণে পুনঃ সংগ্রামোপস্থিত হয় ভাহালেখা বাইতেছে। মূলতানের নেজাম মূলরাজ রাজকীয় ব্যাপারে বিওক্ত হইয়া জান লবেন্স স্মাপে পদত্যগের প্রস্তাব । बायगीत आर्थमा करतम, किष्णिक करि । भाक नारशात शब् **ছিয়া তাহার অভিপ্রেড বাক্য লালোরীয় প্রকাশ্য দরবারে ব্যক্ত** ক্রিয়া মূলরাজ সলিধানে পত্র লিখিলেন, তত্ত্বর প্রাপ্তে নমা রোঃপুরুক সরদার খানসিংহকে নিজামতা পাদে নিযুক্ত করিয়া **ছৎ সঙ্গে নে ও** এএবন ও আগনিউ সাহেবকে মূলতানে পাঠা হুয়া দেন, তাঁছারা ১৯০৫ সম্বৎ ৮বৈশাখে তথার উপস্থিত হইলে कूलदाक कर्क गमान्द्र गृहीठ हम, माञ्चिमिश्व आर्थनाञ्च ুৰাত্রে ৯ বৈশাধ প্রাতে মূলরাজ সম্যত আসিয়া তাহারদিগকে ছর্স क्षार्भनं करवन, नारहरवदा फर्नच (ठाभ, वाक्रम, भाना अन्छि ख्वा मुख्यि कदिशा हावि जामि श्रद्यक्षिक छात्नर शाहादा वना ব্রুয়া দেন, পরে গমনকালে মূলতানীয় আকালিক শীক ওরো ক্ৰাও পাঠাৰ জাভীয় অবাধ্য বেনাগৰ কৰ্ত্ক দেও আগনিউ

ও এগুর্ম নিহত হন। মূলরাজ প্রাণ্ডয়েও প্রিকারের মায়ার পালাইতে না পারিয়া অগত্যা ঐ ছফ দিগের বশীভূত হইয়া র্ট্ ল সৈন্যের শরণাপান হইতে পারেন নাই, তিনি ঐ হত্যা ব্যাপা রে গুপ্তরূপে লিও ছিলেন এমত সন্দেহে ইংরাজ সহ যুৱা মট ন। হয় । পদচ্যত নেজাম মূলরাজের বিরুদ্ধে রাজ্যাধিপতির মঢাবল পরাক্রান্ত হক্ত রুক্তবর্ণ বস্তাহত স্থীর্গ কলেবর পুরুষ সকল লৌহ কাঠ বিনির্মিভাগ্নি অন্ত শস্ত্রাদি ধারি পদাকিকাশা রোহি শক্তমোহ দিপাহি সমূহ মধ্যে একৈক ইংন**ণ্ডায় দেনা** शांच मनचित्राहाति कानवान्यकोदी किवा छमश्कात ,वारमनम स করিতেই মূলতান সভাগে পি উপস্থিত ইইল। পঞ্জাবে পুন্ধু 🕸 স कारत है रे रेम्डम 152 चाक्छोनद्व लार्क ट्रिय मेरी वाहाकृत छ। ভত বর্ণীর নৌক্ষেলের প্রধান নাম্বর মেডাক সাহেবকে ডিপুটা হাবৰ্বী পাদে নিযুক্তকিরিয়া ক**লিকাতা হইতে উত্ত**ঃপা•িলনদেশে যাত্র। করিলেন । এবং ২৫ নবেম্বরে অত্যালার পঁছছিয়া শিবির স্থাপন করেন। বৃটিষ রেলিডেও মেং করির কার্যালেরে ও শাস নের দৌকলে সমগ্র পঞ্জাবীত প্রজা ও ভ্যাপকারিরা গবর্ণ নেটের বিরুজাতারী হইটা সরদারের। যেং মলোচঃখে অন্তথারন कृतिया जित्रपात भरतम् भाष्टि धरे रा भ भवनं मिने क्रीक रिमा দিগের দেবিয়ালা নিমিত মহারাজ দিলিপ সিংহ ও তাঁহার মাতা র ৮৩,ভেইয়া মহারাজ সিংহের ও মূলরাজের বিপক্ষে যুর্বোপ স্থিত করির) ছিলেন। কাপ্তান এবাট, প্রধান সেনাপতি ছত্রসিৎ হের প্রতি অবিচার ও অত্যাচার করাতে হাজারা প্রদেশে গোল বোগ হয়, রাজ। মধ্যে গোহত্যা নিবারণ করেন শাই। মেজর এড ওয়ার্ড শীক বিরুদ্ধে যুদ্ধকরিতে সিন্ধু নদী পারাবার বাসি সোৰ দিগকে প্রবৃত্তি দেন, ও ফতেওঁ৷ তেওয়ানাকে কুমন্ত্রণা দিয়া করে ন তুনি চাপি ওয়ালা রাম সিংহকে আবদ্ধ ও বামুপ্রদেশীয় দৈন मिरा वाकिमत्रान्त नर्धे कत है आपि कातर मीरका क्र

"गुक्राक्ष्णा

'कुं क्रिकान वा दि किंक शेवर्गरम केरक उपम माक्ट्रेड मृद्री कड़नी ह कि क नोकनार्ध मन्तर विভক्ত रहेश महति र मह मधिन ह ক্র্ট্রা, দের সিংহ সহ্ মূল্রাজের সনোভঙ্গ কর্ণার্থে এভওয়ার্ড ষালের কৌশলজ্ঞার দেন রানকে পত্র লিখেন। তাভার কিয়দি ৰূপ পারে সেওসিভি মৃণ্ডান ত্যাগ করেন,ইহাতে অনেকেই ভয়ান ক্রিলেন যে ঁ নিপি ধারা পারস্পর আত্মীয়তা উচ্চেদ হই য়াছে, ইয়া নিখানে নয়ে, যেকেতুক ২২ যেকেটয়রে সের সিংহ আ পান পিকা ছত্র সিংহের ও অন্যান্য সরদারের মন্ত্রণায় মূলতান ছৰ্গ মহত মূলৱাজকৈ তৰ্গ কুজিকাও পঞ্জাবের দেওয়ানী ভারাণণি প্রংসর ভদকীভূত উৎসর তোপাধ্বনি করেন, এছদার: दिविध रुप्त मीकटनत अगाए हम्बङ्ग अयुक्त निकास र जाना ্রিত ছিল। মহারাজ দিলি। দিংহলে ধ্রণার্থ দের সিংহৈর দ্রোতা আতর ও গোলাব সিংহ লাহোরে আসাতে ব্রিটিস সৈনে: রা নৃপতিকে কারাপ্রক্ত করে। ৬ নবেশ্বর অবপি ফুলতাংন ও লা হোরে কি জ্নান। স্থানে শাক ও বিটেসেরা অবিশ্রাস যুদ্ধ করি য়াবছশত ব্যক্তি হতাহত ও ৭ নবেম্বরের ঘোর সমরে ইংরা জেরা জয়বুক্ত হন, ঐ দিনে মূলতানের প্রান্তরে ২০ ফিট পায়ি শর ততুবা মড়ীর নালার পারপারে মেনাপতি ছইস, ও এডও ক্লীড ও কোর্টলাওের শিবিরাক্রমণ প্রাক শক্ররা তুমুল যুদ্ধ করে ও সূর্য্যকুণ্ডের সালিধ্য এডবার্ডের ও মহারানীর ও অনান্য বৈন্পূৰ্ অনবরত গোলাফেপে প্রায় ৮ শত বিপক্ষকে হতাহত করে শেষ ভত্তন খার সৈনের। অন্ত যুদ্ধে প্রবৃত্ত হয়, শক্ররা শিদি রওওটা তোপ ত্যাগ পুনক পলাইন। ব্রিটিস পক্ষে ৬৬ জন ইত ও অনেকে অতেত হয়, এয়লে শত্রুপক্ষীয় সেনাগতি হরি সিংহের অব শুলি ঘারা আহত ও পতিত হইবার তিনি স্বশ্রী वृत एक के वा श्रमामा के १३० (जा श्रीवाहि माकरहेत नीत विकास विकास कर इंग्रें भारत है है दिला भीत सिन्धता छ लियाता ক্রত্রাভির নিমু হৈতে আনিয়া তলবার দারা গুকতক

সারামল।

অব্যাত 🐿 অগঞ্জির হর**ন ক**রিয়া ল**য় পরে এ দিনত মুন্টা কা**র্টেশ ভারার গ্লু হয়। হরি সিংহের মৃত্র অধ্যক্তি ব্রেক্তিলি ল কাশ করেন যে আগ্নুও এওসনের নরপোত্তর সাত মাস ক্রেক্ क्ल बाक मगीरा को वादा निव नत्त्र कित्न कितन । এवर यान বিংহও এক গোৱা বৈন্য ভ্ৰম্মণতেই আছে ৷ পঞ্জাৰ যায়, ইংরাজ পাক্ষেও৮৬১ ভোগ ঢালক দৈন্য ও ৯৪০৬ ভূমি খনক ম্রচাকারক ইত্যাদি ২৪৬৬৫ পাদাতিক সমুদায়ে ৩৬৮৮২ ব্যক্তি ছিল। রামনগরীয়ধুদ্ধ ১২১ নবেশ্ববে প্রথান সৈন্যথকে লার্ড গফ সসৈনে। আনিপুরের শিবিষে আনিয়া রাজি ও ঘণ্ট। কালে রাম নগরে বিপক্ষাভিষ্ধে জেনবেল কিউর্টন ও ক্যাস্থাবেলকে পাঠনে ঐ কালে বিপজ্যে চত্রভাগানদীর পরপাথে ১৮ তোপ ভাপন পূর্মক গোলাকেপ কবিতে লাগিল, ব্রিটিন ইয়া রোহি দৈন্যের নিদীর বামভাগে বিপক্ষের প্রতি ধাবমান হুইলে শাজ ता हुनात नती व थाल शास्त्र जा मिया जशर्या छ छति क्लर् कतारक वेद्यकत खिक्रिम रेमना दमना भी कन्छ, विकार बिश्ठ अहरू পদাদি ভঙ্গে পতিত, হইল। এডদ্যুদ্ধে জেনরেল কিউর্টন, ক র্ণেল স্থাবেলক ও ৪০ সংখ্যক পদাতিক দলের ইনসাইন হাডিজি ও কাপ্তান ফিটন জিয়েলত ও ১৪ সংখ্যক দলের বাংলুটান্ট ও যারজণ্ট হত ও কর্ণেল আলেকলাওর প্রভৃতি ১৭ জন দেনাপতি আহত ১৬৪ জন ইউরোপীয় ও এতদেশীয় বহুল দৈশ্য ও ১০৩ ঘোটক হতাহত ও ২২ জন সেনা ধৃত হইয়াছে ৷ প্ৰাভেট্ৰ ছই যণ্টা পর্যান্ত, যুদ্ধ ছিল শেষ সেরসিংহ ভোপ ছার। জরগ্ধনি করিলেন। সুলতান মহমাদকে পেশোয়ারের আহিপতা দেও য়াতে তিনি কোহাটের ছর্ম হইতে কেং লরেকা ও বিবিলরেপা. নেং কেউই, ডাক্তর তামমনকে চতুর সিংহের হতে সমুস্ত ত রেন। ২াও সেপ্টেম্বরে সেরসিইছ সহ স্মালিরাবারের ক্রিক নগরীয় যুদ্ধে মেং থগকওএল সম্পূর্ণকলে সমী ক্রিব ८० राभ ७ अहम् रेम्मा नहेंसी किनम मिर्कि होता

, भाग्राविता।

প্রাক্তি ভানপ্রিয় করিয়া একাংশ সেনা নিবিত বন্দ্রেশ শাশ विक्रिया मेमी शांदि शांभन कित्रियान, २৮ छित्ययुद्ध श्रवीन रेमना খিকে চল্লভাগানদী পার হইয়া দক্ষিণ তীরে হিলা কানে বি न्ने श्रापन करत्न। १० विष्णवार मृतकारमञ्जूषि वेण्यांक शत्क ४०० रैनन, १० आकिमत ७ (ल पे. श्रुकतात नितंत इन । ७ 'छ সেম্বরে বিপক্ষেরা পারাস্ত ২ইবা ছগো প্রবেশ করে, ঐদিন রাত্রি ২ প্ৰহর কালে বাৰদ গৃহে ভোপায়ি পতনে সহলু বজাদাত স্থানী **কৃত্ এক শব্দের** নামে প্রায় নিস্তানে গৃত ভগ্ন হইয়া অনলরগাঁশ প্রজ্যিত হেতুক বোধ হইল যে সমগ্র ম্লতান ভিতিম্ল মহ উৰ্দ্ধে উঠিয়াছে, অন্তান এক ক্ৰোশ পৰ্যাত আকাশ মণ্ডল ক্লম্ব মেষের ন্যায় ধুনাচ্ছ র হইল, জাফালান জন উড়িয়া গোল, তৎ কালে স্বরাজের বংকে পরিবার ওপ্রায় ৫ লক্ষমুদ্রার শ্রা प्रभोजू व वहन, जम्रहे जावरहात्कत शरकम्भ दश्किस गृनदाज এই মহান্বিপদে দৃক্পাৎ না করিয়া তৎ সমকালে খুনি ক্রন্ত इंडर डिटिन रममा खेठि लाग वर्षाण विख्याम करतन मार्डे, **াঁভনি নগরের দিল্লী** নামক ধার খুলিয়া তন্ত্র দেনাপতি হইয়া ্রাড ওরার্ড সাঙ্কের প্রতি প্রবলবেণে আক্রমণ পূর্বক যোৱতর শুদ্ধ করেন, দৌভাগ্যক্রমে ছেনরি লারেন্স প্রভৃতি প্রধানং বীর **পুণ স্থিরভাবে বিক্রুম প্রকাশ ও বহু সৈন্য বিনাশা করাতে গুল** ্রাজ ভরোদ্যম হইরা পুনর্নগরে প্রবিষ্ট হন। ইং ১৮৪৯ শাল ≷ জ্যানুয়ারিতে মহারানার ৩২।৪৯।৭২ সংখ্যক পদাতিকের। যুদ্ধ ্ৰীরতেং মূলতানে প্রবিষ্ট চইয়া বেলা তিন ঘণ্টা কালে অস্ত্র ও ৰ্ক্টানের দ্বারা নগরাধিকার করেন । উক্ত বাসরীয় রশে দেপা, ক্ৰীয় কৈডি প্ৰভৃতি ৭ কন সেলাপতি ও ৬০ সৈন্য হতাহত হয়, বি প্রিক্শ্যাম সিংহ প্রভৃতি কএক জন সরদার পঞ্জ পায় ক্রে বৃদ্ধ । মূলতান মধ্যে ২৫ হন্তী, বহুতর অশ্ব ১৪ তোপ विश्वित के ने बार्ग का अन्यानि भाषता यात्र, भाषत हरेन त নাঠনীৰ নাৰে নিয়ক্ত হইয়া ২০ লক্ষ টাকার সম্পত্তি আৰী

मार्काद्वर । मन कानीव हैं। कर्ज करमारमार्टिंग २२ का क्षान्त जिलि रेमरनाता उपाक्ति स्रेल मृतवास मिन ঘন্ট। সময়ে অবশিক দৈন্যাদির সহকেলা ত্যাগ ও ব্রিটিস খ্রু মেন্টের অধীনতা স্বীকার পুর্বক জেনবল ছইনের নিকট আস্ত্র স্মর্পণ করিলেন, তিনি শোকাপাশানে, ইনরাইলা; স্লান্মুখ ভটরা পট্টি'লীতাম্বর পরিধান পুরংসর অস্বারোহণে ব্রিটিস শিবিরা গত হন। জৰ্ম মধ্যে নগদ ও বস্তুতে প্ৰায় ভিন কোটি মুক্ত। পাও क्षा निक्षारक् । भगवीत रमत मि॰ह मह किनम मनी जीरत ३७ का মুয়ারিতে তৃতীয়বার যুক্ষে ইণ্রাজদিগের প্রার ৯০০ গোরা ও शाक्ष मुस्मू। शिक এত एए भी यू रेमन ं सर्वे खरनर है, रशिक् इरेक. কিউট্টেন প্রভৃতি ৫৪ জন নেনা পতি নিহতাত্ত ১৪ টা তোপ বি পক কর্ছক হতে হইয়াছে। সমস্ত নিনের পার শীকেরা শিবির ভাঙ্গিয়া পলারন १८४, ব্রিটিসেরা রণজয়ী হন । কিব্রা মাসে চিলিনা ওয়ালা ও ওজরাটের যুদ্ধে দের সিত্র পরাভ হ शा मत्रमात ७ रेनग्राम मर विधिन गर्यायरेकेत व्यर्गिका संस्थात ও অস্ত্রাদ সমর্পণ করেন, ভারতবর্ষে এতজাপ ভীষণ সংগ্রাম আর কথন হয় নাই ৷ দেওরান মূলরাজ নৃত এওসন ও আগু দাহেবকে হতঃ করণার্থে দহকারী ও কুমন্ত্রণ দায়ক ছিলেন ও ভত্যাকারি কে পুরস্থার দেন এজন্য ২২ জুনে তাহার প্রাণেপ্তের 🎅 कूम रुश, भारत তৎপরিবৃদ্ধে যাবজ্জীবন করোবাসের জাদেশ ছর এবং দের সিৎহ ও ছত্র সিংহ প্রভৃতও ঐমত বর হইয়া ১৮৫৮ শাল ২৫ মার্চে এলাহাবাদ ছর্গে প্রেরিভ ঃন। কোছাট পর্ক্ তত্ত্ব আফিরিডিলে।কের। ই০রাজদিগের প্রতি অত্যাচার 🚜 🚮 তে ৬ হাজার টাকা দিয়া তাহাদিগকে শান্ত করেন । গবর্ণশ্বে ণ্টের-অধিকাণ্শ স্বজাতীয়ের আযুদ্ধণ্য হইয়া লাহের ব্লাজ্য का रिवृद्रत त्र त्र भिन्त श्रीष श्रेन १२४०० मान २० मान রারি আবদ্ধ শীকগণের মধ্যে দেরসিংহ তাতের সিংহ মধুসিংই कार्षे छेनियम प्रतं यानीं इन। कि व छिनियम पूर्व इहेरड

अवस्थित हो। इन्हां कि बहार में कि विश्व है है। जिल्ला कि विश्व है। जिल्ला है। जिल्ला

अग (क ग्विष् त्राता। कषश्च कुन्याकाद भृथिता निष्णत , ररशतिथि ७५ , जैराम दिइक्षे क्रिले मधा उत्थात्र २०॥ जन्म प्रकिन २०॥ जन्म छेख्र এই ৪৭ অংশের উর্জে, রাশি বা নকত্র চক্র প্রবহ বাযু দার। ক্ষিয়াভিমৃথে যোৱে ঐস্বাকে প্রহ্ককা বলাবার রাশিচক্র ভিড়ত অংশে বিভক্ত, অধিন্যাদি ২৭ নক্ষত্র এতেরেকর কিঞ্চি দ ্বিত্র অংশ স্থিতি, এবং অশ্বিনা ক্রিনে সংগ্রামণতে কর্থাই ক্ষুণ অংশে এক২ রাশি হয়, পূর্বী হইতে নগত্রগবের উচ্চত, ্ৰি। সুষ্ট্য এক মাস একই লাশিতে থাকেন। সুৰ্য্য, যে ড়ালি ८<mark>७ मुम्बद्धा होनुब्र इस</mark> अस कार्तान छ। हार नहान तालि ७ हनु ত্র কিন প্রান্তিক উদিত হয় । বাজ কেন্ড ভিন্ন ভাবংগ্রহ বুঁৰ্বাভিমুখে যোৱে, চন্দ্ৰ স্বশক্তিতে ৩০ দিনে শুক্র ৩৩৬সুর্ব প্ৰতি বুৰ্থ ১৯৬ মঞ্চল ৫৪০ দিলে বৃহল্পতি ১০ বংল শলি ৩০ ৰংখ 👰 मक्कियान बर्शाटन था किया ७० मध्य अनवात शृथियो विखेत. ক্রেন। রাছকেতু বক্ত গতি ক্রমে পশ্চিমাতিম্থে মেব মীন कृष्ठ अपन जंगन करतम । भूगी कित्रन काता नेकरनरे मीखि शिक्षं क्षावर मूर्गः चित्रुद्ध हत्क्षेत्र छेन छेन्द्र । मृत्रं । तृत्रं । तृत्यं । तृत्रं । तृत्यं । तृत्रं । तृत्यं । तृत्रं । तृत्र ক্রিং শিল্পামল কেশের লার একাশ পার। পৃথিবীর ছারাতে-क्ष के किल्ल के ठल के हिए बाबा मुजा कहा किल इहेल आइन इस क्षा बाह्य विषय (म " हामा होता मूर्य अस्न मस्य नरह,, का द के प्रशास हाजा अठन स्ट्रेंटिंड भारत मा, व्यरम्बर हाता के क उर कि किर्मा का के मत नंद्रत, धरे का विन किस्र करिन श्रीष्ट (कर् बक्रशिंह कर्म हं स स्थाना मृत्यात स्ट्रिक उर्रकाक हाल इस गृहर्ग व अहन इस अहना